गुरुवार 11 जून 2026
ज्येष्ठ कृष्ण - 12

डाक संस्करण
शुक्रवार 12 जून 2026

Email- dainiklokmaya@gmail.com

RNI No.-CHHHIN/2010/35328
डाक पंजीयन-छग/रायपुर संभाग/17/2026-2028

दैनिक अखबार संपूर्ण छत्तीसगढ़ के समाचार

लोकमाया

रायपुर, वर्ष-17, अंक - 149 | रायपुर, भोपाल और दिल्ली से प्रकाशित | E paper-lokmaya.news | पृष्ठ- 12 | मूल्य- ₹ 2

किसानों के कल्याण और समृद्धि के लिये सरकार प्रतिबद्ध आधुनिक तकनीक से मजबूत हो रही है कृषि व्यवस्था : मोदी

▸▸ लोकमाया न्यूज।

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों के कल्याण को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा है कि पिछले 12 वर्षों में उनकी सरकार ने कृषि क्षेत्र को आधुनिक तकनीक, बेहतर वित्तीय सहायता और बाजार से जोड़ने के लिए अनेक सुधारात्मक कदम उठाए हैं, जिससे किसानों की आय बढ़ाने और खेती को अधिक लाभकारी बनाने में मदद मिली है।

मोदी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर '12 वर्ष किसान समृद्धि' अभियान के तहत गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि किसानों को आधुनिक कृषि सुविधाएं उपलब्ध कराने पर उनकी सरकार का लगातार जोर रहा है।

ड्रोन तकनीक, सॉयल हेल्थ कार्ड तथा प्राकृतिक खाद को बढ़ावा देने वाले अभियानों से किसानों को फसल उत्पादकता बढ़ाने और टिकाऊ खेती अपनाने में सहायता मिल रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि खेती तथा अन्य आवश्यकताओं के लिए कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराने में किसान क्रेडिट कार्ड योजना किसानों, पशुपालकों और मछुआरों के लिए बेहद उपयोगी साबित हुई है। इसके माध्यम से उन्हें आसानी से वित्तीय सहायता मिल रही है। सरकार की 'बीज से बाजार तक' पहल कृषि मूल्य श्रृंखला को मजबूत कर किसानों को उनकी उपज का बेहतर और उचित मूल्य दिलाने में प्रभावी भूमिका निभा रही है। किसानों को देश की अन्न सुरक्षा, पोषण और आर्थिक समृद्धि का आधार स्तंभ बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार उनके जीवन को अधिक सुगम बनाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि पीएम-किसान सम्मान निधि और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जैसी योजनाएं किसानों की आय को सुरक्षा प्रदान करने के साथ-साथ कृषि क्षेत्र को अधिक सशक्त और लचीला बना रही हैं।

उन्होंने कहा कि पीएम-कुसुम योजना के माध्यम से किसानों को खेती के लिए सौर ऊर्जा उपलब्ध हो रही है, जिससे कृषि लागत कम हुई है और ग्रामीण क्षेत्रों में ऊर्जा उपलब्धता भी बढ़ी है। मोदी ने इस अवसर पर एक संस्कृत सुभाषित , ते कृषिं च सस्यं च मनुष्या उप जीवन्ति।

कृष्टराधिरुपजीवनीयो भवति य एवं वेद को भी उद्धृत किया और कहा कि कृषि केवल जीविका का साधन नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के पोषण का मूल आधार है। किसानों का पसीना जब मिट्टी में मिलता है तो वह अन्न बनकर देशवासियों के जीवन को संबल प्रदान करता है।

प्रधानमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सरकार के 12 सालों के कार्यकाल की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने पिछले एक दशक में प्रत्यक्ष आय सहायता, फसल बीमा, कृषि मशीनीकरण, डिजिटल सेवाओं और कृषि क्षेत्र में अक्षय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने जैसी पहलों के माध्यम से किसानों की आजीविका मजबूत करने तथा ग्रामीण समृद्धि को बढ़ाने की दिशा में व्यापक प्रयास किए हैं।

हाईकोर्ट की पुलिस को फटकार, कहा - प्राइवेट रिकवरी एजेंट नहीं बन सकती पुलिस, 53 करोड़ होल्ड करने का आदेश रद्द

बिलासपुर। पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर हाईकोर्ट ने तल्ख टिप्पणी की है। एक मामले में सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने कहा है कि पुलिस निजी वसूली एजेंट के रूप में काम नहीं कर सकती। कोर्ट ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 बीनएसएस के नियमों का उल्लंघन कर एक फाइनेंस कंपनी एनबीएफसी के बैंक खाते के करोड़ों रुपए 'होल्ड' करने के पुलिस के आदेश को खारिज कर दिया है।

दरअसल, नई दिल्ली की 'ऑक्सीजो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड एनबीएफसी कंपनी उद्योगों और छोटे व्यवसायियों को लोन देने का काम करती है। कंपनी का एक खाता कोटक महिंद्रा बैंक रायपुर ब्रांच में संचालित है, जिसमें देशभर के कर्जदारों की ईएमआई के तौर पर प्रतिदिन 12 से 15 करोड़ रुपए आते हैं। कंपनी ने रायपुर की एक फर्म श्रीजीकृपा प्रोजेक्ट लिमिटेड को कच्चा माल खरीदने के लिए करीब 10 करोड़ रुपए की लोन सुविधा दी। बाद में श्रीजीकृपा प्रोजेक्ट्स का माल सप्लाई करने वाली एक अन्य कंपनी ओएफबी टेक से वजन में धोखाधड़ी को लेकर विवाद हो गया, जिसके बाद मंदिर हसौद थाना में करीब 6.9 लाख रुपए (जो बाद में 43.38 लाख रुपये आंकी गई) की धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया।

शिक्षा विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल : 28 अधिकारियों के तबादले

▸▸ लोकमाया न्यूज।

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन, स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रशासनिक कसावट और शैक्षणिक व्यवस्थाओं को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से राज्यभर में व्यापक प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 28 अधिकारियों के स्थानांतरण आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार जिला शिक्षा अधिकारियों, विकासखंड शिक्षा अधिकारियों, सहायक संचालकों एवं प्राचार्यों को विभिन्न जिलों और कार्यालयों में नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। यह आदेश तत्काल प्रभाव से आगामी आदेश तक लागू रहेगा। अवर सचिव छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी स्थानांतरण सूची के अनुसार महासमुंद, रायपुर, बिलासपुर, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, कोरिया, बलौदाबाजार-भाटापारा, रायगढ़, गरियाबंद, धमतरी, बेमेतरा, बीजापुर, नारायणपुर और बालोद सहित अनेक जिलों में प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारियों की नई पदस्थापनाएं की गई हैं। वहीं लोक शिक्षण संचालनालय, संयुक्त संचालक कार्यालयों तथा अन्य प्रशासनिक इकाइयों में भी अधिकारियों की नई तैनाती की गई है। जारी आदेश के अनुसार प्रभारी उप संचालक लोक शिक्षण संचालनालय बी.एल. देवांगन को प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी महासमुंद बनाया गया है। प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी रायपुर हिमांशु भारतीय को प्रभारी उप संचालक लोक शिक्षण संचालनालय में पदस्थ किया गया है। सहायक संचालक एम.जी. सतीश कुमार को प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी रायपुर तथा प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी बिलासपुर विजय कुमार ताण्डे के स्थान पर रमेश्वर जायसवाल को प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी बिलासपुर की जिम्मेदारी दी गई है। इसी प्रकार मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, कोरिया, बलौदाबाजार-भाटापारा, रायगढ़, गरियाबंद, धमतरी, बेमेतरा, बीजापुर और नारायणपुर जिलों में भी नए प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। कई विकासखंड शिक्षा अधिकारियों एवं सहायक संचालकों को पदोन्नत दायित्व सौंपते हुए जिला स्तर की जिम्मेदारियां दी गई हैं, जबकि कुछ अधिकारियों को संचालनालय और संभागीय कार्यालयों में स्थानांतरित किया गया है। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने स्कूल शिक्षा विभाग में प्रशासनिक पुनर्संरचना विभागीय कार्यों में गति लाने, शैक्षणिक योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा जिलों में प्रशासनिक समन्वय को मजबूत करने के उद्देश्य से की गई है।

संक्षिप्त समाचार

ओडिशा ने एक दशक बाद 12 खेलों के लिए 25 कोचों की भर्ती की

भुवनेश्वर। ओडिशा ने अपने खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते 12 खेलों के लिए 25 कोचों की भर्ती की है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि यह भर्ती अभियान खेल विभाग के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि ओडिशा में कोचों की पिछली नियुक्ति 2016 में, यानी लगभग एक दशक पहले हुई थी। राज्य सरकार ने 16 खेलों में कोच के 38 खाली पदों को भरने के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू की थी। एक व्यापक चयन प्रक्रिया के बाद, अब तक 25 कोचों की नियुक्ति की गई है। खास बात यह है कि नए भर्ती हुए कोचों में नौ महिला कोच भी शामिल हैं, जो राज्य के खेल कोचिंग ढांचे में ज़्यादा समावेशिता और जेंडर प्रतिनिधित्व को बढ़ावा देने पर सरकार के ज़ोर को दर्शाता है।

गिरावट के साथ खुले शेयर बाजार, आईटी सेक्टर में बिकवाली हावी

मुंबई। विदेशों से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में गुरुवार को शुरुआती कारोबार में गिरावट रही। बीएसई का सेंसेक्स 367.19 अंक टूटकर 73,615.99 अंक पर खुला। कुछ ही देर में यह 464 अंक गिर गया था। खबर लिखे जाते समय यह 351.43 अंक (0.48 प्रतिशत) उतरकर 73,631.75 अंक पर रहा। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से दूसरे प्रमुख एशियाई बाजार भी लाल निशान में हैं।
नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 110.55 अंक नीचे 23,104.40 अंक पर खुला। खबर लिखे जाते समय यह 97.70 अंक यानी 0.42 प्रतिशत गिरकर 23,117.25 अंक पर था।

सेप्टिक टैंक में जहरीली गैस से दो सगे भाइयों की मृत्यु, एक मजदूर गंभीर

▸▸ लोकमाया न्यूज।

बैतूल। मध्यप्रदेश में बैतूल जिले के मुलताई नगर में एक निर्माणाधीन सेप्टिक टैंक में जहरीली गैस की चपेट में आने से दो सगे भाइयों की मृत्यु हो गई, जबकि उन्हें बचाने का प्रयास करने वाला एक अन्य मजदूर गंभीर रूप से बीमार हो गया। घायल मजदूर को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार घटना मुलताई के भगत सिंह वार्ड स्थित एक निर्माणाधीन मकान में बुधवार शाम हुई। यहां सेप्टिक टैंक की सेंट्रिंग प्लेट निकालने का कार्य किया जा रहा था। ग्राम डिवटिया निवासी विजय पंवार (38) और उनके छोटे भाई संजय पंवार (30) मजदूरी का काम कर रहे थे। बताया गया है कि शाम करीब छह बजे संजय पंवार टैंक के भीतर सेंट्रिंग खोलने के लिए उतरे थे।

काफी देर तक उनके बाहर नहीं आने पर बड़े भाई विजय पंवार उन्हें देखने और बाहर निकालने के लिए टैंक में उतर गए। इसके बाद भी दोनों बाहर नहीं आए। दोनों की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर तीसरे मजदूर मुकेश परिहार टैंक के भीतर पहुंचे, जहां उन्होंने दोनों भाइयों को बेहोश अवस्था में पड़ा देखा। उन्होंने तत्काल शोर मचाकर आसपास के लोगों को सूचना दी। इसके बाद पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची तथा तीनों मजदूरों को बाहर निकालकर मुलताई अस्पताल पहुंचाया गया।

चिकित्सकों ने विजय पंवार और संजय पंवार को मृत घोषित कर दिया, जबकि मुकेश परिहार की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया।

सुशासन तिहार में सीएम साय ने नाराजगी जताने के साथ लगाई थी फटकार, अब हटाए गए एमसीबी के डीईओ मिरे

▸▸ लोकमाया न्यूज।

मनेंद्रगढ़। छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रशासनिक व्यवस्था में कसावट लाते हुए राज्य में बड़े पैमाने पर अधिकारियों के तबादले किए हैं। राज्य शासन द्वारा 'महानदी भवन' से जारी इस नवीन आदेश के तहत कई जिलों के जिला शिक्षा अधिकारियों और प्राचार्यों के प्रभार में भारी फेरबदल किया गया है। इस पूरी सूची में सबसे बड़ा और संवेदनशील एक्शन मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुरजिले में देखने को मिला है, जहाँ सुशासन की कसौटी पर खरे न उतरने वाले अधिकारियों पर कड़ा रुख अपनाया गया है। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के जिला शिक्षा अधिकारी आरपी मिरे का तबादला कर दिया गया है। गौरतलब है कि हाल ही में घोषित हुए कक्षा 10वीं और 12वीं के बोर्ड परीक्षा परिणामों में एमसीबी जिला पूरे प्रदेश में सबसे आखिरी पायदान पर रहा था। शिक्षा के गिरते स्तर को लेकर शासन स्तर पर भारी असंतोष था। इसके अलावा, 'सुशासन तिहार' के तहत जब मुख्यमंत्री स्वयं एमसीबी जिले के चिरमिरी में मैराथन समीक्षा बैठक ले रहे थे, तब विभागीय लापरवाही और लचर कार्यप्रणाली को लेकर उन्होंने तत्कालीन डीईओ आरपी मिरे को जमकर फटकार भी लगाई थी। मुख्यमंत्री की इसी सख्त नाराजगी और खराब परफॉर्मेंस का सीधा असर इस तबादला आदेश में देखने को मिला है, जहाँ मिरे को हटाकर लोक शिक्षण संचालनालय के विकल्प पर रखा गया है।

रविकांत यादव बने प्रभारी डीईओ

जिले में पटरी से उतरी स्कूली शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने और सुशासन को जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए शासन ने अब रविकांत यादव (विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी) पर भरोसा जताया है। रविकांत यादव को तत्काल प्रभाव से मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले का नया प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी नियुक्त किया गया है।

केंद्र ने 22, 25, 27 और 30 प्रतिशत इथेनॉल मिले पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क हटाया

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने 22 प्रतिशत, 25 प्रतिशत, 27 प्रतिशत और 30 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क शून्य कर दिया है। वित्त मंत्रालय की बुधवार देर रात जारी अधिसूचनाओं में कहा गया है कि इन चारों प्रकार के पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क शून्य और इससे संबंधित सभी उपकर शून्य कर दिये गये हैं, बशर्ते इनमें मिश्रित पेट्रोल पर नियमों के मुताबिक उत्पाद शुल्क और उपकर तथा इथेनॉल पर वस्तु एवं सेवा कर और उपकर का पूरा भुगतान पहले ही किया जा चुका हो।

सरकार का यह कदम इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को बढ़ावा देने के लिए है ताकि आपूर्ति संबंधी बाधाओं के बीच कच्चे तेल का आयात कम किया जा सके।
पश्चिम एशिया संकट के कारण पिछले कुछ समय से दुनिया भर में कच्चे तेल की आपूर्ति को लेकर संकट है। ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य से वाणिज्यिक जहाजों की आवाजाही प्रतिबंधित करने से इस संकट का फिलहाल कोई समाधान निकलता नहीं दिख रहा है।

अमेरिका ने ईरान में कई ठिकानों पर नये हमले किए

वाशिंगटन। अमेरिका ने बुधवार रात ईरान पर कई हमले किए और दक्षिणी क्षेत्र में सैन्य ठिकानों के साथ-साथ वायु रक्षा प्रणाली, रडार और ड्रोन कमान एवं नियंत्रण यूनिटों को भी निशाना बनाया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकाम) ने एक बयान में कहा, कमांडर-इन-चीफ के निर्देश पर, सेनाओं ने बुधवार रात को ईरान में कई ठिकानों पर अतिरिक्त आत्मरक्षा हमले किए।

बयान में कहा गया है कि अमेरिकी सेना ने ईरान की सैन्य निगरानी क्षमताओं, संचार प्रणालियों और वायु रक्षा प्रणाली को निशाना बनाया। ये हमले ईरान की बिना वजह और लगातार आक्रामकता के जवाब में किए गए हैं। अमेरिकी सेना सतर्क, घातक और तैयार है।

इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर बातचीत में देरी करने का आरोप लगाया और कहा कि अमेरिका ईरान के खिलाफ बड़े पैमाने पर हमले की योजना बना रहा है। ट्रंप के बयान के बाद, अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने भी चेतावनी दी कि अमेरिकी सेना ईरान के खिलाफ 'कड़े' हमले करेगी।

ईरानी मीडिया ने अपनी रिपोर्टों में कहा है कि बंदर अब्बास बंदरगाह शहर, दक्षिणी ईरान के सिरिक शहर, अल्बोर्ज़ प्रांत में एश्तेहार्ड शहर के पास और कराज शहर में धमाकों की आवाज़ सुनी गई। मिनाब और मोह्र शहरों में भी धमाकों की आवाज़ सुनी गई। प्रेस टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के करगन शहर में अमेरिकी हमले में दो लोग घायल हो गए।

एनएचआरसी ने विशाखापत्तनम स्टील प्लांट विस्फोट में आठ श्रमिकों की मौत का स्वत : संज्ञान लिया

▸▸ लोकमाया न्यूज।

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम स्थित राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड के स्टील प्लांट में हुए भीषण विस्फोट में आठ श्रमिकों की मौत के मामले का स्वत: संज्ञान लिया है।

एनएचआरसी ने गुरुवार को यहां बताया कि आयोग ने इस मामले को मानवाधिकारों के संभावित उल्लंघन से जुड़ा बताते हुए आंध्र प्रदेश के मुख्य सचिव को नोटिस जारी किया है और दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

आयोग ने कहा कि मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह दुर्घटना आठ जून को विशाखापत्तनम स्टील प्लांट के 'स्टील मेल्टिंग शॉप' में हुई। ऐसा बताया गया है कि लगभग 1600 डिग्री सेल्सियस तापमान पर करीब 150 टन पिघला हुआ इस्पात ले जा रहा एक 'लैडल' अचानक विस्फोट का शिकार हो गया। इसके बाद पिघला हुआ इस्पात कार्यस्थल पर फैल गया, जिससे वहां मौजूद श्रमिक गंभीर रूप से झुलस गये।

श्रमिक यूनियन ने आरोप लगाया है कि प्लांट प्रबंधन ने सुरक्षा मानकों और आवश्यक सुरक्षा प्रोटोकॉल की अनदेखी की, जिसके कारण यह गंभीर हादसा हुआ। एनएचआरसी ने कहा कि यदि मीडिया रिपोर्टों में बताए गए तथ्य सही पाए जाते हैं, तो यह मामला श्रमिकों के मानवाधिकारों और कार्यस्थल सुरक्षा से जुड़ी गंभीर चिंताओं को उजागर करता है।

18 जून को प्रस्तावित बैतूल दौरे की तैयारियां

राष्ट्रपति के बैतूल दौरे की तैयारियां तेज, हेलीपैड निर्माण के लिए नर्मदापुरम से मंगाया गया डामर

▸▸ लोकमाया न्यूज।

बैतूल। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के 18 जून को प्रस्तावित बैतूल दौरे की तैयारियों के तहत प्रशासन ने हेलीपैड निर्माण का कार्य तेज कर दिया है। डामर की स्थानीय उपलब्धता प्रभावित होने के कारण हेलीपैड निर्माण के लिए पड़ोसी नर्मदापुरम जिले से 28 टन डामर मंगवाया गया है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार राष्ट्रपति मुर्मु ब्रह्मकुमारी संस्थान के तत्वावधान में आयोजित आध्यात्मिक जागृति से जनजातीय समाज का सशक्तिकरण कार्यक्रम में शामिल होने बैतूल आएंगी। उनके आगमन को देखते हुए मिलानपुर क्षेत्र में चार हेलीपैड तैयार किए जा रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि 18 जून के आसपास वर्षा की संभावना को ध्यान में रखते हुए हेलीपैडों का निर्माण पक्के स्वरूप में किया जाना आवश्यक माना गया। प्रारंभ में डामर की कमी के कारण सीमेंट से हेलीपैड निर्माण का विकल्प तैयार किया गया था, लेकिन लोक निर्माण विभाग ने अन्य जिलों में डामर की उपलब्धता तलाशना जारी रखा।

बाद में नर्मदापुरम जिले के एक ठेकेदार के पास डामर उपलब्ध होने की जानकारी मिलने पर तत्काल 28 टन डामर बैतूल भेजा गया। इस सामग्री से मिलानपुर के चार हेलीपैडों के साथ शहर में एक अतिरिक्त आरक्षित हेलीपैड का निर्माण भी किया जा सकेगा।

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार राष्ट्रपति के अलावा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और राज्यपाल के कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना को देखते हुए अतिरिक्त हेलीकॉप्टरों की आवाजाही के लिए एक आरक्षित हेलीपैड की आवश्यकता महसूस की गई है। इसके लिए पुलिस ग्राउंड और न्यू बैतूल स्कूल ग्राउंड को संभावित स्थानों के रूप में चिन्हित किया गया है।

इधर, न्यू बैतूल स्कूल ग्राउंड को संभावित हेलीपैड स्थल मानते हुए प्रशासन और नगर पालिका ने आसपास के अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई भी शुरू कर दी है। क्षेत्र में अस्थायी दुकानों को हटाकर मार्गों को व्यवस्थित किया जा रहा है, ताकि वीआईपी आवागमन में किसी प्रकार की बाधा न आए।

राष्ट्रपति के प्रस्तावित दौरे की तैयारियों की समीक्षा के लिए संभागायुक्त श्रीकांत बनोठ ने लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम और प्रस्तावित हेलीपैड स्थलों का निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा, पार्किंग, मंच, बैठक व्यवस्था तथा आवागमन मार्गों के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रशासन का दावा है कि कार्यक्रम से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समय सीमा में पूरी कर ली जाएंगी।

संस्थाओं को कमजोर करने की साजिश के खिलाफ लड़ने की जरुरत : खरगे

▸▸ लोकमाया न्यूज।

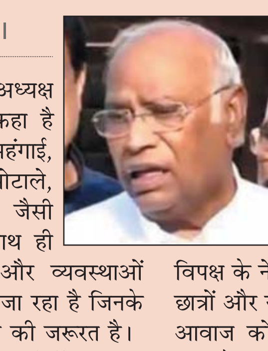

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि देश के सामने महंगाई, बेरोजगारी, परीक्षा घोटाले, सामाजिक असमानता जैसी गंभीर चुनौतियों के साथ ही संवैधानिक संस्थाओं और व्यवस्थाओं को भी कमजोर किया जा रहा है जिनके खिलाफ सख्ती से लड़ने की जरूरत है।

खरगे ने गुरुवार को यहां इंदिरा भवन में कांग्रेस महासचिवों, विभिन्न राज्यों के प्रभारियों और प्रदेश अध्यक्षों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि जिन संस्थाओं और व्यवस्थओं को बनाने में दशकों लगे, उन्हें कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में संविधान, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय की रक्षा करना कांग्रेस की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि नीट, विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विवादों ने करोड़ों युवाओं और उनके परिवारों का विश्वास हिला दिया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी स्वयं प्रभावित छात्रों और युवाओं से मिले हैं तथा उनकी आवाज को देश के सामने मजबूती से रखा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, दुर्भाग्य से हम देखते हैं कि जिन संस्थाओं और व्यवस्थाओं को बनाने में दशकों लगे, उन्हें कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। इसलिए हमारी जिम्मेदारी केवल राजनीतिक संघर्ष की नहीं, बल्कि भारत के संविधान, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय की रक्षा की भी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आज होगी नीति आयोग की बैठक

डॉ. यादव 11वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक में शामिल होने दिल्ली पहुंचे

लोकमाया न्यूज।

इंदौर,निप्र। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय नीति आयोग की 11वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक 11 जून को नई दिल्ली में होने जा रही है। बैठक का विषय '2047 तक विकसित भारत के लिए समावेशी मानव विकास' रखा गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस अति महत्वपूर्ण बैठक में शामिल होने के लिए बुधवार 10 जून को नई दिल्ली पहुंच चुके हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दिल्ली एयरपोर्ट मेट्रो स्टेशन से शिवाजी स्टेडियम मेट्रो स्टेशन तक मेट्रो रेल में सफर किया। नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की इस बैठक में राज्यों के मुख्यमंत्री और उप राज्यपाल एक साथ मिलकर समावेशी मानव विकास प्रारूप पर चर्चा करेंगे।

इन विषयों पर होगी बैठक

बताया गया है कि बैठक मुख्यत: 'मूलभूत मानव पूंजी और भविष्य के लिए तैयार कौशल', 'उत्पादक रोजगार, उद्यमिता और विकेंद्रीकृत विकास', 'स्वास्थ्य, पोषण और कल्याण' एवं 'सभी के लिए समानता और गरिमा' से जुड़े विषयों पर केन्द्रित रहेगी। बैठक में देश भर में उद्यमिता को बढ़ावा देने, कौशल विकास को बढ़ाने और स्थायी रोजगार के अवसर सृजित करने के उपायों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। बैठक में देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल, प्रशासक, केंद्रीय मंत्री पदेन सदस्य और विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में और नीति आयोग के उपाध्यक्ष, सदस्य और मुख्य कार्यकारी अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना : 5.39 करोड़ हितग्राहियों को नि :शुल्क खाद्यान्न आवंटित

भोपाल,निप्र। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि दिसम्बर, 2023 से अभी तक प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना अंतर्गत 5.39 करोड़ से अधिक पात्र हितग्राहियों को कुल 24,209 करोड़ रूपये का 74.31 लाख में. टन नि:शुल्क खाद्यान्न वितरित किया गया है। ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत श्रमिकों को नि:शुल्क राशन का वितरण करने के लिए असंगठित एवं प्रवासी श्रमिकों की 29 वी प्राथमिकता श्रेणी सम्मिलित की गई। इसमें असंगठित एवं प्रवासी श्रमिकों के 7.82 लाख परिवारों के 27.80 लाख नवीन श्रमिकों को पात्रता पर्ची जारी कर नि:शुल्क राशन का वितरण किया जा रहा है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत वितरित राशन सामग्री के परिवहन करने वाले 896 परिवहनकर्ताओं एवं 27,872 दुकानों के कमीशन देयकों का प्रतिमाह लगभग 40 करोड़ रूपये का भुगतान ऑनलाईन किया जा रहा है। यह व्यवस्था माह फरवरी, 2024 से लागू है। पूर्व में संचालित 269 पीडीएस के प्रदाय केन्द्रों की संस्था से बढ़ाकर 273 (42 नवीन) की गयी है। इससे सामग्री के प्रदाय के समय एवं राशि की बचत हुई है।

सीएम डॉ. यादव ने विधायक अंबरीश शर्मा की माताजी के निधन पर जताया दु :ख

भोपाल (लोकमाया)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के लहार विधानसभा क्षेत्र से विधायक अंबरीश शर्मा की पूज्य माताजी के देवलोक गमन पर गहन दु:ख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शोकाकुल परिजन के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कर बाबा महाकाल से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है।

घायल दम्पति, दो बच्चों को '112' ने दी त्वरित सहायता

भोपाल,निप्र। सीधी जिले के थाना चुरहट क्षेत्र में डायल-112 जवानों की तत्परता एवं संवेदनशील कार्यवाही से सड़क दुर्घटना में घायल हुए एक दम्पति एवं उनके दो बच्चों को समय पर अस्पताल पहुँचाकर उपचार उपलब्ध कराया गया। त्वरित सहायता मिलने से घायलों को समय रहते चिकित्सकीय सुविधा मिल सकी। 10 जून को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना चुरहट क्षेत्र अंतर्गत बड़खरा में मोटर साइकिल से गिरने के कारण एक दम्पति एवं दो बच्चे घायल हो गए हैं तथा पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना प्राप्त होते ही तत्काल थाना चुरहट क्षेत्र में तैनात डायल-112 वाहन को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। डायल-112 स्टाफ आरक्षक विजय साकेत एवं पायलट वेंकटेश्वर मिश्रा ने मौके पर पहुँचकर पाया कि मोटर साइकिल दुर्घटना में एक दम्पति एवं दो बच्चे घायल हो गए थे। डायल-112 जवानों ने त्वरित कार्यवाही करते हुए सभी घायलों को सुरक्षित एफआरव्ही वाहन की सहायता से शासकीय चिकित्सालय, चुरहट पहुँचाया। डायल-112 की त्वरित प्रतिक्रिया से घायलों को समय पर चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध हो सकी।

एनसीटीई पाठ्यक्रमों के प्रथम चरण का आवंटन जारी, 15 जून तक जमा करना होगा प्रवेश शुल्क

भोपाल,निप्र। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु संचालित ई-प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत एनसीटीई पाठ्यक्रमों (बी.एड., एम.एड., बी.पी.एड., एम.पी.एड. आदि) के प्रथम चरण का महाविद्यालय आवंटन जारी कर दिया गया है। प्रथम चरण में पात्र अभ्यर्थियों को महाविद्यालय आवंटित किए गए हैं। आवंटित अभ्यर्थियों को प्रवेश सुनिश्चित करने के लिये इसी माह में 15 जून 2026 तक निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। उल्लेखनीय है कि एनसीटीई पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अब कुल 64,641 अभ्यर्थियों ने पंजीयन कराया है, जिनमें से 59,113 आवेदनों का सत्यापन किया गया। प्रथम चरण में 32,918 अभ्यर्थियों को महाविद्यालय आवंटित किए गए हैं। उच्च शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों से आग्रह किया है कि वे अपने लॉगिन के माध्यम से आवंटन की जानकारी प्राप्त कर निर्धारित समय-सीमा में शुल्क जमा कर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करें। निर्धारित तिथि तक शुल्क जमा नहीं करने पर आवंटन निरस्त माना जाएगा तथा सीट आगामी चरणों के लिए उपलब्ध हो जाएगी।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में कैबिनेट मंत्री उदय प्रताप सिंह ने सुनीं जनसमस्याएं, त्वरित निराकरण के लिए निर्देश

भोपाल, (हि.स.)। मध्य प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री उदय प्रताप सिंह ने बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेशभर से आए पार्टी कार्यकर्ताओं एवं आमजनों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने विभिन्न जनहित से जुड़े मामलों पर गंभीरता से चर्चा करते हुए कई समस्याओं का मौके पर ही त्वरित समाधान कराया।

कैबिनेट मंत्री सिंह ने कार्यकर्ताओं से आत्मीय संवाद करते हुए उनकी बातों को ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जिन समस्याओं का तत्काल निराकरण संभव नहीं था, उन्हें संबंधित विभागों को शीघ्र कार्रवाई एवं समाधान के लिए प्रेषित किया गया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है और प्रत्येक नागरिक तक शासन की योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। मंत्री सिंह ने कार्यकर्ताओं को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं एवं सुझावों पर गंभीरता से कार्य किया जाएगा तथा हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। कार्यकर्ताओं ने भी अपनी क्षेत्रीय समस्याओं, विकास कार्यों एवं जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों से मंत्री को अवगत कराया। संवाद कार्यक्रम के दौरान जनसमस्याओं के निराकरण को लेकर सकारात्मक और प्रभावी पहल देखने को मिली।

विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में 21 जून को होगा सामूहिक योग

लोकमाया न्यूज।

भोपाल,निप्र। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून 2026 को प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उच्च शिक्षा विभाग ने इस संबंध में सभी कुलसचिवों, प्राचार्यों एवं संबंधित संस्थानों को निर्देश जारी किए हैं।

> उच्च शिक्षा विभाग ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए दिए निर्देश

निर्देशों के अनुसार आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2026 के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए निर्धारित गतिविधियों का पालन किया जाएगा। विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से कहा गया है कि वे योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। कार्यक्रम की तैयारी के तहत 19 जून 2026 को विद्यार्थियों को प्रशिक्षित योग शिक्षकों द्वारा योगाभ्यास कराया जाएगा। सामूहिक योग कार्यक्रम में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को योग के अनुरूप आरामदायक वेशभूषा धारण करने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। उच्च शिक्षा विभाग ने सभी विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं क्षेत्रीय कार्यालयों को योग दिवस कार्यक्रम का सफल आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

सायबर जालसाजों से सावधान रहें

बिल भुगतान अधिकृत माध्यमों से ही करें : मंत्री तोमर

लोकमाया न्यूज।

भोपाल,निप्र। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने बिजली बिलों का नगद भुगतान कंपनी के जोन, वितरण केन्द्र कार्यालय, पीओएस मशीन अथवा अधिकृत भुगतान केन्द्रों जैसे एम.पी.ऑनलाइन, कॉमन सर्विस सेंटर पर ही करें। उपभोक्ताओं को कंपनी के पोर्टल (नेट बैंकिंग, क्रेडिट/डेबिट कार्ड, यूपीआई, ईसीएस, बीबीपीएस, कैश कार्ड एवं वॉलेट आदि) फोन पे, अमेजान पे, गूगल पे, पेटीएम ऐप, व्हाट्सऐप पे एवं उपाय मोबाइल ऐप के माध्यम से भी बिल भुगतान की सुविधा उपलब्ध है।

मंत्री तोमर ने कहा है कि उपभोक्ता को असमय विद्युत विच्छेदन से बचने के लिये किसी निजी मोबाइल नंबर से कॉल कर भुगतान करने के लिये कोई एसएमएस/ व्हाट्सऐप जारी नहीं किया जाता है। कंपनी द्वारा निर्धारित आईडी से ही एसएमएस एवं व्हाट्सऐप केवल 0755 2551222 सेंडर आईडी से ही प्रेषित किए जाते हैं। उपभोक्ता किसी अन्य सेंडर आईडी अथवा निजी नंबर से आए भ्रामक मेसेज से सतर्क रहें।

कंपनी अंतर्गत विद्युत देयकों के भुगतान के लिए उपभोक्ता पहचान नंबर यानि आईवीआरएस नंबर की जरूरत होती है। आईवीआरएस नंबर के आधार पर ही जोन, वितरण केन्द्रों या अन्य गेटवे एमपी ऑनलाइन, पेटीएम, फोन पे, गूगल पे. अमेजन पे, व्हाट्सऐप पे आदि पर बिजली बिलों का भुगतान होता है। उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे किसी भी अनजान मोबाइल नंबर से आए फोन या व्हाट्सऐप मैसेज के आधार पर किसी भी मोबाइल नंबर पर देयकों की राशि अंतरित न करें। साथ ही अपना पिन नंबर भी किसी के साथ साझा न करें।

> **बिजली काटने के फर्जी मैसेज से न घबराएं...**
> कंपनी के संज्ञान में आया है कि सायबर जालसाजों द्वारा बिजली उपभोक्ताओं को एसएमएस, व्हाट्सऐप मैसेज अथवा आई.व्ही.आर. तकनीक से फोन कॉल पर नंबर दबाने के लिये कहा जाता है। इसमें बिल भुगतान कराने के लिये भय बनाकर कि आपकी बिजली कुछ घंटों बाद काट दी जाएगी, इसके लिए बिल भुगतान करने के लिये विशेष नंबर दबाएं, मोबाइल नंबर विशेष अथवा अनजान लिंक/ऐप पर क्लिक कर या संपर्क कर बकाया राशि जमा कराएं। इस प्रकार के एसएमएस, व्हाट्सऐप मैसेज एवं आई.व्ही.आर. फोन कॉल फर्जी हैं। इन पर ध्यान नहीं दिया जाए।

कलेक्टर ने बैंकर्स को दिए सख्त निर्देश, सीएम हेल्पलाइन की अनदेखी पर नोटिस जारी

दमोह, (हि.स.)। मध्य प्रदेश के दमोह में कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट प्रताप नारायण यादव ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक में जिले के सभी बैंकर्स के साथ शासकीय योजनाओं, स्वरोजगार ऋणों और सीएम हेल्पलाइन से जुड़ी शिकायतों की विस्तृत समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने कहा कि बेरोजगार युवाओं और स्वरोजगार के इच्छुक हितग्राहियों को समय पर ऋण उपलब्ध कराना प्रशासन और बैंकों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने निर्देश दिए कि विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लंबित प्रकरणों का शीघ्र परीक्षण कर ऋण स्वीकृत किए जाएं, ताकि हितग्राही आत्मनिर्भर बन सकें और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ें।

बैठक के दौरान सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में सामने आया कि बैंकों से संबंधित 24 आवेदन ऐसे थे जिन्हें संबंधित बैंक अधिकारियों ने खोला तक नहीं था। इस लापरवाही पर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी जताते हुए संबंधित बैंकर्स को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया है। प्रताप ने बताया कि 'शासन की प्राथमिकताओं को बैंक अपनी प्राथमिकता बनाएं। तिमाही आधार पर लक्ष्य पूरे करने के निर्देशकलेक्टर ने बैंकर्स को सलाह दी कि वे अपने वार्षिक लक्ष्यों को तिमाही आधार पर विभाजित करें और प्रत्येक तिमाही में अनुपातिक रूप से ऋण स्वीकृत करें। कलेक्टर ने बताया कि पंजाब नेशनल बैंक सहित कुछ बैंकों ने लक्ष्यों की प्राप्ति में उल्लेखनीय कार्य किया है। विशेष रूप से अंत्यव्यवसायी योजना के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य 100 प्रतिशत से अधिक पूरे किए गए हैं, जिसके लिए संबंधित बैंक अधिकारियों को बधाई और धन्यवाद दिया गया।

महिला आयोग ने शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए की प्रभावी व्यवस्था

टोल-फ्री हेल्पलाइन से एक कॉल पर मिलेगी त्वरित सहायता

लोकमाया न्यूज।

भोपाल,निप्र। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों की रक्षा को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए महिलाओं के लिए टोल-फ्री हेल्पलाइन 1800-233-6112 का शुभारंभ किया। हेल्पलाइन के माध्यम से प्रदेश की महिलाएं सीधे आयोग से संपर्क कर अपनी शिकायतें, समस्याएं और सुझाव दर्ज करा सकेंगी।

भोपाल स्थित राज्य महिला आयोग कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में आयोग की अध्यक्ष रेखा यादव, सदस्य साधना स्थापक तथा आयोग के सचिव सुरेश तोमर ने हेल्पलाइन का विधिवत विमोचन किया। इस अवसर पर आयोग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। श्रीमती यादव ने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल योजनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं को न्याय और सहायता तक सहज पहुंच उपलब्ध कराना भी उतना ही आवश्यक है। नई टोल-फ्री हेल्पलाइन महिलाओं और आयोग के बीच सीधा संवाद स्थापित करेगी, जिससे उनकी समस्याओं का त्वरित संज्ञान लेकर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकेगी। यह व्यवस्था विशेष रूप से उन महिलाओं के लिए उपयोगी होगी जो किसी कारणवश सीधे आयोग तक नहीं पहुंच पाती हैं। मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग द्वारा शुरू की गई यह टोल-फ्री हेल्पलाइन महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने, उन्हें आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने तथा न्याय तक उनकी पहुंच को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। श्रीमती यादव ने प्रदेश की सभी महिलाओं से अपील की है कि आवश्यकता पड़ने पर वे नि:संकोच टोल-फ्री नंबर 1800-233-6112 पर संपर्क कर अपनी समस्याएं दर्ज कराएं और उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाएं।

वहीं, श्रीमती स्थापक ने कहा कि आयोग का उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षित, सम्मानजनक और न्यायपूर्ण वातावरण उपलब्ध कराना है। हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त प्रत्येक शिकायत पर संवेदनशीलता, गंभीरता और प्राथमिकता के साथ कार्रवाई की जाएगी, जिससे पीड़ित महिलाओं को शीघ्र राहत मिल सके।

आयोग के सचिव सुरेश तोमर ने बताया कि हेल्पलाइन महिलाओं की शिकायतों के पंजीयन, मार्गदर्शन, परामर्श तथा संबंधित मामलों के फॉलोअप के लिए एक प्रभावी माध्यम के रूप में कार्य करेगी। इससे शिकायत निवारण प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और सुलभ बनेगी।

संक्षिप्त समाचार

नैनो यूरिया ने बढ़ाई किसान भागवत प्रसाद टंडन की उत्पादकता

जांजगीर-चाम्पा। जिले के जनपद पंचायत नवागढ़ के ग्राम कचंदा निवासी किसान भागवत प्रसाद टंडन लगभग तीन एकड़ भूमि पर खेती करते हैं। परंपरागत खेती के साथ बढ़ती लागत और बेहतर उत्पादन की चुनौती उनके सामने हमेशा बनी रहती थी। ऐसे समय में उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप कृषि क्षेत्र में नवाचार को अपनाते हुए अपने खेतों में नैनो यूरिया और नैनो डीएपी का उपयोग शुरू किया। कृषि विभाग से प्राप्त तकनीकी मार्गदर्शन और निरंतर प्रोत्साहन ने उन्हें नई तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित किया। नैनो उर्वरकों के प्रयोग से उनकी फसल में बेहतर पैदावार हुई, पौधों को संतुलित पोषक तत्व मिले और उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिली। श्री टंडन कहते हैं कि नैनो उर्वरकों की कम मात्रा में ही बेहतर परिणाम प्राप्त होते हैं, जिससे उर्वरक लागत में कमी आई है। साथ ही फसल की गुणवत्ता और पैदावार में भी सुधार हुआ है। उनका कहना है कि नैनो यूरिया और नैनो डीएपी का परिवहन और उपयोग भी बेहद आसान है, जिससे किसानों को अतिरिक्त सुविधा मिलती है। बेहतर उत्पादन और कम लागत के कारण उनकी आय में सकारात्मक प्रभाव पड़ा है और खेती पहले की अपेक्षा अधिक लाभकारी एवं टिकाऊ बनी है। भागवत प्रसाद टंडन का मानना है कि आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर किसान अपनी आय और उत्पादकता दोनों बढ़ा सकते हैं।

केंद्रीय राज्यमंत्री ने सुपरस्पेशलिटी अस्पताल का किया निरीक्षण

बिलासपुर। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर ने अपने दो दिवसीय बिलासपुर प्रवास के अंतिम दिन कोनी स्थित कुमार साहब स्वर्गीय दिलीप सिंह जूदेव सुपरस्पेशलिटी अस्पताल का निरीक्षण कर मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं, उपचार व्यवस्थाओं एवं स्वच्छता प्रबंधन का जायजा लिया। उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं आमजन तक पहुंचाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला, महापौर श्रीमती पूजा विधानी भी मौजूद थे। निरीक्षण के दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री ने अस्पताल परिसर में स्थापित स्वर्गीय दिलीप सिंह जूदेव की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके पश्चात उन्होंने अस्पताल की ओपीडी, पैथोलॉजी लैब, ब्लड बैंक, ऑपरेशन थिएटर सहित विभिन्न विभागों का बारीकी से अवलोकन किया तथा वहां उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं और उपचार व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों से चर्चा कर मरीजों को दी जा रही सेवाओं और अस्पताल संचालन के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। अस्पताल अधीक्षक डॉ. बी.पी. सिंह ने केंद्रीय राज्यमंत्री को बताया कि अस्पताल में प्रतिदिन औसतन 120 से 150 मरीज ओपीडी के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेते हैं। इसके अतिरिक्त आईपीडी में भर्ती मरीजों को भी विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में उपचार एवं आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। केंद्रीय राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर ने अस्पताल परिसर की स्वच्छता, सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं तथा मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सेवाओं पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आमजन को बेहतर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन, चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों के कार्यों की सराहना करते हुए सेवा भावना और संवेदनशीलता के साथ मरीजों की देखभाल जारी रखने की बात कही। इस अवसर पर दीपक सिंह, मोहित जायसवाल, अस्पताल प्रबंधन के अधिकारी, चिकित्सक, स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पर्याप्त खाद उपलब्ध, भंडारण और वितरण पिछले वर्ष की तुलना में तेज

बिलासपुर। आगामी खरीफ सीजन के लिए बिलासपुर जिले में किसानों को रासायनिक उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने व्यापक स्तर पर भंडारण एवं वितरण की व्यवस्था की गई है। जिले में वर्तमान में 49 हजार 772 टन उर्वरकों का भंडारण उपलब्ध है, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में उपलब्ध 37 हजार 987 टन भंडारण की तुलना में लगभग 31 प्रतिशत अधिक है।

सेंदुरस डबल मर्डर का सनसनीखेज खुलासा : दो साल पहले के मुक्ता हत्याकांड के आरोपी ही निकले मास्टरमाइंड

(लोकमाया न्यूज)।

सक्ती। जिले के मालखरौदा थाना क्षेत्र के सेंदुरस गांव में हुए चर्चित पति-पत्नी दोहरे हत्याकांड का पर्दाफाश करते हुए सक्ती पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। जांच में खुलासा हुआ है कि यही आरोपी वर्ष 2024 में मुक्ता गांव में हुए दोहरे हत्याकांड के भी जिम्मेदार थे। पुलिस ने लूटे गए सोने के आभूषण खरीदने वाले सराफा व्यापारी को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी देवकुमार यादव (33 वर्ष) और रूपचरण यादव (40 वर्ष) निवासी पंडरीपानी, थाना मालखरौदा हैं। वहीं लूट के आभूषण खरीदने वाले बाबूलाल साहू (50 वर्ष) निवासी जैजैपुर को भी गिरफ्तार किया गया है।

घर में घुसकर की थी निर्मम हत्या

2-3 जून 2026 की रात सेंदुरस गांव में अपने घर में सो रहे दंपति पुरुषोत्तम खुंटे और गुहरिन बाई खुंटे की लोहे की रॉड से सिर और चेहरे पर वार कर निर्मम हत्या कर दी गई थी। हत्या के बाद आरोपियों ने मृतिका के सोने के आभूषण, नकदी और मोबाइल फोन लूट लिया था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पांच दिनों तक लगातार गांव में कैंप कर पुलिस और साइबर सेल ने तकनीकी जांच शुरू की।

CEIR पोर्टल और साइबर सर्विलांस से मिला सुराग

मृतक का मोबाइल फोन घटनास्थल से गायब था। पुलिस ने उसे साइबर सर्विलांस में रखा। मोबाइल लोकेशन और टावर डंप विश्लेषण के आधार पर पुलिस को खरसिया क्षेत्र में सुराग मिला। इसके

बाद देवकुमार यादव को हिरासत में लिया गया, जिसके कब्जे से मृतक का मोबाइल बरामद हुआ। पूछताछ में उसने अपने साथी रूपचरण यादव के साथ वारदात करना स्वीकार कर लिया।

रंजिश बनी हत्या की वजह

पूछताछ में सामने आया कि कुछ दिन पहले मृतक पुरुषोत्तम खुंटे से मोटरसाइकिल खड़ी करने को लेकर विवाद हुआ था। इसी रंजिश में दोनों आरोपियों ने वारदात की योजना बनाई। रात में स्केल पट्टी से दरवाजा खोलकर घर में घुसे और सो रहे दंपति पर लोहे की रॉड से ताबड़तोड़ हमला कर मौत के घाट उतार दिया।

84 हजार में बेच दिए थे लूटे गए जेवर

वारदात के बाद आरोपियों ने सोने के आभूषण जैजैपुर के सराफा व्यापारी बाबूलाल साहू को 84 हजार रुपये में बेच दिए थे। पुलिस ने व्यापारी के कब्जे से लूटे गए आभूषण बरामद कर लिए हैं।

मुक्ता डबल मर्डर का भी हुआ खुलासा

गहन पूछताछ में आरोपियों ने जून 2024 में मुक्ता गांव में हुए चर्चित दोहरे हत्याकांड को अंजाम देना भी स्वीकार किया। उस मामले में दंपति मगनलाल गबेल और बुधवारा बाई गबेल की हत्या कर घर से आभूषण लूटे गए थे। पुलिस अब उस मामले में भी आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

पुलिस टीम को मिलेगा नगद पुरस्कार

इस जघन्य और अंधे दोहरे हत्याकांड को सुलझाने में सफलता मिलने पर बिलासपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक रामगोपाल गर्ग ने पूरी टीम को नगद पुरस्कार देने की घोषणा की है। पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल, एसडीओपी भुवनेश्वरी पैंकरा, मालखरौदा थाना और साइबर सेल की टीम ने इस बहुचर्चित मामले को सुलझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बड़ी बरामदगी

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से

- 9 ग्राम सोने के आभूषण
- लगभग 5 ग्राम गला हुआ सोना
- 77 हजार रुपये नकद
- घटना में प्रयुक्त लोहे की रॉड
- मोटरसाइकिल
- खून लगे कपड़े
- मृतक का मोबाइल फोन

बरामद किया है।

पूर्व उपमुख्यमंत्री ने किया भगवान शिवरीनारायण का दर्शन

(लोकमाया न्यूज)।

जांजगीर-चाम्पा। छत्तीसगढ़ राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री टी एस सिंहदेव ने शिवरीनारायण पहुंचकर भगवान नर - नारायण का दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। श्री शिवरीनारायण मठ पीठाधीश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दा ने अपने सहयोगियों सहित उनका स्वागत किया और दर्शन पूजन संपन्न कराया। इस अवसर पर उन्होंने श्रीराम जानकी मंदिर तथा जगदीश मंदिर में भी दर्शन पूजन किया। राजेश्री महन्त ने उन्हें शिवरीनारायण के ऐतिहासिक महत्व से अवगत करते हुए कृष्ण वट का भी दर्शन कराया। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने प्रेस से कहा कि -भगवान शिवरीनारायण के दर्शन की बहुत दिनों से अभिलाषा थी आज आने का शुभ अवसर प्राप्त हुआ। यह पवित्र तीर्थ स्थल है यहां पहुंचकर मन को शांति मिलती है। यहां के महन्त का आशीर्वाद हम सभी को प्राप्त होता है। उनसे मिलकर बड़ी प्रसन्नता हुई। मठ मंदिर के द्वारा उनका सम्मान शाल, श्रीफल एवं भगवान नर नारायण का तैल चित्र भेंट करके किया गया। इस अवसर पर विशेष रूप से पामगढ़ विधायक शेशराज हरबंस, अकलतरा विधायक राघवेंद्र सिंह, शिवरीनारायण मठ ट्रस्ट कमेटी के सदस्य राघवेंद्र प्रताप सिंह, हेमंत दुबे, सुखराम दास तथा त्यागी महाराज एवं पूर्व विधायक चैन सिंह सामले, रामकुमार पटेल, सुबोध शुक्ला, नवल सिंह, पूर्णेन्द्र तिवारी, कमलेश सिंह, प्रमोद सिंह, हर प्रसाद साहू, बजरंग शर्मा, अजय दिव्य, अमर मिश्रा, सिद्धांत मिश्रा, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती नेहा रामचरण साहू, श्यामलाल साहू, जगदीश यादव, लक्ष्मी सिंह, श्रीमती माधुरी नरेश आदित्य, मुकेश आदित्य, अशोक गुप्ता, पवन साहू, सहित कांग्रेस के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे। प्रेस को जानकारी मीडिया प्रभारी निर्मल दास वैष्णव ने प्रदान की।

अपनी इच्छा के अनुरूप अपना कैरियर चुनकर रखें : डॉ. जैन

विद्या निकेतन एवं ड्रीमलैंड पब्लिक स्कूल में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

(लोकमाया न्यूज)।

जांजगीर-चाम्पा। जिले के पामगढ़ क्षेत्र में विगत 26 वर्षों से संचालित शिक्षण संस्थान विद्या निकेतन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पामगढ़ एवं ड्रीमलैंड पब्लिक स्कूल पामगढ़ में 10 जून बुधवार को छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा आयोजित 10वीं एवं 12 वीं बोर्ड परीक्षाओं में 85 प्रतिशत एवं उससे अधिक अंक अर्जित करने वाले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को प्रतिभा सम्मान समारोह 2026 में दुर्गा प्रसाद पाण्डेय मेमोरियल अवार्ड द्वारा सम्मानित किया गया। साथ ही प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी केशव प्रसाद पाण्डेय कन्या शिक्षा योजना के तहत 5 बालिकाओं को कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक की निशुल्क शिक्षा हेतु गोद लिया गया। कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा 2026 में ड्रीमलैंड पब्लिक स्कूल पामगढ़ से कुमारी प्रज्ञा साहू ने 94.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पामगढ़ नगर क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर विद्यालय परिवार की ओर से उनको लैपटॉप देकर सम्मानित किया गया और उनके गणित के शिक्षक मेहुल पाण्डेय का टॉप में आने वाले बच्चों का विशेष योगदान रहा बच्चों को और उन्हें विद्यालय परिवार की तरफ से शुभकामनाएं दी गयी। कार्यक्रम में कुल 150 विद्यार्थियों को शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान करके उनका सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. जे.के जैन पूर्व कुल सचिव पंडित सुंदरलाल शर्मा विश्वविद्यालय बिलासपुर एवं डॉ चंद्रशेखर खरे (वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती सुधा पाण्डेय (अध्यक्ष मईनका माई शिक्षण समिति पामगढ़) के द्वारा किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में नरेंद्र कुमार पाण्डेय संचालक विद्या निकेतन एवं ड्रीमलैंड पब्लिक स्कूल पामगढ़, श्रीमती रश्मि पाण्डेय कोषाध्यक्ष मईनका माई शिक्षण समिति पामगढ़ अनुराग पाण्डेय सदस्य मईनका माई शिक्षण समिति पामगढ़ उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में बच्चों को संबोधित करते हुए डॉ चंद्रशेखर खरे ने उनको मौसम संबंधी जानकारियां किस प्रकार अर्जित करनी चाहिए बदलते हुए कहा कि हमारे आसपास घटित हो रहे हैं मौसमी चक्र को समझना अपने आप में बहुत बड़ी बात होती है क्योंकि यह हमें मौसमी घटनाओं से सुरक्षा प्रदान करती है, अतः मौसम परिवर्तन के संबंध में एक निश्चित अनुपात में जानकारी रखना अति आवश्यक होता है। डॉ.जेके जैन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जितने भी 12 वीं के विद्यार्थी हैं उनके लिए प्रबल प्रश्न और चुनौती यह है कि वह अपने आने वाले भविष्य को कैसे सवारे अब उनको एक विशिष्ट कोर्स की तरफ अग्रसर होना होगा जो निकट भविष्य में उनको उनके लक्ष्य तक लेकर जाएगा अतः अपनी रुचि और अपनी इच्छा के अनुरूप आप सभी अपना कैरियर चुनकर रखें और उसी के अनुसार आगामी शिक्षा को ग्रहण करें तथा समस्त विद्यालय परिवार की उपस्थिति में हिंदी माध्यम प्राचार्य अशोक कुमार मिरे एवं इंग्लिश माध्यम प्राचार्य दीपक कुमार प्रधान एवं अखिल शुक्ला विभाग प्रमुख के द्वारा कार्यक्रम को सफल करने के लिए समस्त विद्यालय परिवार की ओर से आभार प्रदर्शन किया गया।

पूर्व कार्यकारी जिला अध्यक्ष के निवास पहुंचे टीएस सिंहदेव

भव्य आतिशबाजी के साथ किया गया स्वागत

(लोकमाया न्यूज)।

जांजगीर-चाम्पा। छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व उप मुख्यमंत्री टी एस सिंहदेव का जांजगीर आगमन 10 जून को वरिष्ठ कांग्रेस जनों से भेंट मुलाकात के लिए हुआ। जिसके अंतर्गत सर्वप्रथम जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता रमेश पैगवार के निवास स्थान पहुंचने पर उनका स्वागत कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य आतिशबाजी ढोलताशा के साथ बुके, पुष्प माला भेंट कर किया गया, रमेश पैगवार द्वारा शाल, श्रीफल भेंटकर स्वागत किए तत्पश्चात उपस्थित सभी कांग्रेस जनों द्वारा स्वागत किया गया, सभी कार्यकर्ताओं से टी एस सिंहदेव जी द्वारा कुशलक्षेम पुछकर कांग्रेस संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी लिए, प्रमुख रूप से जिला

कांग्रेस अध्यक्ष राजेश अग्रवाल, अकलतरा क्षेत्र के विधायक राघवेंद्र सिंह, सेवादल के जिला अध्यक्ष देव कुमार पांडे, इब्राहिम मेमन, ऋषिकेश उपाध्याय, पप्पू खान, मनोहर प्रधान, आकाश तिवारी, प्रमोद पांडे, सुशांत सिंह, अशोक सोनवानी, राजकुमार ताम्रकार, जानी मास्टर, भूषण कारके, रामधन लदेर, विजय गढेवाल, अनिल चौरसिया, पार्षद विष्णु यादव, जगदीश्वरी सुर्यवंशी, भगवती यादव,राजा सिद्धकी, गुलाब कारके, नरेश पैगवार, चंद्र प्रकाश ओग्रे, वर्षा सिंह, मनोरमा पाटेकर, अशोक यादव, प्रकाश गुप्ता, शिवम प्रधान, सनी प्रधान, रवि यादव,योगेश श्रीवास, रवि सूर्यवंशी सहित भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं महिला समूह के सदस्य उपस्थित रहे।

उज्ज्वला योजना में कटौती भाजपा का गरीब विरोधी चेहरा उजागर : गुप्ता

जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता ने दी अपनी तिखी प्रतिक्रिया

(लोकमाया न्यूज)।

जांजगीर-चाम्पा। केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार द्वारा उज्ज्वला योजना के अंतर्गत मिलने वाले गैस सिलेंडरों की संख्या में कटौती किए जाने पर जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता नागेंद्र गुप्ता ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय गरीब एवं निम्न आय वर्ग के परिवारों के हितों के खिलाफ है और इससे उज्ज्वला योजना के लाखों लाभार्थियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। नागेंद्र गुप्ता ने कहा कि पहले लाभार्थियों को वर्षभर में 2 रियायती गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जाते थे अगस्त 2025 में घटकर प्रतिवर्ष 9 सिलेंडर कर दिया गया था, लेकिन अब जून 2026 को केवल 4 सिलेंडरों तक सीमित करने की बात सामने आ रही है। इससे गरीब परिवारों को शेष समय महंगी रसोई गैस खरीदने अथवा लकड़ी और पारंपरिक ईंधन का सहारा लेने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यह फैसला भाजपा सरकार के गरीब विरोधी रवैये को उजागर करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार लगातार महंगाई पर नियंत्रण करने में विफल साबित हो रही है। रसोई गैस एवं कमर्शियल सिलेंडरों की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है, वहीं गैस आपूर्ति एवं डिलीवरी व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। नागेंद्र गुप्ता ने कहा कि केंद्र सरकार के मंत्री देशवासियों को आश्वस्त करते रहे कि ईंधन आपूर्ति को लेकर कोई संकट नहीं है और वैकल्पिक व्यवस्थाएं कर ली गई हैं, लेकिन जमीनी स्थिति इससे बिल्कुल अलग दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई देशों ने वैश्विक परिस्थितियों और युद्ध जैसे हालात को देखते हुए पहले से ऊर्जा संसाधनों की वैकल्पिक व्यवस्था शुरू कर दी थी, लेकिन केंद्र सरकार जनता की मूल समस्याओं से ध्यान हटाकर राजनीतिक गतिविधियों में व्यस्त रही। इसका खामियाजा आज आम जनता, किसान और गरीब परिवार भुगत रहे हैं। वर्तमान सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हो रही है और महंगाई तथा आवश्यक सेवाओं की बढ़ती लागत ने आम लोगों का जीवन कठिन बना दिया है।

एसईसीएल मुख्यालय में समर कैंप 2026 का समापन, बच्चों ने 21 दिनों तक सीखी फिटनेस, रचनात्मकता और नेतृत्व की नई सीख

(लोकमाया न्यूज)।

बिलासपुर। बच्चों की खिलखिलाहट, रंग-बिरंगी प्रस्तुतियों और उत्साह से सराबोर वातावरण के बीच साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) मुख्यालय में आयोजित एसईसीएल समर कैंप-2026 का मंगलवार को भव्य समापन हुआ। डीएवी पब्लिक स्कूल, एसईसीएल वसंत विहार में आयोजित समापन समारोह में बच्चों ने योग, नृत्य, संगीत, खेलकूद, कला एवं शिल्प सहित विभिन्न गतिविधियों की आकर्षक प्रस्तुतियां देकर 21 दिनों की अपनी सीख और प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन तथा श्रद्धा महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती शशि दुहन रहीं। इस अवसर पर एसईसीएल के वरिष्ठ अधिकारी, विभागाध्यक्ष, एचआर-जेसीसी प्रतिनिधि, वेलफेयर कमेटी के सदस्य, श्रद्धा महिला मंडल की सदस्याएं, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में बच्चे उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान बच्चों

द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों ने उपस्थित जनों का मन मोह लिया। योग और फिटनेस प्रदर्शन में जहां अनुशासन एवं एकाग्रता की झलक दिखाई दी, वहीं नृत्य, संगीत एवं कला संबंधी प्रस्तुतियों में बच्चों की कल्पनाशीलता और आत्मविश्वास स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ। अभिभावकों ने भी बच्चों में आए सकारात्मक बदलावों और आत्मविश्वास में वृद्धि की सराहना की। अपने संबोधन में श्री हरीश दुहन ने कहा कि समर कैंप केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास का एक प्रभावी मंच है। उन्होंने बच्चों को जीवन में निरंतर सीखते रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और अपनी प्रतिभा को पहचानकर उसे निखारने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि एसईसीएल अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों के कल्याण को सदैव सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। समारोह के दौरान एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत सम्मानित अतिथियों द्वारा पौधरोपण भी किया गया। इस अवसर पर बच्चों को पौधे वितरित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया तथा उन्हें प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने और पौधों की देखभाल करने के लिए प्रेरित किया गया।

उल्लेखनीय है कि 18 मई से 10 जून 2026 तक आयोजित इस 21 दिवसीय समर कैंप में लगभग 175 बच्चों ने भाग लिया। बच्चों को आयु वर्ग के अनुसार विभिन्न समूहों में विभाजित कर फिटनेस, खेलकूद, योग, संगीत, नृत्य, कला एवं शिल्प, विज्ञान एवं नवाचार, सार्वजनिक वक्तृत्व, नेतृत्व विकास तथा अन्य शिक्षाप्रद एवं मनोरंजक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया।

आय एवं व्यय के आंकड़े

आय कर रिटर्न्स से उभरा रुझान साफ है। भारत में प्रत्यक्ष कर राजस्व अधिक से अधिक धनी वर्गों पर निर्भर होता जा रहा है। वैसे, विषमता बढ़ने की पुष्टि हवाई यात्रा संबंधी ताजा आंकड़ों से भी हुई है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए दाखिल हुए आयकर रिटर्न्स से देश में बढ़ रही आर्थिक गैर-बराबरी की झलक मिली है। एक अंग्रेजी वित्तीय अखबार के विश्लेषण के मुताबिक पांच लाख रुपये तक आमदनी वाले व्यक्तियों के रिटर्न की संख्या 2024-25 की तुलना में गिर कर लगभग आधी रह गई है। ऐसा संभवतः इसलिए हुआ कि गुजरे वित्त वर्ष में सरकार के आय कर दरों में बढ़ोतरी करने की वजह से बहुत से लोगों के लिए रिटर्न फाइल करने की अनिवार्यता नहीं रह गई। मगर इससे यह भी जाहिर होता है कि लोगों के क्रमिक रूप से ऊपर के आय वर्ग में शामिल होने का क्रम टूटा हुआ है। 2019-20 के बाद से 2022-25 तक पांच लाख से कम आबादी वाले वर्ग की ओर से सबसे ज्यादा रिटर्न फाइल होते थे। मगर अब पांच से दस लाख रुपये के बीच की आमदनी वाले समूह ने यह स्थान हासिल कर लिया है। 2024-25 में इस आय वर्ग में चार करोड़ 75 लाख रिटर्न फाइल हुए थे, जो पिछले वर्ष पांच करोड़ 45 लाख तक पहुंच गए। रुझान साफ है। भारत में प्रत्यक्ष कर राजस्व अधिक से अधिक धनी वर्गों पर निर्भर होता जा रहा है। वैसे, विषमता बढ़ने की पुष्टि हवाई यात्रा संबंधी ताजा आंकड़ों से भी हुई है। 2011-12 में हर दस लाख आबादी पर 649 परिवारों के 775 लोगों ने हवाई यात्रा की थी। तब कुल छह करोड़ 80 लाख हवाई यात्राएं हुईं। 2023-24 में हवाई यात्राओं की संख्या 15 करोड़ 37 लाख तक पहुंच गई। लेकिन ये यात्राएं हर दस लाख आबादी में 471 लोगों ने की, जो 469 परिवारों से आए। मतलब यह कि 2011 में हवाई यात्राओं की संख्या भले कम थी, मगर आबादी के हिसाब से यात्रियों का अनुपात कहीं बड़ा था। महंगी कारों एवं अन्य उपभोक्ता चीजों की खरीदारी के आंकड़ों से भी इसी रुझान का संकेत मिलता है। इसीलिए सरकार के विषमता घटने के दावों पर यकीन करना मुश्किल होता गया है। मसलन, पारिवारिक उपभोग खर्च सर्वे रिपोर्ट- 2023-24 में ऐसा दावा किया गया। जबकि आय एवं व्यय के अन्य आंकड़े कुछ और कहानी बताते हैं।

भारत की सेवा में विज्ञान के 12 वर्ष

डॉ. जितेंद्र सिंह

जब जम्मू के डोडा जिले की एक लैवेंडर किसान मौसम के पहले फूल तोड़ती है, तब वह विज्ञान नीति के बारे में नहीं सोचती। लेकिन सच यह है कि केंद्र शासित प्रदेश की बंजर पहाड़ियों को बैंगनी फूलों की सुगंधित खेती में बदलने के पीछे पिछले एक दशक में किया गया उद्देश्यपूर्ण और दूरदर्शी वैज्ञानिक निवेश ही है। यह ग्रामीण आजीविका में आई ऐसी क्रांति है, जिसकी शुरुआत एक प्रयोगशाला से हुई थी। असल में, भारत में पिछले बारह वर्षों की विज्ञान और प्रौद्योगिकी के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता का यही अर्थ है। विज्ञान केवल ज्ञान बढ़ाने का माध्यम नहीं रहा, बल्कि वह हमारे नागरिकों के दैनिक जीवन को बेहतर बनाने वाली एक जीवंत और प्रभावशाली शक्ति बन गया है।

जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में पदभार संभाला, तब उन्होंने एक ऐसी सोच प्रस्तुत की जिसमें विज्ञान को केवल किसी विभाग का काम नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का मिशन माना गया। इसके बाद के वर्षों में इस दृष्टि ने ऐसे परिणाम दिए, जो एक पीढ़ी पहले असाधारण माने जाते। आज भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर अंतरिक्ष यान उतार चुका है, पहली बार अपनी स्वदेशी एंटीबायोटिक विकसित कर चुका है, पुणे से पटना तक सुपरकंप्यूटर स्थापित कर चुका है और एक ऐसे अंतरिक्ष अर्थतंत्र का निर्माण कर चुका है जिसमें देशी स्टार्टअप्स तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। लेकिन इन उपलब्धियों की असली कहानी यह नहीं है कि हमने क्या हासिल किया, बल्कि यह है कि इन उपलब्धियों ने आम नागरिकों के जीवन को किस तरह प्रभावित किया। विज्ञान अब केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रहा, बल्कि राष्ट्रीय विकास और नागरिक सशक्तिकरण का सबसे शक्तिशाली माध्यम बन चुका है। किसानों का उदाहरण लें। भारतीय कृषि में मौसम हमेशा से सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। पिछले एक दशक में पृथ्वी अवलोकन (अर्थ ऑब्जर्वेशन) और मौसम पूर्वानुमान प्रणाली में व्यापक सुधार किए गए हैं। इसके परिणामस्वरूप आज किसानों को सटीक और स्थानीय स्तर पर मौसम की

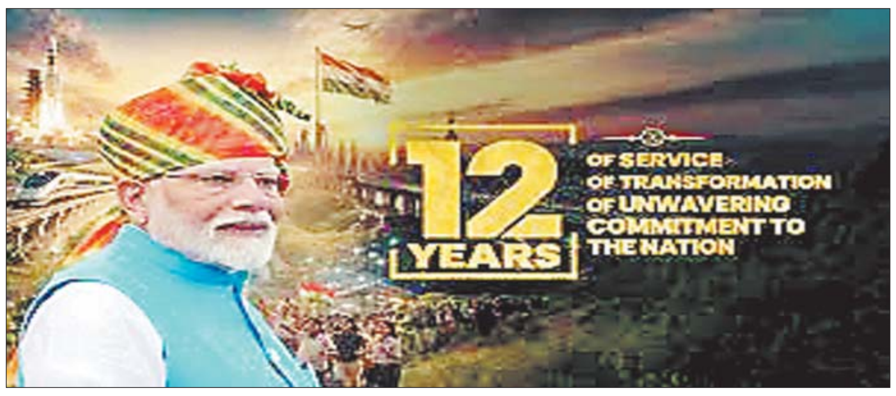

जानकारी मिल रही है। यह केवल संभावनाओं पर आधारित अनुमान नहीं, बल्कि इतनी सटीक जानकारी है कि कोई किसान परिवार यह तय कर सकता है कि फसल आज काटनी है या कल तक इंतजार करना है। आज यदि बंगाल की खाड़ी में कोई चक्रवात बनता है, तो हमारी आधुनिक पूर्व चेतावनी प्रणालियां तटीय समुदायों को कई घंटे, और कई बार कई दिन पहले ही सचेत कर देती हैं। इसका महत्व केवल आंकड़ों में नहीं मापा जा सकता; इसका वास्तविक मूल्य उन अनगिनत जानों और आजीविकाओं में दिखाई देता है जो समय रहते बचाई जा रही हैं।

जम्मू-कश्मीर की पहाड़ियों और नदी घाटियों में विज्ञान ने अरोमा मिशन के रूप में दस्तक दी। इस कार्यक्रम के तहत किसानों को लैवेंडर की खेती से जोड़ा गया तथा उन्हें तकनीक, बेहतर बीज और बाज़ार तक पहुँच उपलब्ध कराई गई। जो पहल एक छोटे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू हुई थी, वह आज भारत की पर्पल रिवोल्यूशन (बैंगनी क्रांति) के रूप में जानी जाती है। इसके माध्यम से हजारों किसान परिवार सुगंधित और औषधीय पौधों की खेती से सम्मानजनक आय अर्जित कर रहे हैं। इस समृद्धि के पीछे विज्ञान ने एक शांत लेकिन निर्णायक भूमिका निभाई है। इसी प्रकार के प्रयासों के तहत केसर की खेती का विस्तार, औषधीय जड़ी-बूटियों का उत्पादन और भारत में पहली बार हींग की खेती की शुरुआत की गई। इन पहलों ने साबित किया है कि यदि नवाचार जमीन से जुड़ा हो, तो वह किसी भी औद्योगिक तकनीक जितना परिवर्तनकारी हो सकता है। विज्ञान के माध्यम से ग्रामीण सशक्तिकरण केवल कृषि तक सीमित नहीं रहा है। किफायती ग्रामीण आवास के लिए विकसित 3डी-प्रिंटेड घरों के मॉडल से लेकर खाद्य पदार्थों में मिलावट की पहचान करने वाली कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रणालियों तक, तकनीक को उन समस्याओं के समाधान के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है जिनका सामना समाज के सबसे कमजोर वर्ग करते हैं। कंप्यूटिंग, सेंसर तकनीक और इंजीनियरिंग को एक साथ जोड़ने वाले राष्ट्रीय अंत:विषय साइबर-फिजिकल सिस्टम मिशन के तहत देशभर में 25 टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों ने एक हजार से अधिक स्टार्टअप्स को बढ़ावा दिया है, जो सटीक कृषि, स्वच्छ पेयजल उपलब्धता और ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं जैसी महत्वपूर्ण चुनौतियों के समाधान पर काम कर रहे हैं।

भारत को स्वस्थ बनाना: जैव प्रौद्योगिकी की नई क्रांति- यदि कोई क्षेत्र भारतीय विज्ञान की परिवर्तनकारी शक्ति को सबसे प्रभावशाली ढंग से दिखाता है, तो वह जैव प्रौद्योगिकी और स्वास्थ्य सेवा का क्षेत्र है। दशकों तक भारत की फार्मास्युटिकल ताकत मुख्य रूप से विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) तक सीमित रही। हम उन दवाओं के जेनेरिक संस्करण बनाते थे, जिनकी खोज दूसरे देशों में होती थी। अब यह कहानी बदल रही है। दशकों में पहली बार भारत में खोजी गई स्वदेशी एंटीबायोटिक नैफिथ्रोमाइसिन का विकास केवल एक वैज्ञानिक उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह भारत की दवा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की घोषणा भी है। सरकार के सहयोग से शोधकर्ताओं और उद्योग जगत की साझेदारी से विकसित यह दवा इस बात का प्रमाण है कि भारत की प्रयोगशालाएँ अब केवल दवाएँ बनाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि नई दवाओं की खोज और विकास के वैश्विक अग्रिम मोर्चे पर भी काम कर सकती हैं। यह वह क्षमता है जो दुनिया के केवल कुछ देशों के पास ही है। इसी तरह एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि देश में हीमोफीलिया के लिए पहली सफल स्वदेशी जीन थेरेपी क्लीनिकल ट्रायल रही, जिसे वेल्लोर स्थित क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज में सम्पन्न किया गया। हीमोफीलिया एक ऐसी बीमारी है जिसके उपचार के लिए मरीजों को जीवनभर महंगे इलाज की आवश्यकता होती है।

जीन थेरेपी की विशेषता यह है कि यह बीमारी के लक्षणों को नियंत्रित करने के बजाय उसके मूल आनुवंशिक दोष को ठीक करने का प्रयास करती है। आनुवंशिक रोगों के बड़े बोझ वाले भारत जैसे देश के लिए यह उपलब्धि बेहद महत्वपूर्ण है और भविष्य की चिकित्सा प्रणाली को बदलने की क्षमता रखती है।

इसके साथ-साथ जीनोम इंडिया प्रोजेक्ट के तहत भारत की विविध आबादी से जुड़े 10,000 से अधिक मानव जीनोम का अनुक्रमण किया जा चुका है। इससे देश में ऐसी वैज्ञानिक नींव तैयार हो रही है, जिसके आधार पर भविष्य में प्रत्येक व्यक्ति की जैविक संरचना के अनुसार व्यक्तिगत और अधिक प्रभावी उपचार उपलब्ध कराए जा सकेंगे। दूसरे शब्दों में कहें तो भारत केवल बीमारियों का इलाज करने की दिशा में ही नहीं, बल्कि व्यक्तिगत चिकित्सा के उस युग की ओर बढ़ रहा है, जहां उपचार हर मरीज की आनुवंशिक विशेषताओं के अनुरूप होगा। कोविड-19 महामारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि किसी भी देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए घरेलू जैव-चिकित्सा (बायोमेडिकल) क्षमता कितनी महत्वपूर्ण होती है। भारत की प्रतिक्रिया, अपने स्वयं के टीकों का विकास करना, उनका बड़े पैमाने पर उत्पादन करना और 1.4 अरब लोगों तक उन्हें पहुंचाना, हमारे जैव प्रौद्योगिकी तंत्र में वर्षों से किए गए निवेश का परिणाम थी।

नीतिगत गतिरोध से विकसित भारत तक: मोदी युग ने भारत को नए सिरे से परिभाषित किया

पीयूष गोयल

भारत ने विभिन्न विकसित देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं। इससे हमारे युवाओं, किसानों, छोटे व्यवसायों, कारीगरों और श्रमिकों के लिए वैश्विक स्तर पर नए अवसर खुले हैं। और ऐसा भारत के हितों से समझौता किए बिना किया गया है। यह यूपीए सरकार द्वारा किए गए कुछ लापरवाही भरे समझौतों से बिल्कुल अलग है। सरकार ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और करों की कम दरों जैसे बड़े सुधारों के जरिए कारोबार जगत और मध्यम वर्ग का भरोसा भी बढ़ाया है। इंटरनेट की पैठ और डिजिटल भुगतान प्रणाली के तेज विस्तार के साथ मिलकर, 'डिजिटल इंडिया' पहल ने अर्थव्यवस्था पर व्यापक प्रभाव डालने के साथ-साथ नागरिकों के रोजमर्रा के जीवन को भी आसान बनाया है।

वर्ष 2014 के बाद से, भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है। इसकी अर्थव्यवस्था कहीं अधिक मजबूत हुई है। बुनियादी ढांचा निश्चित रूप से बेहतर हुआ है। महिलाएं बेहद सशक्त हुई हैं। किसानों को बेहतर दाम मिल रहे हैं और गरीब अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षित हुए हैं। इन तमाम बदलावों में एक ही बात साझा है- प्रधानमंत्री मोदी की दूरदृष्टि और उनका नेतृत्व।

भारत के लोगों ने उनके दूरदर्शी एवं संवेदनशील नेतृत्व का भरपूर समर्थन किया है और उन्हें देश का सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाला निर्वाचित प्रधानमंत्री बनाया है। बीते 10 जून को उन्होंने राष्ट्र की सेवा में 4,399 दिन पूरे किए और अपनी पहली चुनावी जीत के बाद जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए आगे निकल गए।

यह ऐतिहासिक उपलब्धि भारत की लोकतांत्रिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। देश के लोगों ने ऐसे समय में 2014 में मोदी सरकार को भारी बहुमत से सत्ता सौंपी, जब अर्थव्यवस्था लड़खड़ा रही थी और यूपीए सरकार के बदनाम कार्यकाल के दौरान नीतिगत गतिरोध, भ्रष्टाचार, घोटालों एवं विवादों को लेकर जनता में निराशा लगातार बढ़ रही थी। संवेदनशील नेतृत्व - 2014 से देश निरंतर बदलाव की यात्रा पर है। मोदी सरकार ने 81 करोड़ से अधिक लोगों के लिए मुफ्त अनाज की व्यवस्था की, 58 करोड़ जन धन बैंक खातों के जरिए वित्तीय समावेशन को संभव बनाया और 16 करोड़ घरों तक नल के पानी का कनेक्शन पहुंचाया। दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना, 'आयुष्मान भारत' के जरिए 12 करोड़ परिवारों को 5 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की गारंटी मिल रही है।

कई युवा भारतीयों के लिए यह कल्पना करना मुश्किल हो सकता है कि मोदीजी द्वारा - पहले गुजरात के मुख्यमंत्री और बाद में प्रधानमंत्री के रूप में - लाए गए बड़े बदलावों से पहले जीवन कितना चुनौतीपूर्ण था। उनके निर्णायक नेतृत्व और नेक एवं संवेदनशील दृष्टिकोण ने देश को 'विकसित भारत 2047' मिशन की दिशा में आगे बढ़ाया है। इस मिशन में भारत की

विरासत पर गर्व और विकास का एक महत्वाकांक्षी एजेंडा शामिल है। प्रधानमंत्री के लिए महिलाएं केवल सहायता की लाभार्थी नहीं, बल्कि राष्ट्र-निर्माता हैं। सबसे पहले उनकी बुनियादी जरूरतों पर ध्यान दिया गया- स्वच्छ भारत मिशन के तहत 12 करोड़ से अधिक शौचालय बनाए गए। इससे उनकी सुरक्षा और सम्मान में वृद्धि हुई। वहीं, उज्ज्वला योजना के तहत 10 करोड़ से अधिक मुफ्त एलपीजी कनेक्शन दिए गए। इससे महिलाओं को धुएं से भरी रसोई के खतरों से मुक्ति मिली।

'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' की पहल ने बेटियों की शिक्षा एवं उनके कल्याण के महत्व को और ठोस बनाया है। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के जरिए, प्रधानमंत्री ने महिलाओं के नेतृत्व में विकास को आगे बढ़ाने के लिए देश की विधायिकाओं में महिलाओं की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की है। किसानों का कल्याण प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों का एक मुख्य आधार रहा है। किसानों के योगदान को मान्यता देते हुए, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) के जरिए उन्हें सीधे आय संबंधी सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना के तहत बांटे गए कुल 4.28 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि से लगभग 10 करोड़ किसान परिवारों को लाभ हुआ है। सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में भी काफी बढ़ोतरी की है, जो अब उत्पादन लागत का कम से कम 1.5 गुना है। साथ ही, किफायती दरों पर फसलों के लिए पोषक तत्व उपलब्ध कराकर किसानों को वैश्विक स्तर पर उर्वरकों की कीमतों में हुई भारी बढ़ोतरी से बचाया गया है। युवा भारतीयों के लिए अवसर सृजित करने के उद्देश्य से, 'मेक इन इंडिया' और 'स्टार्टअप इंडिया' जैसी प्रमुख पहलें शुरू की गई हैं। 'कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय' के रूप में एक समर्पित मंत्रालय के गठन से जहां युवाओं को आधुनिक अर्थव्यवस्था के अनुकूल कौशल से लैस करने में मदद मिली है, वहीं भारत को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के क्षेत्र में उभरती हुई क्रांति का लाभ उठाने के लिए तैयार भी किया गया है।

लोगों का भरोसा जीतने में सफल रहे हैं पीएम मोदी

नीतीश कुमार

भारत जैसे विशाल और प्रतिस्पर्धी लोकतंत्र में जनता का भरोसा जीतना कठिन होता है और इसे बनाये रखना और भी कठिन काम है. लगातार राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता और जनता की कड़ी नजर के बावजूद नरेंद्र मोदी लोगों का विश्वास बनाये रखने में सफल रहे हैं. भारत के सबसे लंबे समय तक लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री बनकर उन्होंने लोकतांत्रिक राजनीति में एक नया मानक स्थापित किया है. हालांकि हम भारत के अलग-अलग हिस्सों से आते हैं, प्रधानमंत्री मोदी और मैं उस पीढ़ी से हैं, जिनकी राजनीतिक चेतना आपातकाल से प्रभावित हुई थी. हमने लोकतांत्रिक स्वतंत्रता पर हुए हमले को अपनी आंखों से देखा और उस आंदोलन में भाग लिया.

दशकों तक यह धारणा रही कि देश के सर्वोच्च पद कुछ विशेषाधिकार प्राप्त लोगों या प्रभावशाली राजनीतिक परिवारों में जन्म लिये लोगों के लिए आरक्षित हैं. प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा ने इस धारणा को चुनौती दी है. साधारण शुरुआत से उठकर देश के सर्वोच्च निर्वाचित पद तक पहुंचने वाले मोदी लाखों युवा भारतीयों के लिए प्रेरणास्रोत बन गये हैं. उनकी कहानी इस विश्वास को और सुदृढ़ करती है कि एक जीवंत लोकतंत्र में संकल्प, कड़ी मेहनत और क्षमता, जन्म और परिस्थिति की बाधाओं को पार कर सकती हैं. इस दृष्टि से यह कामयाबी न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की ताकत और खुलेपन का एक शक्तिशाली सबूत भी है. लोगों को गरीबी से ऊपर उठाने और सम्मान का जीवन जीने में मदद करना किसी भी राजनीतिक नेता की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए. इस लिहाज से पीएम मोदी का रिकॉर्ड शानदार रहा है. गरीबी उन्मूलन पर उनका विशेष ध्यान रहा है, जिसके फलस्वरूप एनडीए सरकार ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में मदद की है. शौचालय, बैंक खाते, घर, गैस कनेक्शन, नल से जल आपूर्ति, स्वास्थ्य बीमा कवरेज तथा अनेक मूलभूत आवश्यकताएं करोड़ों लोगों तक पहुंची हैं. अनुसूचित जातियों, जनजातियों, पिछड़े वर्गों, अत्यंत पिछड़े वर्गों, महिलाओं, गरीब परिवारों और विकास कार्यक्रमों के पहली पीढ़ी के लाभार्थियों के बड़े वर्ग ने खुद को भारत की विकास गाथा में सक्रिय भागीदार के रूप में देखना शुरू कर दिया है. युवाओं को विशेष योजनाओं के माध्यम से उद्यमिता के नये अवसर मिले हैं. उनकी कई योजनाओं से महिलाओं को सीधे तौर पर लाभ हुआ है और उनके दैनिक जीवन की मुश्किलें कम हुई हैं. बिहार में मेरा अनुभव रहा है कि जब महिलाओं को विकास कार्यों के केंद्र में रखा जाता है, तो समाज तेजी से प्रगति करता है. बिहार में हमारे जीविका प्रयोग की सफलता की चर्चा अब दुनियाभर में हो रही है. कई वर्षों तक मुख्यमंत्री रहने के नाते मैं जानता हूं कि लाभ को इच्छित लाभार्थियों तक पहुंचाने में किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है. प्रधानमंत्री मोदी यह सुनिश्चित करने पर जोर देते हैं कि शासन का परिणाम नागरिकों के लिए वास्तविक लाभ में बदल जाये. उन्होंने हमेशा दक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही पर ध्यान केंद्रित किया है. प्रौद्योगिकी के व्यापक उपयोग, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण और मजबूत निगरानी तंत्रों के माध्यम से नीति निर्माण और क्रियान्वयन के बीच का अंतर काफी कम हो गया है. प्रधानमंत्री मोदी की राजनीतिक यात्रा में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में लंबा और सफल कार्यकाल शामिल है. वास्तव में, वह जल्द ही चुनी हुई सरकार के प्रमुख के तौर पर लगातार सेवा के 25 वर्ष पूरे कर लेंगे।

आज का राशिफल

मेष राशि: 11 जून, गुरुवार को दिन की शुरुआत थोड़ी भागदौड़ के साथ हो सकती है। सुबह कोई ऐसा काम सामने आ सकता है जिसे आप बाद के लिए छोड़ते आ रहे थे, लेकिन आज उसे टालना आसान नहीं होगा।

वृषभ राशि: गुरुवार का दिन आपको बार-बार यह याद दिला सकता है कि हर काम अपनी रफ्तार से ही पूरा होता है। सुबह किसी ऐसी बात पर ध्यान जा सकता है जिसे आप पिछले कुछ दिनों से टाल रहे थे।

मिथुन राशि: गुरुवार को आपका दिन किसी खबर, संदेश या अचानक हुई बातचीत के इर्द-गिर्द घूम सकता है। सुबह से ही मन एक जगह टिकने के बजाय कई बातों में उलझा रह सकता है।

कर्क राशि: गुरुवार को आपका ध्यान बार-बार उन बातों पर जा सकता है जिन्हें आप पीछे छोड़ चुके हैं। कोई पुरानी याद, किसी रिश्तेदार की खबर या अचानक हुई बातचीत मन में हलचल पैदा कर सकती है।

सिंह राशि: गुरुवार का दिन आपको लोगों के बीच अलग पहचान दिला सकता है। ऐसा नहीं कि कोई बहुत बड़ी घटना होने वाली है, लेकिन आज आपकी कही हुई बातों और किए गए कामों पर लोगों का ध्यान जरूर जाएगा।

कन्या राशि: गुरुवार को आप किसी ऐसी बात पर जरूरत से ज्यादा सोच सकते हैं जिसे बाकी लोग बहुत सामान्य मान रहे हों। आपकी आदत है कि किसी भी काम को शुरू करने से पहले उसके हर पहलू को समझना चाहते हैं।

तुला राशि: गुरुवार का दिन रिश्तों और बातचीत के मामले में खास रह सकता है। किसी ऐसे व्यक्ति का संदेश या फोन आ सकता है जिससे काफी समय से संपर्क नहीं हुआ था।

मकर राशि: गुरुवार को आपका ध्यान उन कामों पर रहेगा जिन्हें आप अधूरा छोड़ना पसंद नहीं करते। सुबह से ही मन में यह भावना रह सकती है कि आज जितना हो सके, उतना काम निपटा लिया जाए।

वृश्चिक राशि: गुरुवार का दिन आपके लिए कुछ पुराने सवालों को पीछे छोड़कर आगे बढ़ने का संकेत दे रहा है। सुबह किसी बात को लेकर मन थोड़ा उलझ सकता है। जिस काम में पिछले कुछ दिनों से रुकावट महसूस हो रही थी।

धनु राशि: गुरुवार की शुरुआत किसी अधूरे विचार या पुराने इरादे के साथ हो सकती है। पिछले कुछ दिनों से आप जिस बात को सोच रहे थे, आज उस पर दोबारा ध्यान जा सकता है।

कुंभ राशि: आज का दिन आपको किसी बात को नए नजरिए से देखने का मौका दे सकता है। सुबह जिस बात को लेकर मन में उलझन होगी, वही दोपहर तक काफी सरल लगने लगेगी। कभी-कभी जवाब बदलते नहीं।

मीन राशि: गुरुवार को आपका मन बार-बार यादों और वर्तमान के बीच आता-जाता रह सकता है। हालांकि आज आप उन बातों में ज्यादा देर नहीं उलझेंगे। धीरे-धीरे ध्यान वापस अपने कामों और जिम्मेदारियों पर आ जाएगा।

शब्द कौतुक

शब्द सामर्थ्य -066

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे
1. विचित्र, अद्भुत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मपुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 065 का हल

दि	क्र	त	■	आ	सा	न	■	आ
ल	■	मी	■	खि	■	सी	ख	ना
■	म	ज	बू	र	■	ह	■	जा
स	र्द	■	■	का	■	त	रा	ना
र	■	■	■	र	वि	■	ह	■
प	ह	ना	ना	■	ना	रा	ज	■
ट	■	■	क	शि	श	■	नी	ला
■	र	■	■	का	■	रा	■	य
खा	ति	र	दा	री	■	त	क्ष	क

सुडुको

सू- दोकू क्र.066

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम
1. कुल 81 वर्ग है, जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम, कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.065 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

स्वामी अशोक भटनागर, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ब्यास मुनि द्विवेदी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्रा. लि. पीएनबी बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं एलआईजी 93 हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, धनसुली, नरदहा, रायपुर छत्तीसगढ़ से प्रकाशित प्रबंध संपादक- आशीष मिश्रा (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन नं. 0771-4000600

संक्षिप्त समाचार

नीट-2026 परीक्षा की तैयारियों को लेकर कलेक्टर ने ली बैठक

दुर्ग। आगामी नीट-2026 परीक्षा की तैयारियों को लेकर कलेक्टर अभिजीत सिंह ने शंकराचार्य कॉलेज ऑफ नर्सिंग, हुडको भिलाई में परीक्षा केन्द्रों के प्राचार्यों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिले के 19 परीक्षा केन्द्रों में 21 जून को आयोजित होने वाली परीक्षा को लेकर व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि परीक्षा जैसे संवेदनशील कार्य में किसी भी प्रकार की त्रुटि की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। एसओपी का कड़ाई से पालन करते हुए पूरी गंभीरता एवं सतर्कता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने सभी परीक्षा केन्द्रों में पेयजल, पंखे, प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षा केन्द्रों के 100 मीटर के दायरे में किसी भी प्रकार का कोचिंग सेंटर संचालित नहीं होना चाहिए तथा केन्द्र परिसर में टेंट, एलईडी या अन्य अनावश्यक व्यवस्थाएं नहीं लगाई जाएं। परीक्षार्थियों की सुविधा और सुरक्षा को देखते हुए सभी केन्द्रों में स्वास्थ्य कर्मियों की तैनाती भी की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि परीक्षा संचालन के दौरान किसी भी प्रकार की शिकायत या अव्यवस्था की स्थिति नहीं बननी चाहिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री विजय अग्रवाल सहित जिले के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों के प्राचार्य उपस्थित थे।

दस्तावेज सत्यापन एवं लिखित कौशल परीक्षा संबंधी सूचना

दुर्ग। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन दुर्ग अंतर्गत संविदा भर्ती हेतु दिनांक 20 जनवरी 2026 के माध्यम से 03 प्रकार के 47 पद हेतु विज्ञापन प्रकाशित किया गया था। उक्त विज्ञापित पदों हेतु दस्तावेज सत्यापन तथा लिखित/कौशल परीक्षा हेतु संवर्गवार मेरिट अभ्यर्थियों की सूची/दस्तावेज सत्यापन परीक्षा समय सारणी की तिथि की सूचना कार्यालय के सूचना पटल एवं दुर्ग जिले की वेबसाइट में देखा व डाउनलोड किया जा सकता है।

सुशासन तिहार 2026 में निगम आयुक्त ने दिए त्वरित निराकरण के निर्देश
12 जून को लगेगा समाधान शिविर

भिलाईनगर। राज्य शासन के निर्देशानुसार संचालित सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत प्राप्त मांग, शिकायत एवं हितग्राहीमूलक योजनाओं से संबंधित आवेदनों के त्वरित निराकरण की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने सभी जोन अधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर परीक्षण कर उनका शीघ्र एवं सकारात्मक निराकरण सुनिश्चित किया जाए। आयुक्त ने स्पष्ट किया है कि शिकायतों और मांगों के निराकरण के साथ-साथ पात्र हितग्राहियों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए समयबद्ध कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए निगम के सभी विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। सुशासन तिहार के तहत नागरिकों की समस्याओं के समाधान एवं योजनाओं के लाभ वितरण के उद्देश्य से 12 जून 2026, शुक्रवार को डा. भीमराव अम्बेडकर सर्व समाज मांगलिक भवन में समाधान शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे और आवेदकों की समस्याओं का मौके पर निराकरण किया जाएगा। निगम प्रशासन द्वारा शिविर में अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक आवेदक को दूरभाष, लिखित सूचना अथवा अन्य माध्यमों से पूर्व सूचना प्रदान की जाएगी। आवेदकों एवं हितग्राहियों से निर्धारित तिथि पर समाधान शिविर में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं के निराकरण एवं योजनाओं के लाभ प्राप्त करने की अपील की गई है।

बिहान योजना के अंतर्गत संविदा पदों की प्रारंभिक पात्र-अपात्र सूची जारी
16 जून तक दावा-आपत्ति आमंत्रित

दुर्ग। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के तहत जनपद पंचायत स्तर पर रिक्त संविदा पदों की भर्ती प्रक्रिया के अगले चरण में, जिला पंचायत दुर्ग द्वारा अभ्यर्थियों की प्रारंभिक पात्र और अपात्र सूची जारी कर दी गई है।

नकली सोने के बिस्किट बेचकर ठगी करने वाले अंतरजिला गिरोह का पर्दाफाश, 05 आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग पुलिस ने नकली सोने को असली बताकर सस्ते दाम में बेचने के नाम पर लोगों से धोखाधड़ी करने वाले अंतरजिला गिरोह के 05 आरोपियों को गिरफ्तार किया है

(लोकमाया न्यूज)।

भिलाई। प्रार्थी जितेंद्र साहू निवासी बोरसी की रिपोर्ट पर थाना उतई में अपराध क्रमांक 288/2026, धारा 318(4), 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि आरोपीगण लोगों को यह विश्वास दिलाते थे कि उन्हें जमीन में गड़ा हुआ हंडा मिला है, जिसमें सोने के बिस्किट एवं सिक्के प्राप्त हुए हैं। आरोपी नकली धातु को असली सोना बताकर कम कीमत में बेचने का प्रलोभन देते थे तथा इस प्रकार लोगों से धन प्राप्त कर धोखाधड़ी करते थे।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए विभिन्न जिलों में दबिश दी गई। तकनीकी विश्लेषण, भौतिक साक्ष्य एवं सतत निगरानी के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से बरामद धातु प्रथम दृष्टया नकली प्रतीत हो रही है, जिसका उपयोग लोगों को ठगने के उद्देश्य से किया जाता था।

स्कूल खुलने से पहले सभी तैयारियां पूरी करें, बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता : कलेक्टर अभिजीत सिंह

जिले के शासकीय एवं निजी विद्यालयों के प्राचार्यों और प्रबंधकों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

(लोकमाया न्यूज)।

दुर्ग। नए शैक्षणिक सत्र को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में शंकराचार्य कॉलेज ऑफ नर्सिंग, हुडको भिलाई में जिले के शासकीय एवं निजी विद्यालयों के प्राचार्यों और प्रबंधकों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने स्कूल खुलने से पहले सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। कलेक्टर ने पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता की समीक्षा करते हुए बताया कि शासकीय हाई स्कूलों में पुस्तकें पहुंच चुकी हैं, जबकि सेजस एवं निजी विद्यालयों में अगले तीन-चार दिनों में उपलब्ध हो जाएगी। उन्होंने स्कूल परिसरों की साफ-सफाई, पेयजल, वॉटर फिल्टर, शौचालय, पाठ्यपुस्तक, गणवेश एवं साइकिल वितरण की व्यवस्था समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही जर्जर भवनों को अनुमति लेकर डिस्मेंटल करने और मरम्मत योग्य भवनों की शीघ्र मरम्मत कराने को कहा।

बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री विजय अग्रवाल ने विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता बताई। उन्होंने स्कूल बसों की नियमित जांच और चालकों की मॉनिटरिंग करने, भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने तथा स्कूलों में नशामुक्ति अभियान चलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी अप्रिय घटना की रोकथाम के लिए सुरक्षा मानकों का पालन आवश्यक है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिले में सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में दुपहिया वाहन चालकों को हेलमेट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने के लिए विशेष रूप से प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने सभी को हेलमेट पहनने, कार चलाते समय सीट बेल्ट लगाने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, आपातकालीन वाहनों को रास्ता देने, वैध ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने एवं वाहन के सभी आवश्यक दस्तावेज पूर्ण रखने की अपील की, जिससे सड़क सुरक्षा नियमों का पालन कर ही दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है।

कलेक्टर श्री सिंह ने स्कूलों में 14 वर्ष पूर्ण कर चुकी एवं 15 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी टीकाकरण हेतु बच्चों एवं अभिभावकों को प्रेरित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अभिभावकों की सहमति प्राप्त कर अधिक से अधिक बालिकाओं का टीकाकरण सुनिश्चित करने को कहा। स्वास्थ्य विभाग की टीकाकरण अधिकारी ने बताया कि यह टीका सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम में प्रभावी है और केवल एक बार लगाया जाएगा।

बैठक में विद्यार्थियों के बायोमेट्रिक अपडेट कार्य की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने बताया कि जिले में 96 प्रतिशत बच्चों का बायोमेट्रिक अपडेट हो चुका है। शेष बच्चों का कार्य पूरा करने के लिए स्कूलों में विशेष शिविर लगाए जाएंगे। उन्होंने सभी प्राचार्यों को समन्वय बनाकर सितंबर तक शत-प्रतिशत बायोमेट्रिक अपडेट सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि स्कूल खुलने के बाद विद्यार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए।

स्कूलों में फायर सेफ्टी के लिए मॉकड्रिल कराने के निर्देश

समीक्षा बैठक में जिला सेनानी एवं जिला अग्निशमन अधिकारी, नगर सेना ने विद्यालयों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में आगजनी की घटनाओं की आशंका को देखते हुए सभी स्कूलों में विद्यार्थियों के लिए फायर सेफ्टी मॉकड्रिल आयोजित की जाए। इससे बच्चों को आपातकालीन स्थिति में सुरक्षित निकासी और बचाव के तरीकों की जानकारी मिलेगी तथा संभावित अग्नि दुर्घटनाओं के दौरान जनहानि और नुकसान को कम किया जा सकेगा। कलेक्टर श्री सिंह ने स्कूल प्रबंधन को अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता और उनकी नियमित जांच सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। बैठक में विभागीय अधिकारी सहित बड़ी संख्या में प्राचार्य एवं प्रबंधक उपस्थित थे।

बीएसपी की प्रतिष्ठित अंतर विभागीय संगीत स्पर्धा का शुभारंभ

पहले दिन 90 प्रतिभागियों ने दी प्रस्तुति

(लोकमाया न्यूज)।

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित की जाने वाली अंतर विभागीय संगीत स्पर्धा का शुभारंभ 09 जून 2026 को महात्मा गांधी कला मंदिर में हुआ। संयंत्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों में संगीत प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने तथा सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रतियोगिता में विभिन्न विभागों के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। उद्घाटन समारोह में निर्णायक मंडल के सदस्य रविश कालगांवकर, सपन भट्टाचार्य एवं श्रीमती अंजलि शुक्ला उपस्थित रही। प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर उप प्रबंधक (क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं) अभिजीत भौमिक द्वारा निर्णायकों का स्वागत एवं सम्मान किया गया। प्रतियोगिता के प्रथम दिवस पुरुष वर्ग की हिंदी गायन स्पर्धा आयोजित की गई, जिसमें संयंत्र के विभिन्न विभागों से लगभग 90 प्रतिभागियों ने अपनी गायन प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों का मूल्यांकन निर्णायक मंडल द्वारा निर्धारित मानकों के आधार पर किया गया, जिसके उपरांत अंतिम चरण के लिए 15 प्रतिभागियों का चयन किया गया। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने विविध शैली के गीतों की प्रस्तुति देकर अपनी संगीत प्रतिभा का परिचय दिया। कार्यक्रम का संचालन श्री सरजीत चक्रवर्ती एवं श्री सुप्रियो सेन द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में संगतकार के तौर पर श्री दिलीप शर्मा, दीपांकर दास, भालचंद्र शेगेकर, भागवत साहू, श्देवव्रत मजुमदार, सतीश सिन्हा, रविन्द्र कर्मकार, भारत भूषण परगनिया तथा साईं चक्रवर्ती ने सहयोग प्रदान किया। प्रतियोगिता का सफल संचालन में पी. टी. उल्लास कुमार, दुष्यंत हरमुख सहित प्रतियोगिता के मुख्य समन्वयक प्रभंजय चतुर्वेदी का अहम योगदान रहा। उल्लेखनीय है कि अंतर विभागीय संगीत स्पर्धा के विभिन्न वर्गों के अंतिम चरण की प्रतियोगिताएं 13 जून 2026 को अपराह्न 3.00 बजे से आयोजित की जाएंगी। इसके उपरांत विजेताओं को सम्मानित करने हेतु पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया जाएगा।

शासकीय भूमि पर अवैध निर्माण ध्वस्त, निगम की बड़ी कार्रवाई

(लोकमाया न्यूज)।

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार जोन-2 वैशाली नगर क्षेत्र में शासकीय भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई। निगम की संयुक्त टीम ने मंगलवार को अवैध निर्माण को ध्वस्त कर अतिक्रमण हटाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार दीपेश कुमार नथवानी द्वारा अपने 650 वर्गफीट रजिस्ट्री क्षेत्रफल के अतिरिक्त शासकीय भूमि पर अवैध निर्माण किया गया था। इस संबंध में प्रस्तुत अभ्यावेदन को जिला नियमितीकरण समिति एवं आयुक्त राजस्व संभाग स्तर पर निरस्त कर दिया गया था। निगम के जोन-2 वैशाली नगर राजस्व विभाग द्वारा संबंधित निर्माणकर्ता को कई बार नोटिस जारी कर रजिस्ट्री क्षेत्र से अतिरिक्त शासकीय भूमि पर किए गए निर्माण को स्वयं हटाने के निर्देश दिए गए थे। साथ ही समय-समय पर निगम को इसकी जानकारी देने के लिए भी कहा गया था, लेकिन निर्माणकर्ता द्वारा अवैध निर्माण नहीं हटाया गया। इसके बाद 9 जून 2026, मंगलवार को जोन-2 वैशाली नगर के राजस्व विभाग, बेदखली विभाग तथा पुलिस बल की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध निर्माण के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उसे ध्वस्त कर दिया। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा या निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में नियमानुसार कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

पर्यावरण सुरक्षा हेतु शहर वासियों से विनम्र निवेदन

(लोकमाया न्यूज)।

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम, भिलाई पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी कटिबद्धता दोहराते हुए सभी सम्मानित भिलाई वासियों से आग्रह करता है कि वे अपने शहर को प्रदूषण मुक्त और सुंदर बनाने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं। आपका एक छोटा सा कदम हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए एक सुरक्षित भविष्य की नींव रख सकता है।

निगम प्रशासन द्वारा पर्यावरण सुरक्षा हेतु नागरिकों का सहयोग अपेक्षित है। सिंगल-यूज प्लास्टिक को कहें %ना% पॉलीथीन बैग, प्लास्टिक कप और डिस्पोजल बर्तनों का उपयोग पूरी तरह बंद करें। खरीदारी के लिए हमेशा कपड़े या जूट के थैलों का उपयोग करें। कचरा प्रबंधन (गीला और सूखा कचरा अलग करें) अंतर्गत अपने घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में कचरे को दो अलग-अलग डस्टबिन में रखें—हरे डस्टबिन में गीला कचरा और नीले डस्टबिन में सूखा कचरा। कचरा हमेशा निगम की कचरा गाड़ी में ही डालें। एक पेड़ मां के नाम और वृक्षारोपण अंतर्गत मानसून के इस आगमन पर प्रत्येक नागरिक कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और न केवल उसे रोपे, बल्कि उसके बड़े होने तक उसकी सुरक्षा और देखरेख की जिम्मेदारी भी लें।

जल संरक्षण को विशेष प्राथमिकता देते हुए कार्य करना है, पानी की हर बूंद कीमती है। घरों में पानी की बर्बादी रोकें और रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली को अपनाएं।

सार्वजनिक स्थलों, उद्यानों और सड़कों पर गंदगी न फैलाएं। भिलाई हमारा घर है, इसे साफ रखना हम सबका सामूहिक कर्तव्य है। आइए, हम सब मिलकर एक जिम्मेदार नागरिक का फर्ज निभाएं और भिलाई को देश का सबसे स्वच्छ और पर्यावरण-अनुकूल शहर बनाएं।

खुर्सीपार में अवैध गतिविधियों और अपराध पर कार्यवाही की मांग, क्षेत्रवासी पहुंचे जनदर्शन

भीषण गर्मी में भी स्कूल संचालन को लेकर मिली शिकायत

न्यू आदर्श नगर के रहवासियों ने उठाया शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे का मुद्दा

जनदर्शन में प्राप्त हुए 124 आवेदन, कलेक्टर ने दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

(लोकमाया न्यूज)।

दुर्ग। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में डिप्टी कलेक्टर श्री उत्तम ध्रुव भी उपस्थित थे। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 124 आवेदन प्राप्त हुए। जनदर्शन में प्राप्त विभिन्न आवेदनों पर कलेक्टर ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों से फोन पर जानकारी ली और उक्त आवेदनों पर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसी कड़ी में खुर्सीपार क्षेत्र के नागरिकों ने क्षेत्र में बढ़ रही अवैध गतिविधियों एवं अपराधों पर रोक लगाने की मांग की। उन्होंने बताया कि देवार मोहल्ला क्षेत्र में लंबे समय से चिट्टा, गांजा, शराब और कबाड़ जैसे अवैध कारोबार संचालित किए जा रहे हैं, जिससे क्षेत्र का माहौल प्रभावित हो रहा है। असामाजिक तत्वों द्वारा आम नागरिकों एवं व्यापारियों को डराने-धमकाने, मारपीट, लूटपाट तथा अवैध वसूली जैसी घटनाओं से क्षेत्रवासियों में भय का वातावरण बना हुआ है। साथ ही शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे और बाहरी असामाजिक तत्वों की गतिविधियों की भी शिकायत की गई है। मोहल्लेवासियों ने मामले की विस्तृत जांच कर संबंधित लोगों का भौतिक सत्यापन कराने तथा अवैध रूप से निवास कर रहे लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही करने की मांग की है।

मुहर्रम में शेर बनने, बाजा-धुमाल और हथियार प्रदर्शन पर रोक की मांग, मुस्लिम समाज ने सौंपा ज्ञापन

(लोकमाया न्यूज)।

राजनांदगांव। मुहर्रम पर्व के दौरान शेर बनने की परंपरा, बाजा-धुमाल, हथियारों के प्रदर्शन तथा कानून व्यवस्था को प्रभावित करने वाली गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर जामा मस्जिद कमेटी और जुल्फिकार-ए-हैदरी कमेटी ने छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन की प्रति पुलिस अधीक्षक को भी भेजी गई है।

जामा मस्जिद के सदर रईस अहमद शकील एवं जुल्फिकार-ए-हैदरी कमेटी के अध्यक्ष ताहिर जोया ने ज्ञापन में उल्लेख किया है कि राजनांदगांव में मुहर्रम के दौरान कुछ लोग शेर का रूप धारण कर बाजा-धुमाल के साथ धार्मिक स्थलों और मजारों में प्रवेश करते हैं। इससे धार्मिक मर्यादाएं प्रभावित होती हैं और कई बार शहर की यातायात व्यवस्था भी बाधित होती है। ज्ञापन में कहा गया है कि कुछ असामाजिक तत्व इन गतिविधियों की आड़ में माहौल खराब करने का प्रयास करते हैं, जिससे आमजन को असुविधा का सामना करना पड़ता है। इसे देखते हुए मुहर्रम के दौरान शेर बनने, बाजा-धुमाल, हथियारों के प्रदर्शन तथा कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वाली गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने और उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की गई है।

इस संबंध में पुलिस अधीक्षक कार्यालय में मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों ने भी अपनी बात रखी। इस दौरान रईस अहमद शकील, हाजी रशीद भाई, इब्राहिम मोहम्मद (मुन्ना), हसन भाई एडवोकेट, सैय्यद अफजल अली, फिरोज सौदागर, ताहिर जोया, ओवैस सोलंकी, मोहम्मद अमन, मोहम्मद सकलेन, अनस गौरी, ओवैस मेमन और मकसूद आलम सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

गज़ब खेल है ! रसूख का.,ज़मीन सरकारी, चल रहा था निर्माण.,कब्जे का खिलाड़ी कौन ?

■ गंगरेल बांध किनारे सरकारी जमीन पर बेजा कब्जा,अवैध निर्माण । जंगल क्षेत्र में दीवारें और फेंसिंग खड़े होने से उठ रहे सवाल प्रशासन ने रुकवाया काम..जांच शुरू।

लोकमाया न्यूज ।

धमतरी । जिले के गंगरेल बांध से लगे क्षेत्र मे सरकारी जमीन पर कथित अतिक्रमण कर निर्माण कार्य किए जाने का मामला सामने आया है। सूचना मिलते ही प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य तत्काल रुकवा दिया है। अब पूरे मामले की जांच की जा रही है ।दरअसल, कोटाभर्री-बरारी गांव स्थित खसरा नंबर 542 की करीब 70 डिसमिल सरकारी भूमि पर निर्माण कार्य चल रहा था। यह जमीन गंगरेल बांध के समीप स्थित है । यहां से बांध का नजारा बेहद आकर्षक नजर आता है ।बांध का जलभराव क्षेत्र और आस-पास की जमीन राजस्व व जल संसाधन विभाग के अंतर्गत आती है ।बिना अनुमति के यहाँ कोई भी निर्माण करना अवैध माना जाता है।

गौ़रतलब है कि उपर्युक्त क्षेत्र पर्यटन की दृष्टिकोण से काफ़ी महत्वपूर्ण है। यहां पर्यटन विकास की असीम संभावनाएं हैं ।यही वजह है कि यहां निजी रिसॉर्ट संचालकों की नजरें बनी हुई हैं। इस निर्माण के पीछे भी कुछ यही कहानी है ।चर्चा यह भी चल रही हैं, कि एक रसूखदार सत्ताधारी नेता की सरपरस्ती में रिसॉर्ट संचालक की हालांकि प्रशासन ने किसी रिसॉर्ट परियोजना की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

मौके पर ऊंची दीवारें और फेंसिंग

सरकारी जमीन पर यह निर्माण कार्य बड़े झाड़ के जंगल क्षेत्र में किया जा रहा था। स्थानीय स्तर पर इसे वन संरक्षण नियमों के विपरीत बताया जा रहा है। मौका स्थल पर लोकमाया की टीम पहुंची । हमने पाया कि क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निर्माण गतिविधियां अवैध रूप से चल रही थीं। स्थल पर करीब 10-10 फीट ऊंची दीवारें खड़ी की गई थीं ।फेंसिंग तार लगाकर बकायदा सरकारी जमीन को घेरने का प्रयास भी किया गया था।

ठूँठ बता रहे,काटे गए हैं,पेड़

उल्लेखनीय रहे कि निरीक्षण के दौरान यह भी देखा गया कि बड़ी मात्रा में लोहे की छड़ें लगाकर बीम तैयार किए गए थे। जगह जगह कई स्थानों पर अलग -अलग निर्माण सामग्री डंप दिखाई दिया । वहां मलबे के ढेर भी मौजूद थे निर्माण स्थल पर बोर भी कराया जा चुका है और तेजी से स्थायी निर्माण की तैयारी चल रही थी. प्रशासन का कहना है कि संबंधित भूमि बड़े-छोटे झाड़ के जंगल के रूप में दर्ज सरकारी जमीन है, जिसमें सिंचाई विभाग की जमीन भी शामिल है.कुछ कटे हुए पेड़ों के ठूंठ भी पेड़ों की कटाई होने की गवाही दे रहे थे। आशंका भी जताई जा रही है, कि बड़े पैमाने पर पेड़ काटे गए हैं।। फ़िलहाल मामला जांच के दायरे में है , रिपोर्ट आने पर ही वस्तुस्थिति साफ़ होगी ।

यक्ष सवाल .. किसने दी परमिशन ..संरक्षण किसका.?

कलेक्टर अविनाश मिश्रा ने कहा , सरकारी जमीन पर निर्माण की सूचना मिलने के बाद तत्काल काम रुकवा दिया गया है। संबंधित विभागों को पूरे मामले की जांच के निर्देश दे दिए गए हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल प्रशासन निर्माण से जुड़े सभी तथ्यों और दस्तावेजों की जांच कर रहा है ।बहरहाल गंगरेल बांध एरिया में सरकारी जमीन पर निर्माण मामले के सामने आने के बाद यह सवाल भी उठ रहे हैं कि बांध किनारे स्थित जमीन और जंगल क्षेत्र में निर्माण की इजाज़त..आखि़र किस आधार पर दी गई है ..और किसने दी ? क्या यह सारा खेल सत्ता और सियासत से जुड़ा हुआ है .. संलिप्तता और चर्चा में भी हैं..कुछ सत्तानशीन.!

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर जनदर्शन में हितग्राही का महज 5 मिनट में बना राशन कार्ड

बलौदाबाजार। जिला प्रशासन द्वारा आमजनों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए आयोजित कलेक्टर जनदर्शन लोगों के लिए राहत का माध्यम बन रहा है। इसी कड़ी में कलेक्टर कुलदीप शर्मा दम मंगलवार को जनदर्शन में लोगों की समस्याएं सुनी। सिमगा विकासखंड के ग्राम सकरी निवासी फगनी साहू अपनी राशन कार्ड संबंधी समस्या लेकर कलेक्टर जनदर्शन में पहुंचीं। उन्होंने राशन कार्ड बनवाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया, जिस पर कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने गंभीरता से संज्ञान लेते हुए तत्काल खाद्य अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देश पर खाद्य विभाग द्वारा त्वरित पहल करते हुए महज 5 मिनट के भीतर फगनी साहू का राशन कार्ड तैयार कर उन्हें प्रदान कर दिया गया। अपनी समस्या का इतनी शीघ्रता से समाधान होते देख श्रीमती फगनी साहू ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जिला प्रशासन एवं कलेक्टर कुलदीप शर्मा के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि जनदर्शन के माध्यम से उनकी लंबे समय से लंबित समस्या का तत्काल समाधान हो गया, जिससे उन्हें शासन की जनहितकारी कार्यप्रणाली पर और अधिक विश्वास हुआ। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर जनदर्शन के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं का संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ निराकरण किया जा रहा है, जिससे शासन की योजनाओं और सेवाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंच रहा है।

सूख गए पेट्रोल पंप ,लगा नो फ्यूल का बोर्ड .. इधर आमजन परेशान

लोकमाया न्यूज ।

धमतरी। पश्चिमी देशों में चल रहे युद्ध के कारण शहरों और ग्रामीण इलाकों में पेट्रोल संकट फिर गहरा गया है। ईंधन आपूर्ति बाधित होने से 10 पेट्रोल पंपों पर नो फ्यूल के बोर्ड टंगे देखे गए। बुधवार दोपहर बाद तक शहर के अधिकतर पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल खत्म हो गया था।अंबेडकर चौक स्थित एक पेट्रोल पंप पर जब ईंधन उपलब्ध होने की खबर फैली, तो वहां पेट्रोल भरवाने लोगों की भीड़ जुट गई। हालात ऐसे बन गए कि लोग आधे घंटे तक कतारों में खड़े रहकर पेट्रोल भरवाते रहे। हालांकि, यहां भी दोपहिया वाहनों के लिए मात्र 2 लीटर पेट्रोल दिया जा रहा था। चार पहिया वाहनों को 5 से 7 लीटर पेट्रोल दिया जा रहा था।

पेट्रोल पंप डीलर्स के मुताबिक शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में ईंधन आपूर्ति बाधित है। डिपो से टैंकर का समय पर न पहुंचना मुख्य कारण है। इसके चलते कई पंपों पर पेट्रोल खत्म हो चुका है। पंपों पर नो पेट्रोल की तख्तियां लगी हुई हैं। इस बीच आम जनता और किसानों को पेट्रोल की कमी के कारण भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वाहनों की कतारें इतनी लंबी हैं कि लोगों को 20 मिनट तक इंतजार करना पड़ रहा है। कभी-कभी 30 मिनट से 1 घंटे तक इंतजार करना पड़ रहा है।

हर गतिविधि पर सिस्टम की नजर

इधर हालात को देखते हुए कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने जनता से अपील की है कि वे संयम बनाए रखें।किसी भी तरह की अफवाहों का शिकार न बनें। 2 लीटर मिल रहा पेट्रोल इधर जिन पंपों पर ईंधन उपलब्ध है, वहां दोपहिया वाहनों को अधिकतम 2 लीटर पेट्रोल दिया जा रहा है। हल्के वाहन मालिकों को 5 से 7 लीटर पेट्रोल दिया जा रहा है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने कई पेट्रोल पंपों पर पुलिस और अधिकारियों की तैनाती की है। पुलिस भीड़ को शांत करा रही है। प्रशासन हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए है। स्थिति नियंत्रण में बनी रहे। नो फ्यूल का बोर्ड घड़ी चौक पेट्रोल पंप, देमार स्थित पेट्रोल पंप, रुद्री रोड पेट्रोल पंप, अछोटा स्थित दो पेट्रोल पंप, व अन्य जगह शामिल हैं।

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा का आयोजन आगामी 21 जून को

महासमुंद। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा का आयोजन आगामी 21 जून 2026 को जिले के पांच परीक्षा केन्द्रों में किया जाएगा। परीक्षा के शांतिपूर्ण संचालन को सुनिश्चित करने के लिए जिला दण्डाधिकारी एवं कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह ने सभी परीक्षा केन्द्रों के केन्द्राध्यक्षों की बैठक लेकर पारदर्शी और शांतिपूर्ण परीक्षा के आयोजन के लिए निर्देश दिए हैं। बैठक में परीक्षा के सफल संचालन के लिए जरूरी निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पात्रता एजेंसी द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुरूप अक्षरशः पालन करना होगा। उन्होंने परीक्षा केन्द्रों में बिजली, पानी, शौचालय की व्यवस्था करने तथा यातायात व्यवस्था के लिए निर्देश दिए। परीक्षा के समन्वयक श्री संजय कंसल ने बताया कि जिले के पांच केन्द्रों में कुल 1242 अभ्यर्थी शामिल होंगे। सभी कक्षों में सीसीटीव कैमरा लगाए जाएंगे।

20 ग्राम पंचायतों में कृषक चौपाल एवं कृषक संगोष्ठी कार्यक्रम आयोजित

महासमुंद। जिले में खेत बचाओ अभियान कार्यक्रम अंतर्गत 30 जून तक रासायनिक उर्वरकों के सीमित व समझदारी पूर्ण उपयोग और प्राकृतिक खेती के प्रति किसानों व आम नागरिकों में जागरूकता और जनभागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से कृषक चौपाल एवं कृषक संगोष्ठी कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज विकासखण्ड महासमुंद में 5 ग्राम पंचायत, पिथौरा में 10 एवं सरायपाली में 5 कुल 20 ग्राम पंचायत में कृषक चौपाल एवं कृषक संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कृषक चौपालों में कृषि वैज्ञानिकों एवं विभागीय अधिकारियों ने बताया कि रासायनिक उर्वरकों के असंतुलित उपयोग से भूमि की प्राकृतिक उर्वरता एवं दीर्घकालिक उत्पादन क्षमता प्रभावित हो रही है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग-बलौदाबाजार जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

Office Phone. :- 07727-296695 Email ID :- ee-res.abhanpur@nic.in

// ई-निविदा आमंत्रण सूचना क्र.-06//
(प्रथम बार)

क्रमांक 1389/ निविदा/ ग्रा.यां.से./2026-27बलौदाबाजार, दिनांक 09/06/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा प्रतिशत दर पर दिनांक 23.06.2026 तक ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:-

सिस्टम टेंडर नं.	कार्य का विवरण	ठेके की अनुमानित लागत (लाख में)	ऑनलाईन निविदा आमंत्रण की अंतिम तिथि
1	2	3	4
192156	नगर पंचायत पलारी में सर्व आदिवासी समाज हेतु सामुदायिक भवन निर्माण, वि.ख. -पलारी	44.79	23.06.2026

2/निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति (परिशिष्ट- 2.10 एवं निविदा दस्तावेज परिशिष्ट-2.13) यथा संशोधित व अन्य जानकारी बेबसाइट http://eproc.cgstate.gov. in में अथवा कार्यालयीन अवधि में कार्यालय में उपस्थित होकर दिनांक 09.06.2026 से देखी जा सकती है।

(योगेश कुमार खाण्डे
कार्यपालन अभियंता
ग्रा.यां. सेवा संभाग-बलौदाबाार जिला,
बुलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

जी- 262701344/4

संवाद से समाधान - हितग्राहियों को फोन पर दी जा रही आवेदन निराकरण की जानकारी

■ कलेक्टर श्री विनय लंगेह के निर्देश पर विभागों द्वारा हितग्राहियों से किया जा रहा सीधा संपर्क

लोकमाया न्यूज ।

महासमुंद। सुशासन तिहार के तहत प्राप्त आवेदनों के त्वरित एवं पारदर्शी निराकरण के साथ-साथ हितग्राहियों को उनके प्रकरणों की अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराने की दिशा में जिला प्रशासन महासमुंद द्वारा हितग्राहियों को फोन पर सूचना दी जा रही है। कलेक्टर श्री विनय लंगेह के निर्देशानुसार जनपद पंचायतों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा हितग्राहियों को सीधे फोन कर उनके आवेदनों के निराकरण की जानकारी दी जा रही है। इस पहल का उद्देश्य केवल आवेदनों का निराकरण करना ही नहीं, बल्कि हितग्राहियों तक उसकी जानकारी समय पर पहुंचाकर शासन-प्रशासन के प्रति विश्वास को और मजबूत करना है। इसके माध्यम से हितग्राहियों को अपने आवेदन की वर्तमान स्थिति जानने के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है। इसी क्रम में जनपद पंचायत महासमुंद अंतर्गत ग्राम मुनगाशेर के श्री चंदन सोनकर को दूरभाष के माध्यम से सूचित किया गया कि उनका नाम प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) 2.0 के अंतर्गत उनके पिता के साथ संयुक्त सर्वे सूची में शामिल है तथा आगामी प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक जानकारी भी प्रदान की गई। इस जानकारी से वे संतुष्ट नजर आए।

वहीं ग्राम पंचायत पचरी के श्री मोहित कुर्रे को बताया गया कि उनका मनरेगा जॉब कार्ड बन चुका है, जिसका क्रमांक 607 है। श्री मोहित ने इस सूचना के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि जनपद से फोन आने पर उन्हें बेहद खुशी हुई। इसी प्रकार ग्राम पंचायत मोगरा की सुश्री सुशीला ध्रुव, श्रीमती उर्मिला एवं अन्य महिलाओं को भी उनके आवेदनों के निराकरण एवं मनरेगा जॉब कार्ड संबंधी जानकारी फोन पर दी गई। संबंधित हितग्राहियों को जॉब कार्ड उपलब्ध कराने की प्रक्रिया भी पूर्ण की गई। महिलाओं ने इस निराकरण के लिए खुशी व्यक्त की है।

जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न योजनाओं से जुड़े हितग्राहियों से लगातार संपर्क स्थापित कर उन्हें उनके आवेदनों की स्थिति, स्वीकृति तथा लाभ वितरण की जानकारी दी जा रही है। इस प्रक्रिया से प्रशासन और आमजन के बीच संवाद को नई मजबूती मिल रही है तथा सुशासन तिहार की भावना संवाद से समाधान व्यवहारिक रूप से साकार हो रही है।

:+91-7856-252240
:+91-7056-252475
ee.dantewade@nic.in

कार्यालय कार्यपालन अभियन्ता लोक निर्माण विभाग, दक्षिण बस्तर संभाग, दन्तेवाड़ा

-:: मैनुअल पद्धति निविदा सूचना ::-

नि.क्र. 03/व.ले.लि./26-27 दन्तेवाड़ा, दिनाँक 06/06/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अन्तर्गत "द" श्रेणी एवं अधिक में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है:-

निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की अन्तिम तिथि :- 16.06.2026

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लाग (रूपये लाख में
1	लो.नि.वि. उपसंभाग दन्तेवाडा के अन्तर्गत विभिन्न मार्गो मे डब्ल्यू. एम.एम. पेच मरम्मत कार्य	10.00
2	लो.नि.वि. उपसंभाग गीदम के अन्तर्गत विभिन्न मार्गो मे डब्ल्यू.एम. एम. पेच मरम्मत कार्य	10.00
3	लो.नि.वि. उपसंभाग बचेली के अन्तर्गत विभिन्न मार्गो मे डब्ल्यू.एम. एम. पेच मरम्मत कार्य	10.00

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, नितिदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी विभाग वेबसाईट http://pwd.cg.nic.in ·के "Live Tender" Tab पर भी देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियन्ता
लो.नि.वि., दक्षिण बस्तर संभाग,
दन्तेवाड़ा

जी- 262701286/2

खनिज विभाग द्वारा खनिज के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर सतत कार्रवाई जारी

लोकमाया न्यूज ।

महासमुंद। कलेक्टर श्री विनय लंगेह के निर्देश पर खनिज विभाग द्वारा जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर लगातार कार्यवाही की जा रही है।

इसी क्रम में टोल फ्री नंबर से प्राप्त शिकायत के आधार पर मंगलवार को पद्मपुर जिला बरगढ़ ओड़िशा से बसना, सरायपाली क्षेत्र में रेत का अवैध परिवहन कर भंडारण करने वालों के विरूद्ध जांच की गई। जिसमें ग्राम खेमड़ा बसना में मनीष वाधवा द्वारा रेत का भंडारण किए जाने की जानकारी मिलने पर मौका निरीक्षण करने पर ग्राम खेमड़ा, बसना में फ्लाई ऐश ब्रिक्स निर्माण किए जाने वाले यूनिट में लगभग 23 हाईवा रेत का भंडारण किया जाना पाया गया। भंडारित रेत के संबंध में भंडारणकर्ता को नोटिस जारी कर वैध दस्तावेजों के साथ कार्यालय में उपस्थित होने हेतु निर्देशित किया गया है। इसी तरह आज ग्राम लिलेशर, बोईरलामी, क्षेत्र का औचक जांच निरीक्षण किया गया। जिसमें बोईरलामी (जोंक नदी) में 01 नग चैन माउण्टेन मशीन एवं 01 नग हाईवा वाहन को मौके से जप्त कर तेन्दुकोना पुलिस अभिरक्षा में रखा गया है। आगे की कार्यवाही छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 के तहत उचित कार्यवाही की जावेगी ।जांच कार्यवाही के दौरान सहायक खनिज अधिकारी देवेन्द्र साहू, खनिज निरीक्षक सुश्री मधुलिका मिंज, सिपाही प्रशांत कालू, मनीष ढीढी, मनोज निर्मलकर मौजूद रहे। खनिज अधिकारी श्री फागुलाल नागेश ने बताया कि आगे भी जांच कार्यवाही जारी रहेगा। कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण पर प्रभावी नियंत्रण हेतु खनिज अमला द्वारा विशेष अभियान चलाकर निरंतर जांच किया जाएगा।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

क्र. 719,722,721 / निर्माण/2026 दिनांक 03.06.2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु (Online) आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू.लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
1	वार्ड क्र. 54 बरेड़ीमुडा महंत मोहल्ला कबीर चौरा के पास आहता एवं शेड निर्माण कार्य। (अधोसंरचना मद) (प्रथम निविदा)	10.00	24.06.2026 T.No.192403)
2	वार्ड क्र. 56 अंतर्गत तंवर समाज के मॉग अनुरूप लाटा मेन रोड़ स्थित मेडिकल स्टोर सामुदायिक भवन निर्माण। (अधोसंरचना मद) (प्रथम निविदा)	20.00	24.06.2026 (T.No.192411)
3	वार्ड क्र. 54 जमनीपाली स्थित सामुदायिक भवन के प्रथम तल में अतिरिक्त कक्ष निर्माण सासंकृतिक मंच एवं पेवर ब्लाक निर्माण कार्य। (अधोसंरचना मद) (प्रथम निविदा).	15.00	24.06.2026 T.No.192413)

उपरोक्त कार्यों की निविदा की जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है, साथ ही निगम के वेब साईट www.korbamunicipal.in पर भी देखी जा सकती है।

।।स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें।।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम
कोरबा (छत्तीसगढ़)

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 2 (छत्तीसगढ़)

ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना
(प्रथम आमंत्रण)

दिनांक 09.06.2020

निम्नांकित कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदा "डी" एवं अधिक श्रेणी के ठेकेदारों के लिये आमंत्रित की जाती है। जिसमें निविदा डाउलोड करने की अंतिम तिथि दिनांक 30.06.2026 तक है।

एन.आई.टी क्र/निविदा क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)
NIT NO. 82 Tender No. 192891	बलौदाबाजार अनुविभाग अंतर्गत विभिन्न मार्गों में डब्ल्यू.एम.एम. पेच का मरम्मत कार्य। (ईमल्शन सहित)	रु. 17.00 लाख
NIT NO. 83 Tender No.192893	भाटापारा अनुविभाग अंतर्गत विभिन्न मार्गों का डब्ल्यू.एम.एम. पेच का मरम्मत कार्य। (ईमल्शन सहित)	रु. 17.00 लाख
NIT NO. 84 Tender No. 192895	धमतरी, कुरूद एवं नगरी अनुविभाग अंतर्गत के मुख्य जिला मार्गों में डब्ल्यू.एम.एम. पेच का मरम्मत कार्य।	रु. 20.00 लाख
NIT NO. 85 Tender No. 192896	धमतरी, कुरूद एवं नगरी अनुविभाग अंतर्गत के राज्य मार्गों में डब्ल्यू.एम.एम. पेच का मरम्मत कार्य।	रु. 20.00 लाख
NIT NO. 86 Tender No. 192898	धमतरी, कुरूद एवं नगरी अनुविभाग अंतर्गत के ग्रामीण मार्गों में डब्ल्यू.एम.एम. पेच का मरम्मत कार्य।	रु. 20.00 लाख
NIT NO. 87 Tender No. 192899	कसडोल अनुविभाग अंतर्गत विभिन्न 04 मार्ग लं. 114.60 कि.मी. का डब्ल्यू.एम.एम. पेच मरम्मत कार्य।	रू. 15.99 लाख

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अथवा विभागीय वेबसाइट अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है। (राशि रू. 100.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम्प पर निर्धारित प्रपत्र में शपथ-पत्र एवं न्यूनतम राशि रू. 10.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम पर एनेक्जर-3 का शपथ पत्र बिड केपेसीटी उपलब्धता बाबत जानकारी एवं अन्य जानकारी एनआईटी के 2.10 में संलग्न संशोधित प्रपत्रानुसार प्रस्तुत करें।)

निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेग, एवं निविदाकारो द्वारा प्रेषित मूल अभिलेख का लिफाफा में निविदाकारो का मोबाईल न. एवं इमेल आई.डी. का उल्लेख अनिवार्य रुप से करें।

अधीक्षण अभियंता,
लो.नि.वि., रायपुर मण्डले क्र. 2 (छ.ग.)
आपकी थी चाह, हमने बनाई राह

Credible Chhattisgarh विश्वसनीय छत्तीसगढ़

जी- 262701352/1

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना राउंड-3 की तैयारी शुरू

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में युवाओं को रोजगारपरक कौशल और औद्योगिक अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई भारत सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के सफल संचालन हेतु प्रशासनिक स्तर पर तैयारियाँ शुरू हो गई हैं। राज्य शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने योजना के सुचारू क्रियान्वयन हेतु निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने जिले के सभी संबंधित विभागों को नियत अवधि में वार्षिक कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने का निर्देश दिए हैं। राज्य शासन के द्वारा जारी आदेश के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु इस योजना को धरातल पर क्रियान्वयन करने हेतु प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना जिला निगरानी समिति प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। कलेक्टर इस समिति के पदेन अध्यक्ष होंगे, जबकि एडिशनल कलेक्टर या संयुक्त कलेक्टर को सदस्य सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कलेक्टर द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार जिला स्तर पर प्रभावी मॉनिटरिंग और दैनिक समीक्षा के लिए प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना पोर्टल पर लॉगिन आईडी का निर्माण तुरंत किया जाना है। इसके लिए अधिकृत अधिकारियों का पूरा नाम, पदनाम, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी तुरंत विभाग को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं ताकि डेटा ट्रैकिंग और मॉनिटरिंग निर्बाध रूप से की जा सके। इस योजना के माध्यम से जिले के 18-25 आयु वर्ग के युवाओं को लक्षित किया जा रहा है, जिसमें पुरुष और महिला जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा शामिल है। बस्तर जिले के कुल सात विकास खंड में फैले गैर-इंजीनियरिंग कॉलेज, आईटीआई, पॉलिटेक्निक, इंजीनियरिंग कॉलेज और विश्वविद्यालय इस अभियान का हिस्सा बनेंगे ताकि युवाओं तक इस योजना की पहुँच बनाई जा सके। कलेक्टर आकाश छिकारा द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी, शासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्यों और इंजीनियरिंग कॉलेज व आईटीआई के प्रमुखों को आपस में समन्वय कर पहल किए जाने कहा गया है। योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, स्कूल शिक्षा और उद्योग विभाग मिलकर कैम्पस ड्राइव, रोड शो और सामुदायिक कार्यक्रमों का आयोजन करेंगे। इसके अतिरिक्त महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से युवतियों की भागीदारी सुनिश्चित करने और आदिवासी विकास विभाग के माध्यम से अनुसूचित जाति, जनजाति व अन्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं को छात्रावासों के माध्यम से जोड़ने की विशेष योजना तैयार की जा रही है।

आईटीआई जगदलपुर के विभिन्न ट्रेड में प्रवेश हेतु 15 जून तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

जगदलपुर। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था जगदलपुर में सत्र 2026-27 एवं 2026-27 के तहत विभिन्न ट्रेडों डीसीएम, कोपा, स्टेनो हिन्दी, वेल्डर, फिटर, विद्युतकार एवं एमएमव्ही में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। प्राचार्य शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था जगदलपुर से मिली जानकारी के अनुसार आगामी 15 जून 2026 तक प्रवेश संबंधी आवेदन की प्रक्रिया पोर्टल में पूरी कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए संस्था में कार्यालयीन अवधि के दौरान सम्पर्क किया जा सकता है।

हिरलाभाटा में उचित मूल्य दुकान संचालन हेतु 24 जून तक आवेदन आमंत्रित

जगदलपुर। कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बस्तर द्वारा छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली नियंत्रण आदेश 2016 में निहित प्रावधानों के तहत विकासखंड बस्तर के अंतर्गत ग्राम पंचायत सिवनी के ग्राम हिरलाभाटा में शासकीय उचित मूल्य दुकान के संचालन हेतु आदिम जाति सेवा सहकारी समितियों, ग्राम पंचायतों, स्थानीय नगरीय निकायों, वन सुरक्षा समितियों, तीन माह पूर्व पंजीकृत महिला स्व सहायता समूहों से 24 जून 2026 तक आवेदन पत्र आमंत्रित किया गया है। उक्त श्रेणी में शामिल संस्था या समितियां निर्धारित प्रपत्र में आवेदन पत्र सहित बैंक खाता, अंतिम जमा राशि की जानकारी बैंक स्टेटमेंट, पंजीयन प्रमाण पत्र की छायाप्रति, संचालक मंडल का प्रस्ताव के साथ कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बस्तर में निर्धारित तिथि 24 जून तक कार्यालयीन समय पर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्रस्तुत आवेदन पत्रों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

कौशल प्रशिक्षण हेतु आवेदन आमंत्रित

बीजापुर। जिला परियोजना कार्यालय लाईवलीहुड कॉलेज सोसायटी बीजापुर में केन्द्र एवं राज्य शासन के विभिन्न योजनांतर्गत जिले के युवाओं को जल जीवन मिशन योजनांतर्गत जल वितरण संचालक एवं असिस्टेंट इलेक्ट्रिशियन, बिजली मिस्त्री प्रशिक्षण में निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण जिसमें आवास के सुविधा के साथ-साथ प्रातः नाश्ता, दोपहर एवं रात्रि भोजन की सुविधा प्रदाय करने के लिए आवेदन आमंत्रित किया गया है। प्रशिक्षण के साथ ही कम्प्यूटर एवं व्यक्तिगत निर्माण की निःशुल्क एवं सामान्य कक्षा भी प्रदाय की जाएगी। प्रशिक्षण उपरांत प्रशिक्षणार्थियों को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ा जाएगा। उक्त कोर्स में आवेदन करने हेतु कम से कम 8वीं कक्षा उर्त्तीण एवं 18 से 45 वर्ष तक आयु होना अनिवार्य है। इच्छुक आवेदकों का कॉउसलिंग 15 जून 2026 को जिला परियोजना कार्यालय लाईवलीहुड कॉलेज एजुकेशन सिटी (ज्ञानगुड़ी) बीजापुर में आयोजन किया गया है। इच्छुक आवेदक 9201340598, 6260010268 एवं 9399629552 में संपर्क अथवा व्हाटसएप्प के माध्यम से पंजीयन करवा सकते हैं। यह प्रशिक्षण पूर्णतः निःशुल्क है।

मालगेर नदी में नहाने गए 4-4 साल के दो मासूम की डूबने से हुई मौत

सुकमा। जिले के गादीरास थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम एटपाल के कवासीपारा में एक हृदयविदारक हादसे ने पूरे गांव को गमगीन कर दिया। मालगेर नदी में डूबने से 4-4 वर्ष के दो मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक बच्चों की पहचान गीता करटामी (4 वर्ष) और अशोक पोडियम (4 वर्ष) के रूप में हुई है।

उपमुख्यमंत्री को पालिकाध्यक्ष ने पेयजल एवं गौरव पथ विस्तार को लेकर सौंपा ज्ञापन

मलांगीर से पाइपलाइन बिछाकर शुद्ध पेयजल आपूर्ति एवं गौरव पथ फेस-2 निर्माण की मांग, मंत्री ने दिया सकारात्मक आश्वासन

लोकमाया न्यूज ।

बचेली। छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के गत दिनो किरंदुल प्रवास के दौरान बचेली नगर पालिका के जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनका आत्मीय एवं जोशीला स्वागत किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष राजू जायसवाल के नेतृत्व में पार्षदों और कार्यकर्ताओं ने बचेली नगर के विकास एवं पेयजल समस्या के स्थायी समाधान से संबंधित महत्वपूर्ण मांगें उनके समक्ष रखीं। किरंदुल गेस्ट हाउस में में नगर पालिका अध्यक्ष एवं जनप्रतिनिधियों ने लगभग 8 करोड़ रुपये के नगर विकास कार्यों का प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए मलांगीर से बचेली तक पाइपलाइन बिछाकर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने तथा गौरव पथ फेस-2 सड़क निर्माण कार्य को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने की मांग की। नगर पालिका अध्यक्ष राजू जायसवाल ने बताया कि नगरवासियों को स्वच्छ एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पालिका लगातार प्रयासरत है। इसी दिशा में नगर के पांच विभिन्न स्थानों पर दो-दो लाख लीटर क्षमता की पांच विशाल पानी टंकियों का निर्माण कराया गया है। इन टंकियों में नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एनएमडीसी, एएमएनएस तथा जिला प्रशासन के साथ लगातार समन्वय स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि भविष्य की जल आवश्यकता को देखते हुए नगर क्षेत्र में 20 बोरवेल भी खोदे गए, लेकिन जलस्तर लगातार नीचे जाने तथा पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण 300 से 350 फीट की गहराई तक भी पर्याप्त पानी नहीं मिला। 20 में से केवल 12 बोरवेल ही सफल हो पाए। इसी कारण मलांगीर से स्थायी जलापूर्ति योजना की मांग लंबे समय से की जा रही है।

मुलाकात के दौरान गौरव पथ फेस-2 सड़क निर्माण का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। वर्तमान में लगभग 2 किलोमीटर सड़क का निर्माण हो चुका है, जबकि शेष डेढ़ किलोमीटर सड़क हिलटॉप होटल से शिव मंदिर, पुराना मार्केट होते हुए सुनील ढाबा तक बनना बाकी है। नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि इस सड़क के निर्माण से नगर का सौंदर्यीकरण होगा और नागरिकों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी। इसके अतिरिक्त रेलवे रोड निर्माण के संबंध में भी एनएमडीसी से समन्वय स्थापित करने हेतु उपमुख्यमंत्री से पहल करने का अनुरोध किया गया। इस दौरान पार्षद धनसिंग नाग, मंडल कोषाध्यक्ष सूरज जायसवाल सहित व अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कांकेर में रसोई गैस रिसाव से लगी आग, पुलिस कर्मी व कर्मचारी झुलसे

लोकमाया न्यूज ।

कांकेर। जिले के पखांजूर में एक पुलिस कर्मी के घर में बीती मंगलवार की रात में रसोई गैस के रिसाव होने से आग लग गई। इस घटना में गैस लीक ठीक कर रहा कर्मचारी और पुलिस जवान दोनों झुलस गए। आस-पास के लोगों ने घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। आग लगने से घर का काफी सामान जल गया। पड़ोसियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक घर का अधिकतर सामान जल चुका था। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस कर्मी सरोज मंडावी के घर में रखे रसोई गैस सिलिंडर से रिसाव हो रहा था। सरोज ने इसकी सूचना गैस एजेंसी को दी थी। एजेंसी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एक कर्मचारी को जांच के लिए भेजा। जब कर्मचारी गैस रिसाव को ठीक कर रहा था, तभी अचानक आग भड़क उठी। आग की चपेट में आकर कर्मचारी और पुलिस कर्मी बुरी तरह झुलस गए। घायलों की चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे। उन्होंने दोनों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया। स्थानीय पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। आग लगने के सटीक कारणों का पता लगाया जा रहा है। पुलिस यह भी देख रही है कि घटना में किसी की लापरवाही तो नहीं थी।

नदी पार कर नुगुर पहुंचे कलेक्टर-एसपी, ग्रामीणों से सीधा संवाद

सुदूर वनांचल में चौपाल लगाकर सुनी समस्याएं, सड़क, धान खरीदी और आजीविका योजनाओं पर दिए महत्वपूर्ण निर्देश

लोकमाया न्यूज ।

बीजापुर। जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्र भैरमगढ़ विकासखंड के नुगुर गांव (हुर्रगुवाली पंचायत) में कलेक्टर श्री विश्वदीप, पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र यादव तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती नम्रता चौबे ने पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी समीक्षा की। विशेष बात यह रही कि अधिकारियों ने गांव तक पहुंचने के लिए नदी को पैदल पार किया, जिससे ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति विश्वास और उत्साह का माहौल देखने को मिला।

ग्रामीणों की चौपाल में सुनी गई समस्याएं- गांव में आयोजित चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने सड़क, आवास, धान खरीदी, शिक्षा एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी मांगें रखीं। कलेक्टर श्री विश्वदीप ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया तथा कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पीएमजीएसवाई सड़क निर्माण में तेजी लाने के निर्देश- दौरे के दौरान कलेक्टर ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत संचालित निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को सड़क निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़क संपर्क से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।

धान खरीदी और उपार्जन केन्द्र निर्माण पर हुई चर्चा- ग्रामीणों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए केतूलनार में धान खरीदी केंद्र हेतु दान उपार्जन केन्द्र के प्रस्ताव पर चर्चा की गई। बैठक में नदी के इस पार से प्रशासन द्वारा धान उठाव की व्यवस्था सुनिश्चित करने के संबंध में भी विचार-विमर्श हुआ। किसानों को बिचौलियों से सावधान रहने की सलाह देते हुए अधिकारियों ने कहा कि धान को समर्थन मूल्य पर ही बेचें। किसानों को प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी तथा 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से शासन द्वारा किए जाने वाले भुगतान की जानकारी दी गई। कृषि और तकनीकी नवाचारों का लिया जायजा- अधिकारियों ने सोलर ड्यूल पंप का अवलोकन किया तथा किसानों को समय पर उर्वरक उठाव और एग्रीस्टैक पंजीयन कराने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

स्कूल और आंगनबाड़ी भवनों का निरीक्षण- दौरे के दौरान स्कूल भवन एवं आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर बच्चों को उपलब्ध सुविधाओं तथा आधारभूत व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। अधिकारियों ने शिक्षा एवं पोषण सेवाओं को बेहतर बनाने के निर्देश भी दिए।

आवास, शौचालय और आजीविका गतिविधियों पर जोर- ग्रामीणों को प्रधानमंत्री आवास योजना के सर्वे में शामिल होकर पात्रता अनुसार मकान निर्माण कराने की जानकारी दी गई। साथ ही स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय निर्माण, मनरेगा के तहत डबरी निर्माण तथा गाय शेड निर्माण कराने के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने ग्रामीणों से सूअर पालन, बकरी पालन तथा अन्य आजीविका गतिविधियों को अपनाकर आय बढ़ाने का आह्वान किया और शासन की योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने की अपील की।

प्रशासन को अपने बीच पाकर बढ़ा ग्रामीणों का आत्मविश्वास- कलेक्टर, एसपी और जिला पंचायत सीईओ सहित वरिष्ठ अधिकारियों को अपने बीच पाकर ग्रामीणों में उत्साह और आत्मविश्वास का संचार हुआ। ग्रामीणों ने बिना किसी झिझक के अपनी समस्याएं और मांगें अधिकारियों के समक्ष रखीं। कलेक्टर विश्वदीप ने सभी मांगों पर संवेदनशीलता के साथ विचार करने तथा क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं के समुचित विस्तार के लिए सकारात्मक पहल का भरोसा दिलाया। शासन की योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी है। दूरस्थ क्षेत्रों के विकास के लिए प्रशासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है।

भाजपा ने मां दंतेश्वरी से प्रधानमंत्री के 12 वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर दीर्घायु की कामना

लोकमाया न्यूज ।

जगदलपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व के सफलतम 12 वर्ष पूर्ण होने पर बुधवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा श्रीदंतेश्वरी मंदिर में विशेष पूजा अर्चना की गयी। भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य व उनके दीर्घायु होने एवं देश व समस्त देशवासियों की कुशलता,सुख समृद्धि, उन्नति के लिये मंगलकामना की। भाजपा जिला अध्यक्ष वेदप्रकाश पांडे ने कहा कि हम सभी के लिये यह अत्यंत हर्ष व गौरव का विषय है कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में एनडीए सरकार के ऐतिहासिक उपलब्धियों के 12 वर्ष पूर्ण हुये हैं। इस शुभ अवसर पर आज भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा मां श्रीदंतेश्वरी मंदिर में विशेष पूजा अनुष्ठान किया गया और प्रधानमंत्री व देश सहित 140 करोड़ देशवासियों की कुशलता समृद्धि के लिये कामना की गयी। इस दौरान महापौर संजय पांडे, खेम सिंह देवांगन, परिस राम बेसरा, आर्येद्र सिंह आर्य, नरसिंह राव, रंजीत पांडे, प्रकाश झा,अविनाश श्रीवास्तव, निर्मल पाणिग्रही, रोहित त्रिवेदी, आशा साहू, माहेश्वरी ठाकुर, संजय विश्कर्मा, हरीश पारेख, बिजली बैद,संग्राम सिंह राणा, अविनाश गौतम, सूर्यभूषण सिंह, शशिनाथ पाठक, राजपाल कसेर, पूनम सिन्हा, रेखा सिंह, शोभा राव,देव श्री भंडारी, अलका सेंगर, अनीता पटेल,दिगम्बर राव, राजा यादव,श्याम सुंदर बघेल,नवीन बोथरा,पारुल बोथरा, पितामह नायक,संतोष गौर,गीता नाग,किरण दीवान, पुष्पा तिवारी,नीलम यादव,मयंक दीवान,शेखर साहू, जीपी यादव,रीता राठौर सुलोचना भारती, ढाकेश्वरी पांडे,रोशन सिसोदिया, लक्ष्मी कश्यप, पप्पू कश्यप, कौशल्या यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खरीफ सीजन के लिए जिले में उर्वरक-बीज का पर्याप्त भंडार, किसानों को समय पर मिल रही सामग्री

लोकमाया न्यूज ।

बीजापुर। कलेक्टर विश्वदीप के निर्देशानुसार खरीफ सीजन 2026 के लिए जिले की सहकारी समितियों में उन्नत प्रमाणित बीज एवं उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। किसानों को खेती के लिए आवश्यक सामग्री समय पर उपलब्ध कराने हेतु समितियों में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक और बीज का भंडारण किया गया है तथा वितरण कार्य निरंतर जारी है। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में उर्वरक की कुल मांग 4665 मीट्रिक टन है, जिसके विरुद्ध अब तक 2296.095 मीट्रिक टन उर्वरक का भंडारण किया जा चुका है। समितियों में यूरिया, डीएपी सहित अन्य उर्वरक पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। किसानों को डीएपी के विकल्प के रूप में एसएसपी, 20:20:0:13 तथा नैनो डीएपी के उपयोग की भी सलाह दी जा रही है। वहीं नाइट्रोजन की पूर्ति के लिए नैनो यूरिया के उपयोग को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी प्रकार जिले में बीज की कुल मांग 11,994 क्विंटल है, जिसके विरुद्ध 6,239.30 क्विंटल बीज का भंडारण सहकारी समितियों में किया जा चुका है। किसानों को आवश्यकतानुसार बीजों का वितरण लगातार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना बनी वरदान: छबीला यालम को मिला सम्मानजनक विवाह और आत्मनिर्भरता का संबल

लोकमाया न्यूज ।

बीजापुर। जिला बीजापुर के भोपालपटनम परियोजना अंतर्गत ग्राम मेट्टुपल्ली की बेटी छबीला यालम के जीवन में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना ने नई उम्मीद और आत्मविश्वास का संचार किया है। आर्थिक रूप से साधारण किसान परिवार से संबंध रखने वाली छबीला के लिए यह योजना न केवल सम्मानजनक विवाह का माध्यम बनी, बल्कि आत्मनिर्भर भविष्य की मजबूत नींव भी साबित हुई। आर्थिक तंगी के बीच बेटी के विवाह की चिंता- छबीला के पिता श्री बाबू यालम एवं माता श्रीमती सरिता यालम अपनी बेटी को पढ़ा-लिखाकर आत्मनिर्भर बनाना चाहते थे। लेकिन जैसे-जैसे विवाह का समय नजदीक आया, सीमित आय के कारण विवाह के खर्चों को लेकर परिवार चिंतित रहने लगा। सामाजिक रीति-रिवाजों, भोज और अन्य व्यवस्थाओं का खर्च परिवार की क्षमता से बाहर प्रतीत हो रहा था। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने दिखाई राह- इसी दौरान क्षेत्र की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती शकुंतला मट्टी ने परिवार को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 10 फरवरी 2026 को बीजापुर में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में शामिल होकर योजना का लाभ प्राप्त किया जा सकता है। जानकारी मिलते ही परिवार ने 25 जनवरी 2026 को आवेदन कर दिया। सामूहिक विवाह में संपन्न हुआ गरिमामय विवाह- योजना के तहत ग्राम मेट्टुपल्ली निवासी श्री पवन वासम के साथ छबीला यालम का विवाह 10 फरवरी 2026 को बीजापुर में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में पूर्ण हिंदू रीति-रिवाज और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुआ। समारोह में वर-वधू और उनके परिवारों का सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया तथा विवाह की सभी आवश्यक व्यवस्थाएं शासन द्वारा सुनिश्चित की गईं। 50 हजार की सहायता बनी आत्मनिर्भरता की राह- मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत छबीला को कुल 50,000 की सहायता प्राप्त हुई, जिसमें 15,000 मूल्य की उपहार सामग्री एवं आयोजन व्यय तथा 35,000 की आर्थिक सहायता सीधे बैंक खाते में प्रदान की गई। छबीला ने इस राशि का सदुपयोग करते हुए सिलाई मशीन खरीदी और स्वरोजगार की शुरुआत की। आज वे सिलाई कार्य के माध्यम से स्वयं आय अर्जित कर रही हैं। कुछ राशि स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं पर खर्च करने के बाद शेष धनराशि को उन्होंने भविष्य की सुरक्षा के लिए बैंक में जमा कर रखा है। सामाजिक समरसता और सशक्तिकरण का उदाहरण- मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक सुधार का भी प्रभावी माध्यम बन रही है। सामूहिक विवाह से अनावश्यक खर्च और दहेज जैसी कुरीतियों पर अंकुश लग रहा है, वहीं विभिन्न समुदायों और परिवारों के बीच सामाजिक समरसता एवं भाईचारे को भी बढ़ावा मिल रहा है।

मानसून 2026 को लेकर बीजापुर प्रशासन अलर्ट, बाढ़ एवं आपदा प्रबंधन हेतु अधिकारियों को सौंपे गए दायित्व

लोकमाया न्यूज ।

बीजापुर। आगामी मानसून सत्र को देखते हुए जिला प्रशासन बीजापुर ने बाढ़ एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। कलेक्टर श्री विश्वदीप द्वारा जारी आदेश के अनुसार विभिन्न विभागों के अधिकारियों को राहत, बचाव एवं आपदा प्रबंधन संबंधी जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। जारी निर्देशों के अनुसार सभी वर्षामापक केंद्रों में वर्षामापक यंत्रों का रखरखाव सुनिश्चित किया जाएगा तथा जहां उपकरण उपलब्ध नहीं हैं वहां तत्काल स्थापना की जाएगी। जिले में 24 घंटे संचालित होने वाला नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, जिसकी जानकारी ग्राम पंचायतों एवं आम नागरिकों तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने संभावित बाढ़ प्रभावित एवं पहुंचविहीन क्षेत्रों में खाद्यान्न, नमक, केरोसिन, जीवनरक्षक दवाइयों सहित आवश्यक सामग्री का अग्रिम भंडारण करने तथा स्वास्थ्य केंद्रों में पर्याप्त दवा एवं उपचार व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। पेयजल की शुद्धता बनाए रखने के लिए हैंडपंपों एवं जल स्त्रोतों की नियमित जांच तथा ब्लीचिंग पाउडर की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी। बाढ़ संभावित क्षेत्रों की पहचान कर वहां सतत निगरानी रखने, आवश्यकता पड़ने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने तथा राहत शिविरों की पूर्व तैयारी करने के निर्देश दिए गए हैं। राहत शिविरों में चिकित्सा जांच, स्वच्छता, पेयजल, शौचालय एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। नगर निकायों को वर्षा पूर्व शहर के नालों एवं नालियों की सफाई, जलभराव वाले क्षेत्रों में पंपों की व्यवस्था तथा असुरक्षित पेड़ों एवं होर्डिंग्स को हटाने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं जल संसाधन विभाग को नदी एवं जलाशयों के जलस्तर पर लगातार निगरानी रखने तथा खतरे की स्थिति में समय रहते सूचना जारी करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रशासन ने आवश्यकता पड़ने पर सेना, नगर सेना, होमगार्ड, एसडीआरएफ एवं अन्य बचाव दलों की सहायता लेने तथा राहत एवं बचाव कार्यों में लगे कर्मचारियों को आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए हैं। जिला प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए मानसून अवधि में किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहने को कहा है।

एक कॉल, त्वरित सुनवाई और प्रभावी कार्रवाई-सीएम हेल्पलाइन 1076

घर बैठे दर्ज की शिकायत, एक घंटे में मिली राहत

विद्युत समस्या का त्वरित निराकरण, रामकुमार साहू ने मुख्यमंत्री को जताया आभार

लोकमाया न्यूज ।

कोरबा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर संचालित सीएम हेल्पलाइन 1076 आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण का सशक्त माध्यम बनकर उभर रही है। यह हेल्पलाइन शासन और जनता के बीच संवाद को अधिक सुदृढ़ एवं पारदर्षी बनाने के साथ-साथ तथा नागरिकों की शिकायतों, समस्याओं के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा गत दिवस सीएम हेल्पलाइन का शुभारंभ किए जाने के बाद इसके सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। कोरबा शहर के पंपहाउस क्षेत्र निवासी श्री रामकुमार साहू ने अपने क्षेत्र में लगातार हो रही विद्युत वोल्टेज (अप-डाउन) की समस्या को लेकर सीएम हेल्पलाइन 1076 पर शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि विद्युत आपूर्ति में बार-बार उतार-चढ़ाव होने से उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

श्री साहू ने शाम लगभग 4 बजे मोबाइल फोन के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज कराई। शिकायत प्राप्त होते ही विद्युत विभाग ने तत्परता दिखाते हुए मामले पर त्वरित कार्रवाई की। विद्युत विभाग की टीम द्वारा 100 के.व्ही.ए. की क्षमता वितरण वाले ट्रांसफार्मर का न्यूट्रल की समस्या को ठीक कर समस्या का निराकरण किया गया। शिकायत दर्ज होने के लगभग एक घंटे के भीतर, शाम 5 बजकर 09 मिनट पर विद्युत व्यवस्था सामान्य हो गई। षिकायत दर्ज के एक घंटे के भीतर अपनी समस्या के त्वरित समाधान से संतुष्ट श्री रामकुमार साहू ने छत्तीसगढ़ सरकार की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि सीएम हेल्पलाइन 1076 के माध्यम से अब आम नागरिकों की आवाज सीधे शासन तक पहुंच रही है। उन्होंने बताया कि शिकायत दर्ज करते समय उनकी समस्या को गंभीरता से सुना गया और संबंधित विभाग द्वारा शीघ्र कार्रवाई करते हुए समाधान सुनिश्चित किया गया। उन्होंने जिलेवासियों से भी अपील की कि वे शासन की इस जनहितैषी व्यवस्था का अधिकाधिक उपयोग करें और अपनी समस्याओं, शिकायतों को सीएम हेल्पलाइन 1076 के माध्यम से दर्ज कराएं। श्री साहू ने नागरिकों की सुविधा के लिए शुरू की गई इस पहल के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

सहकारी समितियों में पर्याप्त भंडारण, समय पर खाद-बीज मिलने से किसानों में बढ़ा उत्साह

खरीफसीजन की तैयारियों को मिली गति, कृषक लक्ष्मीनारायण कंवर ने जताई संतुष्टि

लोकमाया न्यूज ।

कोरबा । मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार किसानों के हितों के संरक्षण एवं कृषि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। किसानों को खेती-किसानी के लिए आवश्यक संसाधन समय पर उपलब्ध कराने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक प्रभाव अब जमीनी स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। जिले की सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को समय पर खाद, बीज एवं अन्य कृषि आदान सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे कृषकों में संतोष और उत्साह का वातावरण है।

कोरबा जिले के ग्राम रिसदी निवासी कृषक श्री लक्ष्मीनारायण कंवर के पास लगभग 2 एकड़ 96 डिसमिल कृषि भूमि है, जिसमें वे मुख्य रूप से धान की खेती करते हैं। आगामी खरीफ सीजन की तैयारियों के तहत वे सहकारी समिति जामबहार-सोनपुर पहुंचे, जहां से उन्होंने अपनी आवश्यकता के अनुसार यूरिया, डीएपी एवं बीज प्राप्त किया।

श्री कंवर ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा किसानों की सुविधा के लिए बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। सहकारी समितियों में पर्याप्त मात्रा में खाद और बीज का भंडारण किया गया है, जिससे किसानों को आवश्यक कृषि सामग्री प्राप्त करने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि समिति में सरल प्रक्रिया के माध्यम से आवश्यक सामग्री आसानी से उपलब्ध हो रही है, जिससे खेती की तैयारियां समय पर पूरी हो रही हैं।उन्होंने कहा कि किसानों को समय पर खाद एवं बीज उपलब्ध होना अच्छी फसल की आधारशिला है। राज्य सरकार द्वारा यह व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने से किसानों का आत्मविश्वास बढ़ा है और वे आगामी खरीफ सीजन को लेकर उत्साहित हैं।

श्री कंवर ने किसानों के हित में किए जा रहे प्रयासों के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की किसान-केंद्रित नीतियों से कृषकों को सीधा लाभ मिल रहा है।

संक्षिप्त समाचार

प्री.बी.एड./बी.एस.सी. नर्सिंग प्रवेष परीक्षा आज

कोरबा 11 जून। छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल, रायपुर द्वारा आयोजित प्री.बी.एड/बी.एस.सी. नर्सिंग (बीईडी-बीएससीएन) प्रवेश परीक्षा 11 जून को प्रातः 10.00 बजे से अपरान्ह 12.15 बजे तक जिले के 17 परीक्षा केन्द्रों में संपन्न होगी, जिसमें कुल 5055 परीक्षार्थी शामिल होगें। परीक्षा के सफल संचालन हेतु व्यापम के निर्देशों के तहत् सभी आब्जर्वर, केन्द्राध्यक्ष एवं उड़नदस्ता दल को विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। परीक्षा में सम्मिलित होने वाले परीक्षार्थीओं के लिए निर्देश जारी किया गया है।

जारी निर्देष के अनुसार परीक्षा 10.00 बजे से अपरान्ह 12.15 बजे तक आयोजित होगी। परीक्षा केन्द्र का मुख्य द्वार 30 मिनट पूर्व 09.30 बजे बंद कर दिया जायेगा। परीक्षार्थी, परीक्षा प्रारंभ होने के कम से कम 02 घंटा पूर्व अनिवार्य रूप से परीक्षा केन्द्र में पहुंचेगें। ताकि सभी अभ्यर्थिओं का मेटल डिटेक्टर तथा फिस्किंग जांच किया जा सकें। परीक्षार्थी हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहना होगा। फूट बियर के रूप में चप्पल पहनेगें। कान में किसी भी प्रकार का आभूषण वर्जित है। परीक्षा कक्ष में किसी प्रकार का संचार उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक उपरकण, इलेक्ट्रॉनिक घड़ी, पर्स, पाऊज, स्कार्फ, बेल्ट, टोपी आदि ले जाना पूर्णतः वर्जित है। परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करने पर कठोर कार्यवाही की जायेगी तथा अभ्यर्थिता समाप्त की जावेगी । धार्मिक एवं सांस्कृतिक पोशाक वाले अभ्यर्थिओं को अतिरिक्त सुरक्षा जाच से गुजरना होगा। भारत इलेक्ट्रॉनिक लिमिडेट द्वारा सभी केन्द्रों में जैमर लगाया गया है। प्रशासन ने सभी परीक्षार्थियों से अपील की है कि वे निर्धारित समय और नियमों का पालन करते हुए परीक्षा में सम्मिलित हों।

नीट-यूजी 2026 परीक्षा 21 जून को

कोरबा। नीट-यूजी 2026 परीक्षा 21 जून दिन रविवार को अपरान्ह 02 बजे से 05 बजे तक कोरबा जिला अन्तर्गत 04 परीक्षा केन्द्रों में आयोजित होगी।जिसमें कुल 1765 परीक्षार्थी शामिल होंगे। उक्त परीक्षा के सफल संचालन हेतु सभी परीक्षा केन्द्रों में कार्यपालिक दण्डाधिकारी की नियुक्ति कर दी गई है। आवष्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिष्चित करने हेतु पुलिस प्रषासन को निर्देष जारी किया गया है।

ग्राम करगामार में सौर ऊर्जा आधारित नल-जल योजना सुचारु, पेयजल आपूर्ति निर्बाध रूप से जारी

कोरबा। विकासखण्ड पोड़ी उपरोड़ा के ग्राम पंचायत पचरा के आश्रित ग्राम करगामार में संचालित सौर ऊर्जा आधारित नल-जल प्रदाय योजना पूरी तरह क्रियाशील एवं सुचारु रूप से संचालित है। योजना के माध्यम से ग्रामीणों को नियमित एवं निर्बाध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है तथा जलापूर्ति व्यवस्था में किसी प्रकार की बाधा नहीं है। योजना की वास्तविक स्थिति का सत्यापन करने हेतु ग्राम पंचायत पचरा के सरपंच द्वारा पंचायत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में स्थल निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान यह स्पष्ट रूप से पाया गया कि सौर ऊर्जा संचालित नल-जल प्रणाली नियमित रूप से कार्यरत है तथा योजना के अंतर्गत स्थापित सिंटेक्स टंकी में निरंतर पानी भरा जा रहा है।

कटघोरा के न्यू बस स्टैंड में फैली गंदगी व्यापारियों और राहगीरों को परेशानी

लोकमाया न्यूज ।

कोरबा। कोरबा जिले के सबसे बड़े कसबे कटघोरा के न्यू बस स्टैंड में स्वच्छता व्यवस्था पूरी तरह पटरी से उतरती नजर आ रही है। बस स्टैंड परिसर स्थित सुलभ शौचालय के सामने लंबे समय से गंदगी का अंबार लगा हुआ है, जिससे यात्रियों, स्थानीय व्यापारियों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. नगर पालिका द्वारा नियमित साफ-सफाई पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा, जिसके कारण स्थिति दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है।

स्थानीय लोगों के अनुसार बस स्टैंड में संचालित फल दुकानों, होटल व्यवसायियों, ठेला- खुमचा संचालकों सहित कुछ अन्य व्यापारियों द्वारा कचरा खुले में ही फेंक दिया जाता है। इसका सबसे अधिक असर सुलभ शौचालय के आसपास देखने को मिलता है, जहां कचरे के ढेर और उससे उठने वाली दुर्गंध लोगों के लिए बड़ी समस्या बन गई है। शौचालय तक पहुंचने वाले यात्रियों और आम नागरिकों को नाक पर रूमाल रखकर गुजरना पड़ रहा है। बस स्टैंड क्षेत्र में रोजाना बड़ी संख्या में यात्री पहुंचते हैं। ऐसे में गंदगी और बदबू के कारण न केवल लोगों को असुविधा हो रही है, बल्कि शहर की छवि पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। व्यापारियों का कहना है कि कई बार इस समस्या की ओर संबंधित विभागों और नगर पालिका का ध्यान आकर्षित कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नजर नहीं आई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मानसून आने में अब अधिक समय नहीं बचा है। यदि समय रहते सफाई व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई तो बारिश के दौरान स्थिति और भी भयावह हो सकती है। कचरे के ढेर से जलभराव, कीचड़ और मच्छरों का प्रकोप बढने की आशंका है, जिससे संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ सकता है। बस स्टैंड के माध्यम से अपनी रोजी-रोटी चलाने वाले दुकानदारों और कर्मचारियों का कहना है कि बारिश से पहले सफाई, कचरा प्रबंधन और नालियों की व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए नगर पालिका को गंभीरता दिखानी चाहिए। उनका मानना है कि यदि अभी से आवश्यक कदम उठाए जाएं तो आने वाले दिनों में उत्पन्न होने वाली जटिल परिस्थितियों से आसानी से बचा जा सकता है।

कौशिल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तुलसीनगर कोरबा की मान्यता निरस्त

लोकमाया न्यूज ।

कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी जिला-कोरबा (छ.ग.)

कोरबा। जिला शिक्षा अधिकारी, कोरबा एवं छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल, रायपुर द्वारा जारी आधिकारिक पत्रों के अनुसार तुलसीनगर, कोरबा स्थित कौशिल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (स्कूल कोड 332029) के विरुद्ध गंभीर प्रशासनिक अनियमितताओं के चलते विभागीय कार्रवाई की गई है। उपलब्ध अभिलेखों एवं जांच प्रतिवेदनों के आधार पर विद्यालय की विभागीय अनुमति समाप्त कर दी गयी है।

जांच में सामने आए प्रमुख तथ्य- जिला शिक्षा अधिकारी, कोरबा द्वारा जारी पत्र में उल्लेख किया गया है कि विद्यालय प्रबंधन से संस्था की मान्यता, भूमि स्वामित्व एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों की मांग कई बार की गई, किन्तु विद्यालय प्रबंधन द्वारा निर्धारित समयावधि में आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत नहीं किए गए। विभागीय जांच के दौरान यह भी पाया गया कि संस्था द्वारा मान्यता से संबंधित आवश्यक शर्तों का समुचित पालन नहीं किया जा रहा था।

माध्यमिक शिक्षा मंडल, रायपुर की आपत्तियाँ

- छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल, रायपुर द्वारा जिलाशिक्षा अधिकारी को प्रेषित पत्र में कहा गया है कि-
- संस्था द्वारा मान्यता प्रमाण-पत्र की शर्तों का पालन नहीं किया जा रहा था।
- आरटीई के अंतर्गत विद्यार्थियों के प्रवेश में अनियमितताओं संबंधी शिकायतें प्राप्त हुईं।
- शासन को वित्तीय क्षति पहुंचाने संबंधी तथ्य संज्ञान में लाए गए।
- संस्था द्वारा भूमि स्वामित्व एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए गए।

इन परिस्थितियों को गंभीर मानते हुए मंडल द्वारा संस्था की विभागीय अनुमति एवं मान्यता समाप्त किए जाने संबंधी जानकारी मांगी गई थी।

जिला शिक्षा अधिकारी की कार्रवाई

उपलब्ध शिकायतों, जांच प्रतिवेदनों एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने की स्थिति को देखते हुए जिला शिक्षा अधिकारी, कोरबा द्वारा विद्यालय की पूर्व में जारी विभागीय अनुमति निरस्त करने संबंधी आदेश जारी किया गया है। इस संबंध में आवश्यक सूचना संबंधित विभागों एवं अधिकारियों को भी भेजी गई है।

शिक्षा विभाग का रुख

शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि विद्यार्थियों के हितों की सुरक्षा, शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता तथा मान्यता संबंधी नियमों का पालन सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

नियमों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह ने दिया मानवता का अनूठा परिचयः सड़क हादसे में घायलों को अपने वाहनों से पहुंचवाया अस्पताल, संवेदनशीलता ने जीता दिल

लोकमाया न्यूज ।

कोरबा । कोरबा से वापस लौटते समय जिला पंचायत अध्यक्ष पवन कुमार सिंह ने मानवता और संवेदनशीलता का एक अनूठा परिचय दिया है। मार्ग में हुए एक सड़क हादसे के घायलों को तड़पता देख उन्होंने न सिर्फ अपनी गाड़ी रुकवाई, बल्कि तत्परता दिखाते हुए घायलों को अपने ही वाहन से अस्पताल पहुँचाया।

जानकारी के अनुसार, छुरी मार्ग पर एक स्कूटी और 'छोटा हाथी' (मालवाहक वाहन) के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कूटी सवार सड़क पर दूर जा गिरे। इस हादसे में दो महिलाएँ और बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई थी। उसी दौरान कोरबा से अपना दौरा पूरा कर लौट रहे जिला पंचायत अध्यक्ष पवन कुमार सिंह का काफिला वहाँ से गुजरा। भीड़ और घायलों को सड़क पर देख उन्होंने तुरंत अपनी गाड़ी रुकवाने के निर्देश दिए।

बिना एक पल गँवाए, उन्होंने अपने सहयोगियों की मदद से लहूलुहान हालत में पड़ी दोनों महिलाओं और बच्चों को संभाला। एम्बुलेंस का इंतजार करने में समय जाया न हो, इसलिए उन्होंने घायलों को तुरंत अपने निजी वाहन में बिठाया और खुद उन्हें लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र छुरी रवाना हुए। जिला पंचायत अध्यक्ष की इस त्वरित संवेदनशीलता के कारण घायलों को सही समय पर में इलाज मिल सका। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र छुरी में सभी घायलों को भर्ती कर लिया गया है, जहाँ डॉक्टरों की टीम द्वारा उनका उपचार किया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय लोगों ने जिला पंचायत अध्यक्ष पवन कुमार सिंह के इस सेवाभाव और त्वरित निर्णय की जमकर सराहना की है। लोगों का कहना है कि अगर सही समय पर उन्हें अस्पताल न पहुँचाया जाता, तो स्थिति बेहद गंभीर हो सकती थी।

कोरबा पुलिस की बड़ी कार्रवाईः एशियन ट्रेडर्स में चोरी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार 2.50 लाख का सामान बरामद

कोरबा। कोरबा पुलिस ने सजग कोरबा, सतर्क कोरबा अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए एशियन ट्रेडर्स में हुई चोरी की वारदात का खुलासा कर दिया है। इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब 2.50 लाख मूल्य का चोरी गया सामान शत-प्रतिशत बरामद किया गया है। मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि 9 जून 2026 को पावर हाउस रोड निवासी विमल जाजोदिया ने थाना कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी दुकान एशियन ट्रेडर्स में अज्ञात चोरों ने पीछे से प्रवेश कर डायनेक्स कंपनी का इन्वर्टर, बिरला ओपस पेंट के डिब्बे, बॉश कंपनी की ड्रिल मशीन और ब्रेकर मशीन सहित अन्य सामान चोरी कर लिया। रिपोर्ट के आधार पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 507/2026 धारा 331(4), 305 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लखन पटले और नगर पुलिस अधीक्षक प्रतीक चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में टीम गठित कर कार्रवाई की गई। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने लक्ष्मणबन तालाब क्षेत्र के निवासी मनीष यादव (19) और प्रकाश चौहान (19) को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में दोनों ने चोरी की वारदात स्वीकार कर ली, जिसके बाद उनके कब्जे से चोरी गया पूरा सामान बरामद कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से लगभग 2.50 लाख मूल्य का मशरूका बरामद किया है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

घटना के कुछ ही समय में आरोपियों की पहचान, गिरफ्तारी और चोरी गए सामान की शत-प्रतिशत बरामदगी कोरबा पुलिस की सतर्कता और सक्रियता को दर्शाती है। इस कार्रवाई में नगर निरीक्षक एम.बी. पटेल के नेतृत्व में पुलिस टीम के जवानोंकृवासुदेव आदित्य, भूपेंद्र लहरे, चंद्रकांत गुप्ता, रामविलास, रमेंद्र वर्मन और चंद्रप्रकाश तंवर की सराहनीय भूमिका रही। कोरबा पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि अपराध पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके।

एसईसीएल की ठेका कंपनी केसीसीएल के खिलाफश्रमिकों का आंदोलन

बैठक रही बेनतीजा, मांगें पूरी न होने पर 'पूर्ण नग्न' आंदोलन और अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान

लोकमाया न्यूज ।

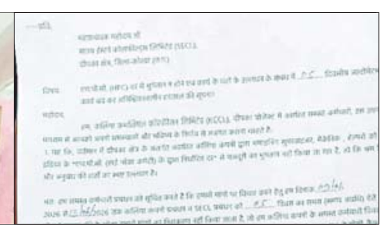

कोरबा। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के दीपका कोयलांचल क्षेत्र में कार्यरत ठेका कंपनी ''कलिंगा कमर्शियल कॉर्पोरेशन लिमिटेड(केसीसीएल) के खिलाफ श्रमिकों का आक्रोश चरम पर पहुंच गया है। कंपनी द्वारा श्रम नियमों के उल्लंघन और खुले शोषण से तंग आकर बुधवार को समस्त पीड़ित श्रमिकों ने अर्धनग्न होकर एसईसीएल दीपका क्षेत्र के महाप्रबंधक कार्यालय तक मार्च किया और अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा।

इस गतिरोध को सुलझाने के लिए बुधवार को केसीसीएल प्रबंधन द्वारा एक बैठक बुलाई गई थी। दुर्भाग्यवश, इस बैठक में प्रबंधन की ओर से कोई ठोस निर्णय या सकारात्मक आश्वासन नहीं मिला, जिससे वार्ता पूरी तरह बेनतीजा रही। प्रबंधन के इस अड़ियल रवैये से नाराज होकर श्रमिकों ने अब आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। श्रमिकों ने स्पष्ट कर दिया है कि इस अनिश्चितकालीन आंदोलन के दौरान होने वाले किसी भी प्रकार के अप्रिय घटनाक्रम, कानून-व्यवस्था की स्थिति या आर्थिक नुकसान की समस्त नैतिक और वैधानिक जिम्मेदारी शासन-प्रशासन, एसईसीएल प्रबंधन और मुख्य रूप से कलिंगा कमर्शियल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की होगी। इस आंदोलन और ज्ञापन सौंपने के दौरान बड़ी संख्या में कलिंगा कंपनी के माइनिंग स्टाफ सुपरवाइजर, मैकेनिक और हेल्पर्स एकजुट होकर उपस्थित रहे।

मजदूरों के शोषण के मुख्य आरोप और मांगें-एचपीसी दरों का उल्लंघन- श्रमिकों का आरोप है कि कंपनी हाई पावर कमेटी द्वारा निर्धारित दरों के तहत भुगतान न करके सीधे तौर पर मजदूरों के हक का पैसा मार रही है। श्रम नियमों की अनदेखी- दीपका क्षेत्र में कार्यरत माइनिंग सुपरवाइजर, मैकेनिक और हेल्पर्स को कोल इंडिया के नियमों के तहत तय वैधानिक मजदूरी दर नहीं दी जा रही है, जो अनुबंध की शर्तों का गंभीर उल्लंघन है।

5 दिनों का अल्टीमेटम, 14 से चक्का जाम की चेतावनी- श्रमिकों ने एसईसीएल और केसीसीएल प्रबंधन को अपनी मांगों के शांतिपूर्ण निराकरण के लिए 05 दिनों 13 जून तक का अल्टीमेटम दिया गया है। यदि इस समयावधि के भीतर जायज मांगों को पूरा नहीं किया गया, तो 14 जून से कलिंगा कंपनी का कार्य पूर्णतः ठप कर दिया जाएगा। खदान क्षेत्र के चांदनी चौक एवं केसीसी कैंप गेट पर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जाएगी। मांगें पूरी न होने की स्थिति में मजदूर पूर्ण रूप से नग्न होकर उग्र प्रदर्शन करने के लिए विवश होंगे।

विभागों के निर्माणाधीन कार्यों को गुणवत्तापूर्ण तरीके से शीघ्र पूर्ण करने किया निर्देशित

कार्य में लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों पर कड़ी कार्यवाही करने के दिए निर्देश

कलेक्टर ने ली निर्माण विभाग से संबंधित अधिकारियों की बैठक

लोकमाया न्यूज ।

कोरबा। कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में निर्माण कार्यों से संबंधित जल संसाधन, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल एवं आदिम जाति कल्याण विभाग के विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर प्रगतिरत निर्माणाधीन कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने निर्माण एजेंसियों को सभी स्वीकृत कार्यों को निर्धारित समयावधि में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही कार्य प्रारंभ नही करने वाले, धीमी प्रगति व निर्माण कार्य में लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों पर दंडात्मक कार्यवाही करते हुए ब्लैक लिस्ट करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बारिश के मौसम को ध्यान में रखते हुए सभी प्रगतिरत कार्यों में गति लाएं और आवश्यकता अनुसार संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करें, जिससे सभी कार्य समयबद्ध तरीके से पूर्ण होकर आमजनों को अधिकतम लाभ प्रदान कर सकें। बैठक में जल संसाधन विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न निर्माण, नवीनीकरण एवं जीर्णोद्धार योजनाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए निर्माणाधीन कार्यों मे तेजी से प्रगति लाने के निर्देश दिए। साथ ही जलाशयों में चल रहे नहर लाइनिंग व सुधार कार्यों को भी शीघ्रता से पूर्ण करने निर्देशित किया।

कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को सभी कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने, कार्यस्थलों का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने तथा किसानों की सिंचाई आवश्यकताओं को प्राथमिकता पर लेने के निर्देश दिए।

फीफा विश्वकप के उद्घाटन मैच में खराब है मेक्सिको का रिकॉर्ड, द.अफ्रीका के खिलाफ टूटेगा तिलिस्म?

नई दिल्ली (ए)। सहमेजबान मेक्सिको का फुटबॉल विश्व कप के पहले दिन खेलते हुए रिकॉर्ड काफी खराब है और टीम आमतौर पर विश्व कप के पहले दिन अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाती। पिछले सात प्रयास में मेक्सिको की टीम को पांच बार हार का सामना करना पड़ा, जबकि दो मैच ड्रॉ रहे। गुरुवार को मेक्सिको को एक और मौका मिलेगा जब वह 48 टीम वाले टूर्नामेंट के शुरुआती दिन दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी करेगा। फीफा विश्व कप के पहले मैच में मेक्सिको का सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा। भारतीय समयानुसार, ये मैच रात 12:30 बजे शुरू होगा।

कोच को सिलसिला तोड़ने की उम्मीद- कोच जेवियर एग्वायरे ने बुधवार को एज्टेका स्टेडियम में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हमें इस सिलसिले को तोड़ना होगा। मुझे इसके बारे में पता नहीं था लेकिन मैं खिलाड़ियों को इसके बारे में बताऊंगा। यह उन्हें यह बताने का एक अच्छा कारण है कि हमें मैदान पर उतरकर मैच जीतना है। उम्मीद है कि हम इस सिलसिले को तोड़ देंगे।

2010 में ड्रॉ रहा था दोनों टीमों के बीच मैच- गुरुवार का यह मैच दक्षिण अफ्रीका में 2010 विश्व कप के उद्घाटन मैच जैसा ही है। वह मैच जोहानिसबर्ग में 1-1 से ड्रॉ हुआ था। मेक्सिको के मैनेजर के तौर पर अपना तीसरा कार्यकाल संभाल रहे एग्वायरे ने टीम को वर्षों बाद अपना सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल खेलते हुए देखा है और टीम सात मैच के अजेय अभियान के साथ विश्व कप में उतर रही है। मेक्सिको को अपनी पिछली हार नवंबर में पैराग्वे के खिलाफ मिली थी। एग्वायरे ने कहा, यह हमारे लिए एक शानदार दिन हो सकता है। चाहे कुछ भी हो यह एक ऐसा जश्न होगा जो दशकों तक याद रखा जाएगा।एग्वायरे ने 1986 में अपने देश में हुए विश्व कप में मेक्सिको का प्रतिनिधित्व किया था तब टीम ने टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच नहीं खेला था लेकिन क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थी। मेक्सिको 1930, 1950, 1954, 1958 और 1962 विश्व कप में पहले दिन हुए अपने मैच हार गया था और 1970 (अपने देश में) और 2010 में मैच ड्रॉ रहे थे।

विश्व कप से पहले ईरान ने दी चेतावनी, राष्ट्रीय टीम के खिलाफ नारेबाजी होने पर मैच रोकने की धमकी

नई दिल्ली (ए)। ईरान के खेल मंत्री अहमद दुन्यामाली ने चेतावनी दी है कि अगर फीफा विश्व कप मुकाबलों के दौरान स्टेडियम में आधिकारिक रूप से स्वीकृत नहीं किए गए झंडे प्रदर्शित किए गए या राष्ट्रीय टीम के खिलाफ नारेबाजी की गई तो ईरानी टीम मैच रोक सकती है। ईरान ग्रुप-जी में है। इस टीम का पहला मुकाबला 15 जून को लॉस एंजिलिस में न्यूजीलैंड से होगा। 21 जून को उसी जगह पर ईरान की टीम बेल्जियम से भिड़ेगी, जबकि 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ इस टीम का सामना होगा।

ईरान के खेल मंत्री ने किया आगाह- ईरानी मीडिया के अनुसार, दुन्यामाली ने कहा, हमने फीफा को बता दिया है कि जहां ईरान विश्व कप में खेलेगा, अगर उन स्टेडियम में आधिकारिक रूप से स्वीकृत नहीं किए गए झंडे लाए जाते हैं या राष्ट्रीय टीम के खिलाफ नारे लगाए जाते हैं तो टीम मैनेजर निश्चित रूप से मैच रोकने के लिए जिम्मेदार होंगे। मंत्री ने आगे कहा कि ईरानी अधिकारियों को टीम के ग्रुप-स्टेज के आखिरी मैच को लेकर आश्वासन मिला है। उन्होंने कहा, हमें भरोसा दिलाया गया है कि मिस्र के खिलाफ मुकाबले के दौरान स्टेडियम में कोई भी गड़बड़ी वाली घटना नहीं होगी। अप्रैल में वैंकूवर में फीफा कांग्रेस के बाहर प्रदर्शनकारी जमा हुए, जिन्होंने ईरान को विश्व कप से बाहर करने की मांग की थी। उनका तर्क था कि राष्ट्रीय टीम ईरानी लोगों के बजाय इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स का प्रतिनिधित्व करती है। मिस्र के खिलाफ ईरान के मैच ने भी तब ध्यान खींचा जब दोनों देशों के फुटबॉल संघों ने कथित तौर पर फीफा से खेल के दौरान एलजीबीटीक्यू से जुड़ी गतिविधियों को रोकने का आग्रह किया। स्थानीय आयोजकों ने इस मैच को सिएटल के प्राइड वीकेंड समारोह के लिए प्राइड मैच के तौर पर तय किया है।

महासंघ ने टिकट देने से इनकार का किया था दावा- मैदान के बाहर, ईरानी टीम को टूर्नामेंट से पहले कई संगठनात्मक समस्याओं का सामना करना पड़ा है। ईरान के फुटबॉल महासंघ ने बताया कि विश्व कप से कुछ दिन पहले ही उनके टिकट आवंटन को रद्द कर दिया गया था। इससे वे समर्थक, जिन्होंने पहले ही यात्रा की योजना बना ली थी उन्हें मैच देखने का मौका नहीं मिल सकेगा। टीम अभी तिजुआना (मैक्सिको) में ट्रेनिंग कर रही है और जारी भू-राजनीतिक तनाव के कारण यात्रा संबंधी चुनौतियों का भी सामना कर रही है।

सैफी ने भारत ए को एक ही ओवर में दिए दो झटके, बदोनी खाता खोले बिना आउट

दांबुला (ए)। भारत ए और अफगानिस्तान ए के बीच दांबुला में त्रिकोणीय सीरीज का मुकाबला खेला जा रहा है। अफगानिस्तान ए ने इस मैच में टॉस जीतकर भारत ए को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया है। फरमानुल्लाह सैफी ने 38वें ओवर में भारत को लगातार दो झटके दिए। सैफी ने पहले ऋतुराज गायकवाड़ को पवेलियन भेजा और फिर आयुष बदोनी को खाता खोले बिना आउट किया। हालांकि, वह हैट्रिक पूरी नहीं कर सके। फिलहाल क्रीज पर तिलक वर्मा के साथ सूर्यांश शेडगे मौजूद हैं।

बारिश के कारण ओवर में कटौती

बारिश के कारण मैच रोकना पड़ा था, लेकिन कुछ देर बाद मुकाबला दोबारा शुरू हो गया है। बारिश के कारण ओवर में कटौती हुई और अब मैच 49-49 ओवर कराने का फैसला किया गया। इससे पहले, भारत को वैभव सूर्यवंशी और प्रभसिमरन ने अच्छी शुरुआत दिलाई, लेकिन वैभव अर्धशतक पूरा करने से चूक गए। वैभव के आउट होने के बाद प्रियांश आर्या भी पवेलियन लौट गए। इसके बाद प्रभसिमरन ने ऋतुराज गायकवाड़ के साथ मिलकर टीम को संभाला, लेकिन वह शतक पूरा करने से पहले ही अपना विकेट गंवा बैठे।

वैभव-प्रभसिमरन की दमदार बल्लेबाजी

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारत ए को वैभव और प्रभसिमरन ने दमदार शुरुआत दिलाई। वैभव श्रीलंका ए के खिलाफ पिछले मैच में नहीं चले थे, लेकिन अफगानिस्तान के खिलाफ उनका बल्ला जमकर गरजा। वैभव इस मैच में आईपीएल वाली फॉर्म में ही नजर आ रहे थे। लेकिन अब्दुल्लाह अहमदजई ने विकेट के पीछे वैभव को कैच कराकर उनकी पारी का अंत कर दिया। वैभव 22 गेंदों पर नौ चौकों की मदद से 44 रन बनाकर आउट हुए। वैभव और प्रभसिमरन के बीच पहले विकेट के लिए 74 रनों की साझेदारी हुई। इसके बाद अहमदजई ने प्रियांश आर्या को भी अपना शिकार बनाया जो नौ गेंदों पर एक छक्के की मदद से आठ रन बनाकर आउट हुए।

ऋतुराज-प्रभसिमरन की साझेदारी

दो झटके लगने के बाद ऋतुराज और प्रभसिमरन ने मोर्चा संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट के लिए 79 रनों की साझेदारी की जिससे टीम का स्कोर 150 रन के पार पहुंच गया। प्रभसिमरन अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे और शतक लगाने के करीब थे, लेकिन इमरान मीर ने उन्हें विकेट के पीछे कैच कराकर आउट किया। प्रभसिमरन 69 गेंदों पर 14 चौकों की मदद से 84 रन बनाकर आउट हुए।

गायकवाड़ का पचासा

ऋतुराज गायकवाड़ ने इस मैच में शानदार बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक जड़ दिया। ऋतुराज ने 65 गेंदों पर पचासा पूरा किया। उन्होंने तिलक वर्मा के साथ साझेदारी निभाई जिससे टीम का स्कोर 200 रन के पार पहुंच गया।

बेन स्टोक्स और गस एटकिंसन का कटा दूसरे टेस्ट से पत्ता, जो रूट को मिली इंग्लैंड की कमान

नई दिल्ली (ए)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज गस एटकिंसन को न्यूजीलैंड के खिलाफ द ओवल (17 जून) में खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट मैच के लिए टीम से बाहर कर दिया गया है। यह फैसला हाल ही में सामने आए नाइटक्लब विवाद के बाद लिया गया। वहीं, अनुभवी बल्लेबाज जो रूट को दूसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड का अंतरिम कप्तान नियुक्त किया गया है।

नाइटक्लब में हुई कथित झड़प की जांच जारी

रविवार रात लॉर्ड्स में पहले टेस्ट में जीत के बाद इंग्लैंड टीम ने जश्न मनाया। खिलाड़ी पहले ड्रेसिंग रूम में और फिर लंदन के व्हाइट हॉर्स पब पहुंचे, जहां उनकी मुलाकात सारासेन्स रग्बी क्लब के खिलाड़ियों से हुई। रात 11 बजे के बाद कुछ खिलाड़ी चेल्सी स्थित रेक्स रूम्स नाइटक्लब पहुंचे। बताया जा रहा है कि रात करीब एक बजे वहां एक झड़प हुई। यह समय इंग्लैंड टीम के लिए निर्धारित कर्फ्यू से एक घंटा बाद का था। मामले में स्टोक्स, तेज गेंदबाज गस एटकिंसन, ईसीबी सुरक्षा दल के एक सदस्य और सारासेन्स अकादमी खिलाड़ी टोटोआ औवा का नाम सामने आया है। हालांकि रिपोर्ट्स में कहा गया है कि स्टोक्स और एटकिंसन सीधे तौर पर लड़ाई में शामिल नहीं थे। घटना में सुरक्षा दल का एक सदस्य घायल हुआ, लेकिन पुलिस को नहीं बुलाया गया और किसी आपराधिक मामले की संभावना नहीं जताई जा रही है।

जो रूट बने अंतरिम कप्तान

ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार, विवाद के बीच इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने दूसरे टेस्ट के लिए जो रूट को टीम की कमान सौंपने का फैसला किया है। रूट इससे पहले 2017 से 2022 के बीच 64 टेस्ट मैचों में इंग्लैंड की कप्तानी कर चुके हैं और अब एक बार फिर नेतृत्व की जिम्मेदारी संभालेंगे। स्टोक्स फिलहाल टीम प्रोटोकॉल के संभावित उल्लंघन की जांच का सामना कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने अपने भविष्य और मौजूदा स्थिति पर विचार करने के लिए कुछ निजी समय और स्थान की मांग की है।

जांच जारी, एटकिंसन भी टीम से बाहर

ईसीबी, स्वतंत्र क्रिकेट नियामक संस्था और सारासेन्स क्लब अपने-अपने स्तर पर मामले की जांच कर रहे हैं। घटना में सुरक्षा दल का एक सदस्य घायल हुआ था, लेकिन पुलिस को नहीं बुलाया गया और फिलहाल किसी आपराधिक मामले की संभावना नहीं बताई गई है। ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार, स्टोक्स और एटकिंसन दोनों को दूसरे टेस्ट की टीम से बाहर रखा गया है। एटकिंसन की अनुपस्थिति को औपचारिक निलंबन के बजाय खिलाड़ी के मानसिक स्वास्थ्य और जांच प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए उठाया गया कदम माना जा रहा है।

टीम संस्कृति पर फिर उठे सवाल

इंग्लैंड क्रिकेट पिछले कुछ समय से टीम संस्कृति और खिलाड़ियों के व्यवहार को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रहा है। एशेज में निराशाजनक प्रदर्शन के अलावा अनुशासन और शराब सेवन से जुड़े मुद्दे भी चर्चा में रहे हैं।दिलचस्प बात यह है कि पहले टेस्ट से पहले मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने खिलाड़ियों को चेतावनी देते हुए कहा था, %मैंने खिलाड़ियों से कहा था कि आधी रात के बाद कभी कुछ अच्छा नहीं होता। ऐसी कोई हरकत मत करो जो अगले दिन अखबारों की सुर्खियां बन जाए।% अब दूसरे टेस्ट से पहले सामने आए इस विवाद ने इंग्लैंड क्रिकेट की अनुशासन व्यवस्था और टीम संस्कृति को लेकर नई बहस छेड़ दी है। फिलहाल सभी की नजरें ईसीबी की जांच रिपोर्ट और बेन स्टोक्स की अगली भूमिका पर टिकी हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए चुना गया इंग्लैंड का स्क्वॉड

जो रूट (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, सोनी बेकर, शोएब बशीर, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, जॉर्डन कॉक्स, बेन डकेट, मैथ्यू फिशर, एमिलियो गे, जेम्स रियू, ओली रॉबिनसन, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर) और जोश टंग।

हैरी ब्रूक बने नंबर-1 बल्लेबाज, जो रूट तीसरे स्थान पर खिसके, शुभमन गिल शीर्ष-10 में

नई दिल्ली (ए)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा टेस्ट रैंकिंग में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। इंग्लैंड के युवा बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने अपने ही देश के स्टार बल्लेबाज जो रूट को पीछे छोड़ते हुए टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल कर लिया है। वहीं ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि रूट तीसरे नंबर पर खिसक गए हैं।

ब्रूक की शानदार वापसी

हैरी ब्रूक ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में 56 रन की अहम पारी खेलकर इंग्लैंड को कम स्कोर वाले मुकाबले में जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके विपरीत जो रूट दोनों पारियों में केवल 1 और 8 रन ही बना सके। इसी प्रदर्शन का असर ताजा रैंकिंग में देखने को मिला और ब्रूक 2024 के बाद पहली बार फिर से नंबर-1 टेस्ट बल्लेबाज बने।

शुभमन गिल ने लगाई लंबी छलांग

भारत के कप्तान शुभमन गिल ने अफगानिस्तान के खिलाफ शानदार 126 रन की शतकीय पारी खेली। उनकी इस पारी की बदौलत भारत ने पारी और 300 रन से बड़ी जीत दर्ज की। गिल को रैंकिंग में दो स्थान का फायदा हुआ है और अब वह टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

गेंदबाजों की रैंकिंग में गस एटकिंसन टॉप-10 में

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन ने लॉर्ड्स टेस्ट में न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने मैच में कुल सात विकेट लिए, जिसमें दूसरी पारी में पांच विकेट शामिल रहे। इस प्रदर्शन के दम पर एटकिंसन सात स्थान की छलांग लगाकर टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इसके अलावा टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में भी उन्हें फायदा हुआ है। मैच में 18 रन बनाने के बावजूद वह आठवें स्थान से छठे स्थान पर पहुंच गए।

वनडे रैंकिंग में पाकिस्तान के गेंदबाजों का जलवा

वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में पाकिस्तान के स्पिनर अबरार अहमद ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में छह विकेट लेकर दो स्थान की बढ़त हासिल की और दूसरे नंबर पर पहुंच गए। वहीं, तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने तीन मैचों में सात विकेट चटकाए, जिसके चलते वह चार स्थान ऊपर चढ़कर टॉप-10 में नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

नाहिद राणा की बड़ी छलांग

बांग्लादेश के तेज गेंदबाज नाहिद राणा ने मीरपुर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में चार विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया। इसका फायदा उन्हें रैंकिंग में मिला और वह 23 स्थान की बड़ी छलांग लगाकर 24वें नंबर पर पहुंच गए।

वॉर्म-अप मैच में इंग्लैंड से हारा भारत, 166 रनों पर ऑलआउट हुई टीम, ऋचा की मेहनत पर फिरा पानी

कार्डिफ। महिला टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है। 12 जून से शुरू हो रहे इस टूर्नामेंट से पहले वॉर्म-अप मुकाबले खेले जा रहे हैं। बुधवार को इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए मैच में भारतीय महिला टीम को करारी शिकस्त मिली। इंग्लैंड ने उन्हें पांच रन से हरा दिया।

कार्डिफ में खेले गए इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की महिला टीम ने एमी जोन्स और नेट शीवर ब्रंट की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 20 ओवर में छह विकेट पर 171 रन बनाए। जवाब में भारतीय महिला टीम 19.5 ओवर में सिर्फ 166 रन बना सकी। उनके लिए ऋचा घोष ने 68 रनों की पारी खेली।

इंग्लैंड के लिए एमी जोन्स ने 45 गेंदों पर आठ चौकों की मदद से 64 और नट सेवियर ब्रंट ने 45 गेंदों पर 57 रन की पारी खेली। डानी गिब्सन ने 12 गेंदों पर चार चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 30 रन बनाए थे। भारत की तरफ से श्रेयंका पाटिल को दो, जबकि शेफाली वर्मा, रेणुका सिंह, श्री कारणी और राधा यादव को एक-एक विकेट मिला। 172 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही। आठ के स्कोर पर मंधाना के रूप में पहला झटका लगा और इसके बाद विकेट गिरने का सिलसिला लगातार जारी रहा। शेफाली वर्मा (13), यास्तिका भाटिया (15), कप्तान हरमनप्रीत कौर (17) और भारती फूलमाली (18) को शुरुआत मिली, लेकिन सभी अपनी पारी को बड़ी पारी में बदलने में असफल रहीं। छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आईं ऋचा घोष ने 36 गेंदों पर 9 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 68 रन की विस्फोटक पारी खेल टीम को जीत दिलाने की भरसक कोशिश की, लेकिन उनका अकेला प्रयास काफी नहीं रहा। भारतीय टीम 19.5 ओवर में 166 रन पर ऑल आउट हो गई और 5 रन से हार गई। शीर्ष क्रम के किसी भी एक बल्लेबाज का सहयोग मिला होता, तो टीम इंडिया इस मैच में जीत दर्ज कर सकती थी। विश्व कप से पहले भारतीय टीम को अपनी गलतियों पर ध्यान देना होगा। इंग्लैंड के लिए लिंसे स्मिथ ने तीन, चार्ली डीन, कोलमैन और डानी गिब्सन ने दो-जो विकेट लिए। इसके अलावा इजी वॉग को एक विकेट मिला।

96 साल में केवल 15 फुटबॉलर ही कर पाए ये डबल पूरा, मेसी-डि मारिया लिस्ट में, पर रोनाल्डो चूके

नई दिल्ली (ए)। वैश्विक फुटबॉल में क्लब फुटबॉल को सबसे ज्यादा महत्व दिया जाता है, लेकिन अपने देश के लिए फीफा विश्व कप और ओलंपिक जैसे बड़े टूर्नामेंट खेलना हर खिलाड़ी का सपना होता है। इन दोनों प्रतियोगिताओं में सफलता हासिल करना बेहद मुश्किल माना जाता है और विश्व कप ट्रॉफी के साथ ओलंपिक स्वर्ण जीतना तो और भी दुर्लभ उपलब्धि है।

साल 1930 में पहले फीफा विश्व कप का आयोजन हुआ था। तब से अब तक अनुमानित तौर पर 7,016 फुटबॉलर विश्व कप में कम से कम एक मुकाबला खेल चुके हैं। हालांकि, इनमें से सिर्फ 15 खिलाड़ी ही ऐसे रहे हैं, जिन्होंने फीफा विश्व कप जीतने के साथ ओलंपिक में स्वर्ण पदक भी अपने नाम किया है। यह अनोखा रिकॉर्ड सिर्फ तीन देशों के खिलाड़ियों के नाम दर्ज है। इनमें अर्जेंटीना, इटली और उरुग्वे शामिल हैं। इस सूची में सबसे खास नाम लियोनल मेसी और एंजेल डि मारिया का है। दोनों खिलाड़ियों ने अर्जेंटीना को 2022 फीफा विश्व कप जिताया था और इससे पहले 2008 बीजिंग ओलंपिक में स्वर्ण पदक भी जीता था। दूसरे विश्व युद्ध के बाद पिछले 81 साल में यह उपलब्धि हासिल करने वाले यही दो खिलाड़ी हैं।

रोहित-विराट की मौजूदगी में गौतम नहीं बना पा रहे गंभीर योजनाएं

नई दिल्ली (ए)। भारतीय क्रिकेट टीम 2027 वनडे विश्व कप की तैयारियों में जुट गई है, लेकिन मुख्य कोच गौतम गंभीर अपनी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू नहीं कर पा रहे हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) सूत्रों के हवाले से एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कोच गंभीर जिस तरह टेस्ट और टी20 क्रिकेट में अपनी बात रखते हैं, उतनी हनक के साथ वनडे में नहीं। इसका कारण वनडे टीम में दो दिग्गज विराट कोहली और रोहित शर्मा का होना है।

ये दोनों 2027 का विश्व कप खेलना चाहते हैं और भविष्य को लेकर बीसीसीआई के शीर्ष नेतृत्व के सीधे संपर्क में हैं। इस वजह से मुख्य कोच गंभीर, मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर और कप्तान शुभमन गिल टीम गठन को लेकर पशोपेश में हैं। बताते हैं कि जब ये दोनों खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में होते हैं, तब गंभीर अपनी योजनाओं को खिलाड़ियों के बीच ठीक से साझा नहीं कर पाते। कप्तान गिल भी संकोच में रहते हैं।

बार-बार खुद को साबित कर रहे दोनों दिग्गज
विराट-रोहित ने 2024 विश्व कप फाइनल जीतने के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया।
इसके बाद दोनों ने टेस्ट से भी संन्यास ले लिया है।
भारत को 2025 चैंपियंस ट्रॉफी जिताने सहित अन्य वनडे हों या फिर आईपीएल, ये दोनों खिलाड़ी रन बनाकर खुद को साबित करते रहे हैं।
अक्तूबर-नवंबर में जब 2027 का विश्व कप होगा, तब रोहित 40 साल के हो जाएंगे, तो विराट 39 के होंगे जिस तरह दोनों खिलाड़ी खेल रहे हैं, उससे उनके मामले में उम्र ज्यादा आड़े आती नहीं दिख रही है। भारतीय टीम प्रबंधन, खासकर कोच गंभीर इनकी मौजूदगी में अपनी मनमानी नहीं कर पा रहे हैं।

रोहित ने किया नेट पर अभ्यास
पूर्व कप्तान रोहित शर्मा भारत के सफेद गेंद के नेट सत्र में शामिल हुए तथा युवा और उभरते सितारों की मौजूदगी के बावजूद आकर्षण का केंद्र बने रहे। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज होनी है जिसमें रोहित भी खेलेंगे। यशस्वी जायसवाल के अलावा युवा खिलाड़ी गुरनूर बरार, प्रिंस यादव और हर्ष दुबे भी अभ्यास कर रहे थे। लेकिन जब रोहित ट्रेनिंग मैदान पर पहुंचे तो सबकी नजरें उन्हीं पर टिक गईं। रोहित का सत्र बल्लेबाजी नेट्स से दूर शुरू हुआ। उन्होंने स्ट्रेंथ एंव कंडीशनिंग कोच एड्रियन ले रूक्स के साथ कुछ मिनट बातचीत की और फिर आगे पीछे दौड़ने वाली हल्की दौड़ शुरू की। ड्रिल के दौरान ईशान किशन उनके साथ रहे और रोहित ने लगभग पांच सेट पूरे किए।

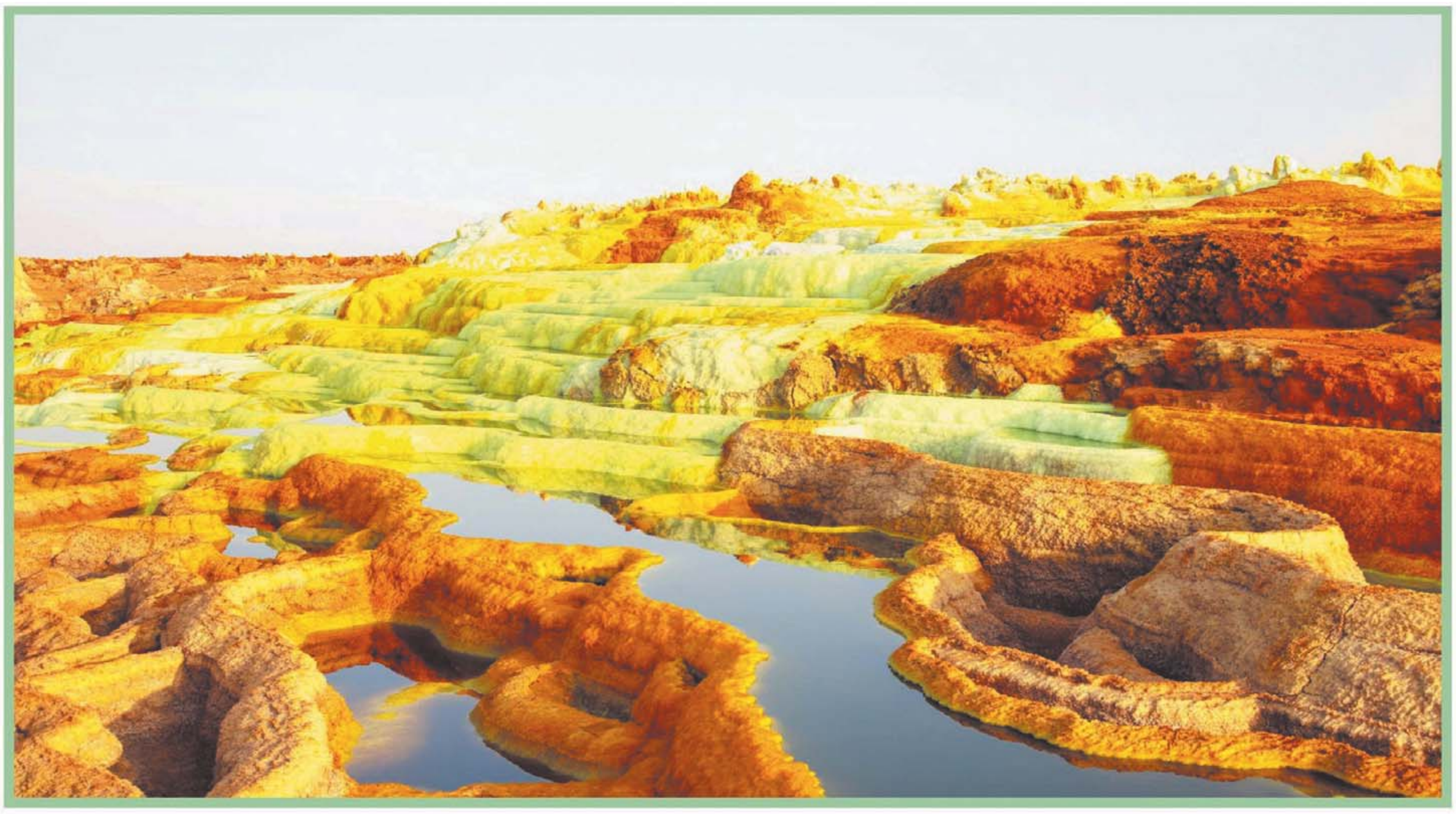

इथियोपिया में जमीन और आसमान से बरसती है आग डानाकिल डिप्रेशन कैसे बना?

इस धरती पर सभी जगहें और उनका तापमान एक जैसा नहीं होता है. हर जगह अलग-अलग मौसम और टेंपरेचर देखने को मिलता है. कहीं बहुत ठंड होती है तो कहीं बहुत गर्मी. ऊंचाई, भूमध्य रेखा से दूरी और समुद्री धाराओं के प्रभाव जैसे कई फैक्टर्स के कारण अलग-अलग जगहों पर तापमान अलग-अलग होता है.

पृथ्वी पर सबसे अजीब जगहों और नरक के प्रवेश द्वार और यहां तक कि मौत की भूमि के रूप में जाना जाने वाला दानाकिल डिप्रेशन इथियोपिया के सबसे लोकप्रिय आकर्षणों में से एक है. गर्म झरने, एसिड पूल, नमक के पहाड़ और भाप से भरी दरारें इसे एक दूसरे ग्रह जैसा बनाती हैं, और यही कारण है कि वैज्ञानिक सौर मंडल के अन्य ग्रहों के बारे में शोध करने के लिए इस स्थान का उपयोग करते हैं.

डानाकिल डिप्रेशन, जिसे अफार त्रिभुज भी कहा जाता है, इथियोपिया में स्थित एक जियोलॉजिकल डिप्रेशन है जो समुद्र तल से लगभग 125 मीटर नीचे है. यह दुनिया के सबसे गर्म और सबसे निचले स्थानों में से एक है, जहां तापमान 50 डिग्री सेल्सियस से भी अधिक हो सकता है. यह क्षेत्र तीन टेक्टोनिक प्लेटों के जंक्शन पर स्थित है, जिसके परिणामस्वरूप ज्वालामुखी गतिविधि और दरार घाटियों का निर्माण होता है.

डानाकिल डिप्रेशन कैसे बना?

दानाकिल इथियोपिया के सुदूर नॉर्थ ईस्ट भाग में स्थित जियोलॉजिकल डिप्रेशन अफार ट्रायंगल का एक हिस्सा है, जहां तीन टेक्टोनिक प्लेटें धीरे-धीरे अलग हो रही हैं. यह क्षेत्र लाल सागर का हिस्सा हुआ करता था. समय बीतने के साथ, ज्वालामुखी विस्फोट के कारण समुद्र भाप में बदल गया और उस स्थान से गायब हो गया.

आज से लगभग 50,000 साल पहले, इथियोपिया लाल सागर और अरब सागर से जुड़ा हुआ था, जिससे विशाल एडियन सागर बना था. लेकिन, जलवायु परिवर्तन और भू-आकृति में बदलाव के कारण, एडियन सागर धीरे-धीरे सिकुड़ गया और अंततः गायब हो गया, जिससे इथियोपिया लैंडलॉक बन गया.

कैसा है यहां का क्लाइमेट

यहां का तापमान बहुत ज्यादा होता है और बारिश बहुत कम होती है. यहां पीले, नारंगी, लाल, नीले और हरे रंग की झीलें देखने को मिलती हैं. इन झीलों में रंग मैग्मा में मौजूद खनिजों और नमक के बीच प्रतिक्रिया से उत्पन्न होते हैं. यानी जब नमक मैग्मा में मौजूद खनिजों के साथ प्रतिक्रिया करता है, तो यह इन खूबसूरत रंगों को जन्म देता है. जैसे ही गर्मी पानी को वाष्पित करती है, जमीन पर रंगीन पपड़ी जैसी परतें विकसित होती हैं, जो रहस्यमय तरीके से डिप्रेशन में ठंडी फिरोजा झीलों के साथ मिल जाती हैं. वहीं, दानाकिल डिप्रेशन इथियोपिया में स्थित एक जगह है जहां सल्फ्यूरिक एसिड से भरी झीलें हैं, जिन्हें एसिड लेक या सल्फ्यूरिक पूल के रूप में जाना जाता है. ये झीलें पृथ्वी पर सबसे गर्म और नमकीन झीलों में से हैं.

अगर आप डानाकिल डिप्रेशन की यात्रा की योजना बना रहे हैं इसे ध्यान में रखें

डानाकिल बहुत गर्म और एसिडिक जगह है, इसलिए अगर आपको वहां कोई गीला तालाब या बुदबुदाता पूल दिखे तो उसमें अपनी उंगली न डुबोएं. इसके साथ ही उस क्षेत्र में चलने के लिए उपयुक्त जूते पहनें, भू-आकृति क्षेत्रों पर सावधानी से चलें, सही रास्ते और कहां कदम रखना है इसका ध्यान रखें, उस जगह पर घूमने के लिए स्थानीय गाइड की मदद लें इस क्षेत्र में घूमने का सबसे अच्छा समय नवंबर से मार्च के बीच है. हालांकि, तब भी तापमान बहुत अधिक और असहनीय होता है. दानाकिल डिप्रेशन के लिए दिन की यात्राएं आमतौर पर विक्रो शहर से सुबह 4 :00 बजे के आसपास शुरू होती हैं. इस जगह पर जाने के लिए हेलीकॉप्टर की सवारी भी उपलब्ध है.

फटी एड़ियों को सॉफ्ट और स्मूद बनाने के आसान घरेलू उपाय

पैरों की देखभाल के लिए हम अक्सर पेडीक्योर करवाते हैं, लेकिन फिर भी बहुत बार पैरों की एड़ियां फट जाती हैं और उनकी त्वचा कठोर हो जाती है। यही नहीं, सर्दी या गर्मी में त्वचा और भी ज्यादा रूखी और ड्राई हो जाती है। इसके बावजूद, सही देखभाल से आप अपनी एड़ियों को सॉफ्ट और मुलायम बना सकती हैं। इसके लिए आपको किसी महंगे ब्यूटी ट्रीटमेंट की जरूरत नहीं है। सिर्फ कुछ घरेलू उपाय अपनाकर आप फटी एड़ियों को फिर से सॉफ्ट और चिकना बना सकती हैं।

फटी एड़ियों को मुलायम बनाने के लिए जरूरी सामग्री

वैसलीन - 1 बड़ा चम्मच

नारियल तेल - ङ्ग छोटा चम्मच

विटामिन श्व कैप्सूल - 2

पिघला हुआ मोम - थोड़ी सी मात्रा

इन सभी चीजों को एक बाउल में सही अनुपात में डालकर अच्छे से मिला लें। आप चाहें तो इन सामग्रियों को माइक्रोवेव में हल्का गर्म कर सकती हैं या फिर डबल बॉयलर का इस्तेमाल कर सकती हैं। ध्यान रखें कि मिश्रण हल्का गुनगुना ही रहे, न बहुत गरम हो।

मुलायम और सॉफ्ट एड़ियां बनाने के लिए तरीका

मिश्रण तैयार करने के बाद, इसे अपनी फटी एड़ियों पर अच्छे से लगाएं। इस मिश्रण को कम से कम 20 मिनट तक एड़ियों पर लगा रहने दें ताकि यह त्वचा में अच्छे से समा जाए।20 मिनट के बाद इसे हल्के हाथों से साफ कर लें।

इस ट्रीटमेंट से मिलने वाले फायदे

यह आपकी एड़ियों को मुलायम, चिकना और शाइनी बनाएगा। स्किन की ड्राईनेस को कम करेगा और त्वचा को नमी देगा। नियमित रूप से इस ट्रीटमेंट के इस्तेमाल से आपके पैरों की त्वचा स्वस्थ और कोमल बनेगी।यह घरेलू उपाय न केवल आपकी एड़ियों को ठीक करता है, बल्कि इससे आपके पैरों की त्वचा को भी कई फायदे होते हैं। तो अगर आप भी फटी एड़ियों से परेशान हैं, तो यह आसान और सस्ते उपाय जरूर आजमाएं और अपने पैरों को दें एक नई जान। अगर आपको यह आर्टिकल पसंद आया हो, तो इसे अपने दोस्तों के साथ जरूर शेयर करें और नीचे दिए गए कमेंट सेक्शन में अपनी राय हमें जरूर बताएं!

शादीशुदा महिलाओं को क्यों पहनने चाहिए चांदी के आभूषण

हिंदू धर्म में आभूषणों को बहुत महत्व दिया जाता है. हिंदू धर्म में विवाहित महिलाओं के लिए सोलह श्रृंगार करना विशेष महत्व रखता है. इन्हीं में से एक है चांदी की पायल, जो आपने ज्यादातर भारतीय महिलाओं के पैरों में देखी होगी. लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि शादी के बाद महिलाएं पैरों में घुंघरू वाली चांदी की पायल क्यों पहनती हैं? शास्त्रों में इन्हें पहनने के पीछे विशेष महत्व और लाभ बताए गए हैं, जो हर कोई नहीं जानता. ऐसे में आइए विस्तार से जानते हैं कि विवाहित महिलाएं पैरों में घुंघरू वाली चांदी की पायल क्यों पहनती हैं और शास्त्रों में इसके क्या लाभ बताए गए हैं...

शास्त्रों में चांदी को धन, समृद्धि और चंद्रमा का प्रतीक माना जाता है. ऐसे में इस धातु को पहनने से हमारे जीवन और घर में इन सभी चीजों पर भी असर पड़ता है. मान्यता है कि विवाहित महिलाओं के लिए घुंघरू वाली चांदी की पायल पहनना बहुत शुभ होता है. इससे घर में हमेशा सुख-समृद्धि बनी रहती है और ससुराल वालों को कभी पैसों की कमी नहीं होती. साथ ही चांदी को शीतलता, शांति और पवित्रता का प्रतीक भी माना जाता है. ऐसे में चांदी की पायल पहनने से शीतलता मिलती है और मन शांत और पवित्र रहता है.

यही कारण है कि वह महिलाएं चांदी की पायल पहनती हैं

ऐसा माना जाता है कि जब विवाहित महिलाएं पैरों में घुंघरू के साथ चांदी की पायल पहनकर घर में घूमती हैं तो बहुत ही मधुर ध्वनि सुनाई देती है. इससे उनके आसपास की नकारात्मक ऊर्जा नष्ट हो जाती है और उसकी जगह घर में सकारात्मकता बनी रहती है. साथ ही पायल की आवाज से परिवार के सदस्यों को मानसिक शांति मिलती है. ऐसा माना जाता है कि जब विवाहित महिलाएं घुंघरू के साथ चांदी की पायल पहनती हैं तो घर में हमेशा खुशियों का माहौल बना रहता है.

इसे विवाहित महिलाओं के सोलह श्रृंगार में से एक माना जाता है और इसे सौभाग्य की निशानी भी माना जाता है. जब महिलाएं चांदी की पायल पहनकर घर में घूमती हैं तो इसकी आवाज से आसपास का माहौल खुशनुमा हो जाता है और शरीर से नकारात्मकता भी दूर रहती है. ऐसा माना जाता है कि चांदी की पायल में लगी घुंघरू मन को एकाग्र रखने में मदद करती हैं और घर में सौभाग्य भी लाती हैं. इसी वजह से विवाहित महिलाओं के लिए चांदी की घुंघरू पहनना बहुत फलदायी माना जाता है.

रिमझिम बारिश में एक्सप्लोर करें महाराष्ट्र का संगमेश्वर

वीकेंड में बनाएं घूमने का प्लान

महाराष्ट्र में जब भी बारिश होती है, तो लोनावला से लेकर माथेरान और महाबलेश्वर जैसी जगहों पर पर्यटकों की भीड़ लगने लगती है। वहीं महाराष्ट्र की फेमस जगहों से दूसर संगमेश्वर एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है।

महाराष्ट्र हमारे देश का एक खूबसूरत और प्रमुख राज्य है। महाराष्ट्र एक ओर से अरब सागर और दूसरी ओर से सतपुड़ा पर्वतमाला से घिरा हुआ है। यह एक ऐसा राज्य है, जो रिमझिम बारिश में पर्यटन हब का सबसे बड़ा केंद्र माना जाता है। महाराष्ट्र में जब भी बारिश होती है, तो लोनावला से लेकर माथेरान और महाबलेश्वर जैसी जगहों पर पर्यटकों की भीड़ लगने लगती है।वहीं महाराष्ट्र की फेमस जगहों से दूसर संगमेश्वर एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। वहीं हल्की रिमझिम बारिश में संगमेश्वर की खूबसूरती किसी हसीन खजाने से कम नहीं लगती है।ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको संगमेश्वर की खासियत के बारे में बताने जा रहे हैं।

महाराष्ट्र में संगमेश्वर

संगमेश्वर की खासियत और खूबसूरती बेहद कमाल की है। यह रत्नागिरी में स्थित एक खूबसूरत और मनमोहक जगह है। संगमेश्वर महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से करीब 284 किमी, पुणे से 247 किमी और कोल्हापुर से करीब 120 किमी दूर है।

क्यों फेमस है संगमेश्वर

महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में स्थित संगमेश्वर भले ही एक छोटा सा शहर है, लेकिन यह जगह अपने धार्मिक, ऐतिहासिक महत्व और खूबसूरत पर्यटन स्थलों के लिए पूरे राज्य में फेमस है। खासकर यह जगह संगमेश्वर मंदिर और संगमेश्वर शहर के लिए फेमस है। जोकि भगवान शिव को समर्पित है।

संगमेश्वर महाराष्ट्र का एक ऐसा शहर है, जो शास्त्री नदी और सोनावी नदी के संगम पर स्थित है।इसके चलते यहां पर रिमझिम बारिश में राज्य के हर कोने से लोग घूमने के लिए आते हैं। इस स्थान को रत्नागिरी का छिपा हुआ खजाना भी माना जाता है। वहीं गमेश्वर वहीं स्थान है, जहां पर औरगंजेब ने छत्रपति शिवाजी महाराज के बेटे छत्रपति संभाजी महाराज को बंदी बनाया था।

पर्यटकों के लिए क्यों खास है ये जगह

संगमेश्वर का इतिहास प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग माना जाता है। रिमझिम बारिश में स्थित वॉटरफॉल से लेकर घास के मैदान और नदियों की खूबसूरती इस जगह को बेहद खूबसूरत बनाने का काम करती है। संगमेश्वर की हरियाली देखते ही बनती है।

संगमेश्वर अपने शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है।शहर की भाग-दौड़ भरी जिंदगी से दूर संगमेश्वर में आप सुकून के कई पल बिताने के लिए पहुंचते हैं।संगमेश्वर अपनी खूबसूरती के साथ ही एडवेंचर एक्टिविटी के लिए भी जाना जाता है। कई लोग मानसून में यहां पर सिर्फ ट्रेकिंग का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं।

संगमेश्वर मंदिर

संगमेश्वर के सबसे प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों में संगमेश्वर मंदिर काफी फेमस है। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। पहाड़ी की चोटी पर स्थित होने के कारण पर्यटक यहां घूमने के लिए पहुंचते रहते हैं। मंदिर के आसपास से बेहद खूबसूरत नजारा देखने को मिलता है। कर्णेश्वर मंदिर को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं और यह मंदिर भी भगवान शिव को समर्पित है।

मार्लेश्वर वॉटरफॉल

संगमेश्वर के पहाड़ों में स्थित मार्लेश्वर एक फेमस और खूबसूरत वॉटरफॉल है। मानसून में यहां सिर्फ स्थानीय पर्यटक नहीं बल्कि अन्य कई शहरों से पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। यह वॉटरफॉल प्रकृति प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र है। यहां के आसपास की हरियाली पर्यटकों को खूब आकर्षित करती है। इसके साथ ही आप छत्रपति संभाजी महाराज की समाधि को एक्सप्लोर करना न भूलें।

संयुक्ता हेगड़े के इस अंदाज को देखकर विक्रम हुए खुश, सीधे दे दी ये फिल्म

अभिनेत्री संयुक्ता हेगड़े अब तमिल फिल्म चियान 63 का हिस्सा बन गई हैं। इस फिल्म में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता विक्रम मुख्य भूमिका में हैं और इसका निर्देशन आनंद शंकर कर रहे हैं।

दिलचस्प बात यह है कि संयुक्ता को यह किरदार निर्माताओं ने तब दिया, जब उन्होंने उन्हें साड़ी पहनकर पुश-अप्स करते देखा। इस फिल्म के जरिए रिया शिबू भी तमिल इंडस्ट्री में कदम रख रही हैं। संयुक्ता ने विक्रम की तारीफ करते हुए कहा कि वह बेहद विनम्र स्वभाव के हैं। उन्होंने बताया कि विक्रम अपनी शूटिंग न होने पर भी अक्सर सेट पर आते थे।

संयुक्ता के मुताबिक, पर्दे पर उनका किरदार उनकी असल जिंदगी से काफी अलग है। उन्होंने तमिल फिल्म इंडस्ट्री को उनके भरपूर समर्थन के लिए धन्यवाद भी दिया।

इस फिल्म की शूटिंग 7 जून, 2026 को शुरू हो चुकी है। यह फिल्म विक्रम की पिछले साल आई वीरा धीरा सूरण- पार्ट 2 के बाद बड़े पर्दे पर उनकी वापसी है।

सूर्या की फिल्म करुप्पू की ओटीटी रिलीज का ऐलान, 12 जून को अमेजन प्राइम वीडियो पर होगा प्रीमियर

साउथ अभिनेता सूर्या और तृषा कृष्णन की फिल्म करुप्पू 15 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह तमिल भाषा की फैंटेसी-एक्शन और कोर्टरूम ड्रामा है, जिसकी कमाई सिनेमाघरों में अभी भी जारी है। फिल्म अब तक 190 करोड़ रुपये से ज्यादा कारोबार करते हुए खुद को ब्लॉकबस्टर फिल्मों की सूची में शामिल कर चुकी है और अब डिजिटल प्रीमियर के लिए तैयार है। निर्माताओं ने करुप्पू की ओटीटी रिलीज तारीख का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। प्राइम वीडियो ने खुद अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इसकी जानकारी दी है। यह फिल्म 12 जून को रिलीज होगी।

आरजे बालाजी द्वारा निर्देशित फिल्म करुप्पू अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक देगी। निर्माताओं ने एक पोस्ट में बताया है कि फिल्म 12 जून को तमिल, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज होगी। फैंस भी बेहद उत्साहित हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि फिल्म बिना किसी कांट-छांट के ओटीटी पर रिलीज होगी। करुप्पू दुनियाभर में 300 करोड़ रुपये से ज्यादा कमा चुकी है। यह सूर्या के करियर की अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तमिल फिल्म है।

सूर्या के साथ इस फिल्म में तृषा कृष्णन, अनघा रवि, इंद्रांस और मंसूर अली खान जैसे कलाकार भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। साईं अभ्यंकर का संगीत इस फिल्म की जान है। ऐसे में दर्शकों को फिल्म में शानदार गानों के साथ भरपूर एक्शन भी देखने को मिलेगा।

कैटरीना कैफ फिल्मों में वापसी के लिए कस रहीं कमर, स्क्रिप्ट की तलाश में जुटीं

अभिनेत्री कैटरीना कैफ को आखिरी बार फिल्म मेरी क्रिसमस (2024) में देखा गया था। नवंबर, 2025 में उन्होंने अपने पति विक्की कौशल के साथ बेटे विहान का स्वागत किया, जिसके बाद से अभिनेत्री अभिनय की दुनिया से दूर हैं। हालिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि कैटरीना अब कामकाजी दुनिया में अपनी वापसी की तैयारी कर रही हैं। इस सिलसिले में उन्होंने कुछ नई फिल्मों और स्क्रिप्ट को पढ़ना शुरू कर दिया है।

रिपोर्ट के अनुसार, कैटरीना ने ओटीटी परियोजनाओं के लिए नई कहानियों को पढ़ना शुरू कर दिया है। इस घटनाक्रम से जुड़े एक सूत्र ने कहा, हाल ही में मां बनने के बाद कैटरीना कैफ ने स्क्रिप्ट पढ़ना फिर से शुरू कर दिया है। 2027 के उत्तरार्ध तक किसी फिल्म सेट पर वापसी करने की योजना बना रही हैं और एक ऐसी सही पटकथा की तलाश में सक्रिय रूप से जुटी हैं जो उनके समय के लायक हो।

रिपोर्ट के अनुसार, कैटरीना किसी भी परियोजना में जल्दबाजी नहीं करना चाहतीं और स्क्रिप्ट को ध्यान से पढ़ रही हैं। अगर सबकुछ ठीक रहा, तो उन्हें ओटीटी पर डेब्यू करते हुए देखा जा सकेगा। जाहिर है कि आजकल शाहिद कपूर, मनोज बाजपेयी और सोनाक्षी सिन्हा समेत कई सितारे डिजिटल प्लेटफॉर्म की ओर रुख कर रहे हैं। कैटरीना भी ओटीटी पर आने की योजना बन रही हैं। अब देखना होगा कि अभिनेत्री की नई परियोजना का ऐलान कब तक होगा।

'अल्फा' का टीजर हुआ रिलीज, आलिया भट्ट का दिखा दमदार एक्शन अवतार; बॉबी देओल ने दिया खतरनाक ट्विस्ट

यश राज फिल्म्स ने आखिरकार अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म अल्फा का टीजर जारी कर दिया है, जो वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की अगली किस्त है. शिव रावेल द्वारा निर्देशित और आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित इस एक्शन थ्रिलर में आलिया भट्ट और शरवरी लीड रोल में हैं. साथ ही बॉबी देओल और अनिल कपूर भी अहम किरदारों में नजर आने वाले हैं. यह फिल्म 3 जुलाई, 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी और स्पाई फ्रैंचाइजी की पहली फीमेल लीड स्पाई फिल्म है.

टीजर दर्शकों को वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स के एक गहरे और अधिक भावनात्मक पहलू से जोड़ रहा है. किसी स्थापित जासूस पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, अल्फा एक ऐसी युवती की कहानी बयां करती है, जिसे बचपन से ही एक उच्च कुशल जासूस बनने के लिए ट्रेन किया जाता है.

लगभग दो मिनट के इस टीजर की शुरुआत एक इमोशनल पिता-बेटी के पल से होती है. बॉबी देओल का किरदार आलिया का 18वां जन्मदिन मनाता है और उसे एक चाबी देता है, जो एक खास तोहफा लगता है. हालांकि, माहौल तुरंत बदल जाता है जब वह बताता है कि इस चाबी से आलिया का पहला मिशन खुलता है. आलिया का किरदार निराश हो जाता है, क्योंकि उसे जन्मदिन के खाने की उम्मीद थी, लेकिन उसके पिता उसे याद दिलाते हैं कि यही वह जीवन है जिसके लिए वह बचपन से तैयारी कर रही थी.

अजय देवगन ने दिखाई धमाल 4 की पहली झलक, फिल्म से मजेदार पोस्टर हुए जारी

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन ने अपनी आगामी कॉमेडी फिल्म धमाल 4 का पहला कैरेक्टर पोस्टर सोशल मीडिया पर शेयर किया है। पोस्टर को देखकर साफ है कि फिल्म में पहले की तरह ही जबरदस्त कॉमेडी, हंगामा और रोमांच देखने को मिलेगा।

धमाल 4 का निर्देशन एक बार फिर इंद्र कुमार करेंगे। पोस्टर शेयर करते हुए अजय देवगन ने लिखा, इन दोनों का एक ही लक्ष्य है, सोना हासिल करना। इन पोस्टर में रितेश देशमुख, अरशद वारसी, संजय मिश्रा और जावेद जाफरी की झलक दिखाई गई है।

रिपोट्र्स के अनुसार, यह फिल्म पहले 17 जुलाई को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसे एक हफ्ते पहले 10 जुलाई को रिलीज किया जा सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि 10 जुलाई का स्लॉट खाली है। हालांकि, मेकर्स की तरफ से इस नई तारीख की आधिकारिक घोषणा होना अभी बाकी है।

धमाल 4 का निर्देशन एक बार फिर इंद्र कुमार कर रहे हैं, जिन्होंने धमाल सीरीज की पिछली सभी फिल्में बनाई हैं। इस फिल्म को टी-सीरीज और देवगन फिल्म्स मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। इस फिल्म में अजय देवगन के अलावा रितेश देशमुख, अरशद वारसी, संजय मिश्रा और जावेद जाफरी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

इस बार फिल्म धमाल 4 में संजीदा शेख, अंजली आनंद, उपेंद्र लिमये, विजय पाटकर और रवि किशन जैसे कलाकार भी हंसी का तड़का लगाते हुए नजर आएंगे। इन पोस्टर्स के सामने आने के बाद से फैंस के बीच धमाल 4 को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है।

आयरन तवे का इस्तेमाल करते समय न करें ये गलतियां, बिगड़ सकता है खाने का स्वाद

आयरन तवा एक खास रसोई का सामान है, जिसका सही इस्तेमाल करना जरूरी है। अक्सर लोग इसे इस्तेमाल करते समय कुछ छोटी-छोटी गलतियां कर देते हैं, जो उनके खाने के स्वाद और सेहत पर असर डाल सकती हैं। इस लेख में हम ऐसी ही कुछ सामान्य गलतियों पर चर्चा करेंगे, जिन्हें सुधारकर आप अपने खाने का अनुभव बेहतर बना सकते हैं और अपने परिवार को स्वस्थ रख सकते हैं।

गर्म तवे पर सीधे तेल न डालें

आयरन तवे पर सीधे तेल डालना एक आम गलती है, जिसे कई लोग अनजाने में करते हैं। इससे तवे पर खाना बनाते समय तेल जल्दी जल जाता है और खाने का स्वाद बिगड़ जाता है। इसके बजाय पहले तवे को अच्छी तरह गर्म करें और फिर उसमें थोड़ा-सा तेल डालें। इससे खाना अच्छे से पकेगा और उसका स्वाद भी बेहतरीन रहेगा। इस तरीके से आप अपने खाने का अनुभव सुधार सकते हैं।

डिटर्जेंट का उपयोग न करें

आयरन तवे की सफाई करते समय डिटर्जेंट का उपयोग करना ठीक नहीं है क्योंकि इससे तवे की सतह खराब हो सकती है और खाने का स्वाद भी बिगड़ सकता है। तवे को साफ करने के लिए हमेशा गर्म पानी और हल्के साबुन का इस्तेमाल करें। अगर तवे पर जिद्दी दाग लगे हों तो उसे नरम कपड़े से रगड़ें और सूखे कपड़े से पोंछ दें। इससे तवे की सतह सुरक्षित रहती है और खाने का स्वाद भी बेहतरीन बना रहता है।

तुरंत पानी डालने से बचें

कुछ लोग तवे पर खाना बनाने के बाद तुरंत उसे ठंडा करने के लिए उस पर पानी डाल देते हैं, जो कि सही नहीं है। ऐसा करने से तवे जल्दी खराब हो सकता है और उसमें जंग लग सकता है। सही तरीका यह है कि तवे को पहले हल्का ठंडा होने दें और फिर उसे साफ करें। इस तरीके से तवे की उम्र बढ़ती है और आपके खाने का अनुभव बेहतर बना रहता है।

तेज आंच पर न पकाएं

आयरन तवे पर खाना बनाते समय तेज आंच का इस्तेमाल करने से बचें क्योंकि इससे खाना जल सकता है और उसका स्वाद बिगड़ जाता है। हमेशा मध्यम आंच पर ही खाना पकाएं ताकि वह अच्छे से पके और स्वादिष्ट बने। इससे न केवल आपका खाना स्वादिष्ट बनेगा, बल्कि तवे की उम्र भी बढ़ेगी और उसमें जंग लगने की संभावना कम होगी। इस तरीके से आप अपने खाने का अनुभव बेहतर बना सकते हैं।

धातु की चम्मच का उपयोग न करें

आयरन तवे पर खाना बनाते समय धातु की चम्मच का उपयोग करना ठीक नहीं है क्योंकि इससे तवे पर खरोंचें पड़ सकती हैं और उसकी सतह खराब हो सकती है। इसके बजाय लकड़ी या सिलिकॉन की चम्मच का इस्तेमाल करें, जो तवे को सुरक्षित रखेंगी। इन सरल सुझावों को अपनाकर आप अपने आयरन तवे का सही तरीके से इस्तेमाल कर सकते हैं और अपने खाने के अनुभव को बेहतर बना सकते हैं।

गर्भावस्था के दौरान योग अपनाने से मिल सकते हैं ये 5 फायदे

गर्भावस्था के दौरान योग करना एक सुरक्षित और लाभकारी विकल्प हो सकता है। यह न केवल मां के लिए बल्कि गर्भ में पल रहे शिशु के लिए भी फायदेमंद है। योग से मां को शारीरिक और मानसिक आराम मिलता है और शिशु का विकास भी सही तरीके से होता है। इस लेख में हम आपको गर्भावस्था के दौरान योग करने के 5 मुख्य फायदे बताएंगे, जिनसे आपकी गर्भावस्था का अनुभव सुखद हो सकता है।

बढ़ सकती है शारीरिक सक्रियता

गर्भावस्था के दौरान योग करने से मां की शारीरिक सक्रियता बढ़ती है। यह न केवल वजन नियंत्रित रखने में मदद करता है, बल्कि शरीर में लचीलापन भी लाता है। नियमित योग करने से पीठ दर्द, पैरों में सूजन और अन्य शारीरिक समस्याओं से राहत मिलती है। इसके अलावा योग से मां के शरीर की मांसपेशियों को मजबूती मिलती है, जिससे बच्चे के जन्म के समय सहूलियत होती है।

मिल सकती है मानसिक शांति

गर्भावस्था के दौरान मानसिक तनाव सामान्य है, लेकिन योग करने से मानसिक शांति मिलती है। योगाभ्यास जैसे सांस लेने के अभ्यास और ध्यान करने से मन शांत होता है और चिंता कम होती है।

इससे मां को बेहतर नींद भी मिलती है, जो उसके स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। नियमित ध्यान और सांस के अभ्यास से मानसिक स्थिरता बढ़ती है और सकारात्मक सोच विकसित होती है, जिससे गर्भावस्था का अनुभव सुखद हो सकता है।

सांस लेने की तकनीक में हो सकता है सुधार

योग करने से सांस लेने की तकनीक में सुधार होता है। गर्भवती महिलाओं के लिए सही तरीके से सांस लेना बहुत जरूरी है क्योंकि इससे ऑक्सीजन की आपूर्ति बेहतर होती है और थकान कम होती है। सांस के अभ्यास जैसे अनुलोम-विलोम आदि से फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है और ऊर्जा स्तर में सुधार होता है। सही तरीके से सांस लेने से मां और शिशु दोनों को अधिक ऑक्सीजन मिलती है, जिससे उनका स्वास्थ्य बेहतर रहता है।

पाचन में हो सकता है सुधार

गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को अक्सर पाचन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है जैसे कब्ज, गैस आदि। योग करने से पाचन में सुधार होता है और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत मिलती है। हल्के-फुल्के योगासन जैसे वृक्षासन, ताड़ासन आदि पाचन के लिए फायदेमंद होते हैं। इनसे पेट की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और रक्त का बहाव बेहतर होता है। इसके अलावा योग से पेट की चर्बी भी कम होती है, जिससे पाचन और भी मजबूत होता है।

प्रसव पूर्व तैयारी होती है बेहतर

योग करने से प्रसव पूर्व तैयारी बेहतर होती है। इससे मां की मानसिक स्थिति मजबूत होती है और वह बच्चे के जन्म के समय अधिक तैयार महसूस करती है। योगाभ्यास से मां के शरीर की सहनशक्ति बढ़ती है, जिससे बच्चे का जन्म आसान होता है। इसके अलावा योग से मां का आत्मविश्वास भी बढ़ता है, जिससे वह प्रसव के दौरान कम डरती है और अधिक सकारात्मक महसूस करती है।

संक्षिप्त समाचार

रायपुर में भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों का मूल्यांकन विषय पर हुई बैठक

रायपुर। राज्य सभा सांसद एवं वाणिज्य संबंधी संसदीय स्थायी समिति की अध्यक्ष डोला सेन की अध्यक्षता में आज रायपुर के एक निजी होटल में समिति की बैठक आयोजित की जा रही है। यह बैठक 10 से 12 जून 2026 तक अहमदाबाद, रायपुर और भुवनेश्वर के अध्ययन दौरा कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित की जा रही है। बैठक में भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों का मूल्यांकन विषय पर विस्तृत चर्चा की जा रही है। समिति के सदस्यों द्वारा व्यापार, निवेश, निर्यात-आयात तथा दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की जा रही है ।अध्ययन दौरे का उद्देश्य संबंधित हितधारकों एवं अधिकारियों से जानकारी प्राप्त कर विषय पर व्यापक रिपोर्ट तैयार करना है।

अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम में महकेगी राजनांदगांव की महक

रायपुर। श्रीलंका दौरे पर जाने वाली अंडर-19 भारतीय महिला क्रिकेट टीम में छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले की महक नरवासे का चयन किया गया है। यह टीम श्रीलंका में टी-20 मुकाबला खेलेगी। महक को टीम का उपकप्तान भी बनाया गया है।

उल्लेखनीय है कि राजनांदगांव शहर से आने वाली महक अंडर-19 तथा सीनियर टीम का भी हिस्सा रही है। वर्तमान समय में महक बैंगलुरु के राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है। टी-20 सीरीज के लिए अंडर-19 महिला भारतीय क्रिकेट टीम का श्रीलंका दौरा 22 जून से प्रारंभ हो रहा है। यह जानकारी छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के द्वारा दी गई।

कोनी-मोपका बायपास के लिए निविदा को मंजूरी

रायपुर। राज्य शासन ने बिलासपुर में कोनी (सेंदरी)-मोपका बायपास सड़क के लिए 75 करोड़ 73 लाख रुपए की निविदा को मंजूरी दे दी है। इस राशि से 13.40 किलोमीटर फोरलेन सीमेंट क्रांकीट सड़क का निर्माण किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव ने लोक निर्माण विभाग के बिलासपुर संभाग क्रमांक-1 के कार्यपालन अभियंता को अनुबंधित समयावधि में काम पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देते हुए मापदंडों के अनुरूप सड़क का निर्माण सुनिश्चित करने को कहा है। लोक निर्माण विभाग ने कार्यपालन अभियंता को अनुबंधित कार्य का संपादन और पर्यवेक्षण विभागीय मापदंडों के अनुसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। यह कार्य किसी अन्य को सब-लेट नहीं किया जाएगा तथा कार्य संपादन के लिए पावर-ऑफ-अटॉर्नी मान्य नहीं होगी।

खेत बचाओ अभियान' में जुटे 300 किसान

रासायनिक खेती छोड़ जैविक खेती अपनाएं, यही भविष्य की खेती : स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल

जैविक खेती को लेकर जागरूकता सम्मेलन आयोजित

रायपुर। जैविक खेती मिशन योजना के अंतर्गत खेत बचाओ अभियान के तहत मनेंद्रगढ़ ने एक दिवसीय जिला स्तरीय जागरूकता एवं कृषक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में जिले भर से लगभग 300 किसानों ने भाग लेकर जैविक एवं प्राकृतिक खेती, उन्नत कृषि तकनीकों तथा मृदा संरक्षण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। कार्यक्रम में कृषि विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों, जनप्रतिनिधियों एवं कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों को खेती की बदलती चुनौतियों और उनके समाधान से अवगत कराया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल थे। उन्होंने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में अंधाधुंध रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग से मिट्टी की उर्वरा शक्ति लगातार कम हो रही है, जिसका असर फसलों की गुणवत्ता के साथ-साथ लोगों के स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे रासायनिक खेती पर निर्भरता कम करते हुए जैविक और प्राकृतिक खेती की ओर अग्रसर हों। उन्होंने कहा कि जैविक खेती केवल खेती की पद्धति नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और किसानों की आर्थिक समृद्धि का आधार है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में किसानों को आत्मनिर्भर बनाने तथा टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने किसानों से इन योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के साथ खेती करने का आग्रह किया।

उद्यानिकी महाविद्यालय चिरमिरी से आए वैज्ञानिक सुजीत कुमार राय एवं शुभम कुमार ठाकुर ने किसानों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक कृषि तकनीकों, उन्नत फसल प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण तथा उत्पादन बढ़ाने के प्रभावी उपायों की जानकारी प्रदान की। उन्होंने किसानों को बदलते मौसम और जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप कृषि पद्धतियां अपनाने की सलाह दी।

कृषक सम्मेलन का उद्देश्य किसानों को रासायनिक खेती के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए जैविक एवं प्राकृतिक खेती की ओर प्रेरित करना तथा कृषि को अधिक लाभकारी, टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल बनाना रहा। कार्यक्रम में किसानों ने जैविक खेती को अपनाने और स्वस्थ मिट्टी, स्वस्थ फसल तथा स्वस्थ समाज के निर्माण में अपनी सहभागिता निभाने का संकल्प लिया।

छत्तीसगढ़ को 2047 तक विकसित राज्यों की अग्रिम पंक्ति में लाना हमारा लक्ष्य: मिश्रा

लोकमाया न्यूज।

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष श्री गणेश शंकर मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ''अंजोर विजन-2047'' के माध्यम से छत्तीसगढ़ को विकसित राज्यों की अग्रिम पंक्ति में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण केवल योजनाओं के निर्माण से नहीं, बल्कि विभागों के बीच बेहतर समन्वय, सटीक आंकड़ों पर आधारित नीति निर्माण और परिणामोन्मुखी कार्यसंस्कृति से संभव होगा।

नवा रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ राज्य नीति आयोग में आयोजित स्टेट सपोर्ट मिशन , प्रोजेक्ट इम्प्लीमेंटेशन यूनिटएवं मॉनिटरिंग एंड इवैल्यूएशन यूनिट्स के इंडक्शन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री मिश्रा ने कहा कि राज्य नीति आयोग द्वारा तैयार ''अंजोर विजन-2047'' राज्य के दीर्घकालिक विकास का व्यापक रोडमैप है, जिसमें आर्थिक विकास, सुशासन, सामाजिक प्रगति, निवेश संवर्धन और मानव विकास से जुड़े स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि सतत विकास लक्ष्य और अंजोर विजन-2047 एक-दूसरे के पूरक हैं तथा दोनों का मूल उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है। वर्ष 2047 तक विकसित राज्य बनने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी विभागों को अपनी योजनाओं और कार्यक्रमों को इन लक्ष्यों के अनुरूप क्रियान्वित करना होगा। इस दिशा में राज्य नीति आयोग के अंतर्गत गठित SSM, PIU एवं M&E इकाइयां महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

श्री मिश्रा ने कहा कि छत्तीसगढ़ ने नीति आयोग के स्ठत्र इंडिया इंडेक्स 2023-24 में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। अब राज्य का लक्ष्य केवल सूचकांकों में सुधार तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक के जीवन स्तर में सकारात्मक और स्थायी परिवर्तन लाना है। उन्होंने कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्योग, महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में निर्धारित लक्ष्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि कृषि उत्पादकता, औद्योगिक विकास, महिला श्रम भागीदारी, डिजिटल अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी बनाना हमारी प्राथमिकता है।उन्होंने कहा कि राज्य नीति आयोग के साथ कार्य कर रही विशेषज्ञ टीमों को विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर आधारित समीक्षा, नीति विश्लेषण, निगरानी एवं मूल्यांकन तथा साक्ष्य आधारित सुझावों के माध्यम से विकास की गति को और तेज करना होगा।

शिक्षा विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन, स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रशासनिक कसावट और शैक्षणिक व्यवस्थाओं को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से राज्यभर में व्यापक प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 28 अधिकारियों के स्थानांतरण आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार जिला शिक्षा अधिकारियों, विकासखंड शिक्षा अधिकारियों, सहायक संचालकों एवं प्राचार्यों को विभिन्न जिलों और कार्यालयों में नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। यह आदेश तत्काल प्रभाव से आगामी आदेश तक लागू रहेगा। अवर सचिव छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी स्थानांतरण सूची के अनुसार महासमुंद, रायपुर, बिलासपुर, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, कोरिया, बलौदाबाजार-भाटापारा, रायगढ़, गरियाबंद, धमतरी, बेमेतरा, बीजापुर, नारायणपुर और बालोद सहित अनेक जिलों में प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारियों की नई पदस्थापनाएं की गई हैं। वहीं लोक शिक्षण संचालनालय, संयुक्त संचालक कार्यालयों तथा अन्य प्रशासनिक इकाइयों में भी अधिकारियों की नई तैनाती की गई है। जारी आदेश के अनुसार प्रभारी उप संचालक लोक शिक्षण संचालनालय बी.एल. देवांगन को प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी महासमुंद बनाया गया है। प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी रायपुर हिमांशु भारतीय को प्रभारी उप संचालक लोक शिक्षण संचालनालय में पदस्थ किया गया है। सहायक संचालक एम.जी. सतीश कुमार को प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी रायपुर तथा प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी बिलासपुर श्री विजय कुमार ताण्डे के स्थान पर श्री रमेश्वर जायसवाल को प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी बिलासपुर की जिम्मेदारी दी गई है।

जया ऑटोमोबाइल की बिल्डिंग में लगी भीषण आग, जेसीबी से तोड़ा गया दुकान का हिस्सा

लोकमाया न्यूज।

रायपुर। राजधानी रायपुर के एमजी रोड स्थित जया ऑटोमोबाइल की बिल्डिंग में गुरुवार सुबह भीषण आग लग गई। सुबह 10 बजे से लगी आग पर अब तक काबू नहीं पाया जा सका है। आग बिल्डिंग की दूसरी और तीसरी मंजिल तक पहुंच चुकी है। आग पर पूरी तरह से काबू नहीं पाए जाने के बाद जेसीबी बुलायी गई है। दुकान के सामने के हिस्से को तोड़ा जा रहा है जिससे फायर कर्मी अंदर जाने की कोशिश करेंगे। घटना मौदहापारा थाना क्षेत्र की है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह दुकान खुलने के कुछ ही समय बाद अंदर से धुआं निकलता दिखाई दिया था। देखते ही देखते आग फैलते चली गई। बताया जा रहा एमसीबी उठाने के बाद शॉर्ट सर्किट हुआ था।

शोरूम के अंदर बड़ी मात्रा में गाडियों के स्पेयर पार्ट्स, टायर, ट्यूब, प्लास्टिक का सामान और लुब्रिकेंट्स (ज्वलनशील तेल) रखे हुए थे, जिससे आग फैली है। आग पर काबू पाने अब तक फायर ब्रिगेड की 6 गाडियों की मदद ली गई है। जेसीबी से दीवार तोड़कर टीम अंदर घुसी है। फिलहाल आग पर पूरी तरह से काबू नहीं पाया जा सका है।

फाइलों के चक्रव्यूह से आज़ाद हुई खेती किसानी

लोकमाया न्यूज।

रायपुर। जब सरकार खुद चलकर किसान के दरवाजे तक पहुंच जाए, तो खेती का हर संकट समाधान में बदल जाता है। कुछ ऐसा ही नजारा छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में देखने को मिल रहा है, जहां श्सुशासन तिहारश् महज एक आयोजन नहीं, बल्कि अन्नदाताओं के लिए समृद्धि और राहत का नया माध्यम बनकर उभरा है। ?इस सुशासन तिहार ने नारायणपुर के सुदूर ग्राम नाऊमुजमेटा के रहने वाले किसान रमेश कुमार ठाकुर की चिंता को चंद मिनटों में दूर कर, सूबे में प्रशासनिक मुस्तैदी की एक नई इबारत लिख दी है।

खरीफ सीजन सिर पर है। हर किसान की तरह रमेश कुमार ठाकुर के सामने भी सबसे बड़ी चुनौती समय पर अच्छी गुणवत्ता के खाद और बीज जुटाने की थी। अमूमन इस काम के लिए किसानों को सोसायटियों और सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते थे, जिससे उनका समय और पैसा दोनों बर्बाद होता था। ?लेकिन इस बार नारायणपुर में आयोजित समाधान शिविर ने तस्वीर बदल दी। रमेश ने अपनी समस्या को सुशासन तिहार के मंच पर रखा। कोई लंबी तारीख नहीं, कोई कागजी लेटलतीफी नहीं। जिला प्रशासन ने संवेदनशीलता और तत्परता दिखाते हुए शिविर स्थल पर ही मौके पर रमेश को कृषि कार्य के लिए आवश्यक खाद और बीज सौंप दिया। श्री रमेश कुमार ठाकुर ने कहा कि ?पहले हमें खाद-बीज के लिए न जाने कितने चक्कर लगाने पड़ते थे।

इंदिरा भवन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षों की हुई बैठक

लोकमाया न्यूज।

रायपुर/दिल्ली। इंदिरा भवन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षों की महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक के बारे में भूपेश बघेल ने बताया, आज इंदिरा भवन, नई दिल्ली में माननीय कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जी, नेता विपक्ष राहुल गांधी गांधी , संगठन महासचिव के. सी वेणुगोपाल , कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी की उपस्थिति में आयोजित कांग्रेस महासचिवों, प्रभारियों और प्रदेश अध्यक्षों की महत्वपूर्ण बैठक में उपस्थित हुआ। देश आज महंगाई, बेरोजगारी, पेपर लीक, घोटाले और सामाजिक असमानता जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है. हम सब सड़क से लेकर सदन तक हर अन्याय के ख़िलाफ़ खड़े हैं.हमारे युवा साथी छात्रों की लड़ाई सड़क पर पूरे जोश के साथ लड़ रहे हैं. युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होने देंगे।

कांग्रेस नेत्री ने कहा, मीनाक्षी नटराजन का राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन रद्द किया जाना एक असंवैधानिक कदम है। हम पहले से कहते आए हैं और यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि भाजपा का न लोकतंत्र में विश्वास है और न ही संविधान में। इलेक्शन कमीशन के रवैये को लेकर भी हम लगातार सवाल उठाते रहे हैं। देश ने भी बार-बार देखा है कि उसका रवैया निष्पक्ष, स्वतंत्र और पारदर्शी नज़र नहीं आता। इस पूरे प्रकरण में साफ दिखाई दे रहा है कि लोकतंत्र का किस प्रकार हनन किया जा रहा है। हम इस फैसले को हर लोकतांत्रिक मंच पर चुनौती देंगे और न्याय के लिए उपलब्ध हर संवैधानिक रास्ते पर आगे बढ़ेंगे, क्योंकि हमारा विश्वास लोकतंत्र और संविधान में है। भाजपा अपने 12 वर्षों का जश्न मना रही है, लेकिन यह घटना दिखाती है कि यह जश्न लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक मर्यादाओं को कमजोर करके मनाया जा रहा है।

पीएम धन-धान्य कृषि योजना

जशपुर मॉडल बना राष्ट्रीय पहचान का केंद्र

केंद्र सरकार ने कृषि नवाचार, जल संरक्षण और किसान आय वृद्धि के प्रयासों की सराहना की

लोकमाया न्यूज।

रायपुर। प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के तहत कृषि विकास, जल संरक्षण एवं किसानों की आय बढ़ाने के लिए जशपुर जिले में किए जा रहे नवाचारों को भारत सरकार ने सराहा है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त सचिव तथा योजना के केंद्रीय नोडल अधिकारी श्री पी. अंबलगन (आईएएस) ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले की समीक्षा करते हुए जशपुर मॉडल को प्रभावी, दूरदर्शी और किसान हितैषी बताया।

समीक्षा बैठक में वर्ष 2025-26 की उपलब्धियों तथा वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना का प्रस्तुतीकरण किया गया। जिला प्रशासन द्वारा तैयार की गई कार्ययोजना में सुगंधित एवं औषधीय फसलों के क्लस्टर विकास, संविदा खेती को प्रोत्साहन, जीराफूल धान के रकबे का विस्तार, निर्यात योग्य धान क्लस्टर, सामुदायिक बीज बैंक, ड्रोन आधारित कृषि सेवाएं, कस्टम हायरिंग सेंटर तथा कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन और विपणन व्यवस्था को प्रमुखता दी गई है।बैठक में खरीफ सीजन 2026-27 की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि किसानों के लिए बीज एवं उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। संभावित एल-नीनो परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अल्प अवधि वाली धान किस्मों के साथ मोटे अनाज, दलहन एवं तिलहन फसलों की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है, ताकि मौसमीय चुनौतियों के बावजूद उत्पादन प्रभावित न हो।

जल संचय जनभागीदारी अभियान के तहत जिले में संचालित जल संरक्षण एवं भू-जल संवर्धन कार्यों की जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों से जल संसाधनों को सशक्त बनाने की दिशा में प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। संयुक्त सचिव श्री अंबलगन ने इन प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि जल संरक्षण कृषि की दीर्घकालिक स्थिरता और सिंचाई सुविधाओं के विस्तार का आधार है। उन्होंने कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य, सहकारिता एवं ग्रामीण विकास विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही किसान क्रेडिट कार्ड, प्राकृतिक खेती, कृषि यंत्रीकरण, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के सशक्तिकरण, मूल्य संवर्धन एवं बाजार संपर्क गतिविधियों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। श्री अंबलगन ने कहा कि किसानों की आय में स्थायी वृद्धि के लिए उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ कृषि आधारित उद्यमिता, आधुनिक तकनीक, प्रसंस्करण और विपणन को भी समान महत्व देना आवश्यक है। उन्होंने जिले में चल रहे नवाचारों की सराहना करते हुए कार्ययोजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल दिया। प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के अंतर्गत जशपुर में किसानों की आय वृद्धि, कृषि विविधीकरण, प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण एवं कृषि आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देने के प्रयास अब राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रहे हैं।

पेड़ों की सुरक्षा और संवर्धन पर समुचित ध्यान देने की आवश्यकता : राज्यपाल

लोकमाया न्यूज।

रायपुर। राज्यपालरमेन डेका से आज लोक भवन में प्रधान मुख्य वन संरक्षक अरुण कुमार पांडे, रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह, नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त श्री सम्बित मिश्रा, मुख्य वन संरक्षक रायपुर वृत्त मणिवासगन एस तथा रायपुर वन मंडल के डीएफओ श्री लोकनाथ पटेल ने मुलाकात की । इस दौरान राज्यपाल ने शहर और नया रायपुर में लगाए गए वृक्षों के संरक्षण एवं सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने पर बल दिया है। राज्यपाल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पौधे लगाने के बाद उनकी सुरक्षा और देखभाल सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि केवल अत्यावश्यक परिस्थितियों में ही वृक्षों की कटाई की अनुमति दी जाए। राज्यपाल ने शहर में बड़े वृक्षों के पास से ट्री गार्ड हटाने तथा जहां वृक्षारोपण किया गया है, वहां पेड़ों के चारों ओर बने कंक्रीट ढांचे को हटाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि पेड़ों की जड़ों तक पर्याप्त मात्रा में पानी और हवा पहुंचना जरूरी है, तभी उनका समुचित विकास हो सकेगा।